UGC : NTA NET-JRF/SET
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा
जूनियर रिसर्च फेलोशिप एवं लेक्चररशिप
पात्रता हेतु

इतिहास

हल प्रश्न-पत्र

प्रधान सम्पादक
आनन्द कुमार महाजन
संपादन एवं संकलन
यू.जी.सी. इतिहास परीक्षा विशेषज्ञ समिति
कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण, चरन सिंह
संपादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
मो. : 9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/website : www.yctbooksprime.com
© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा
सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने E:Book by APP YCT BOOKS, से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है
फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सहयोग और सुझाव सादर अपेक्षित है

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

विषय-सूची

- यू. जी. सी. NTA नेट इतिहास नवीन परीक्षा-पाठ्यक्रम----------3-4
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (जून) परीक्षा, 2011 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ---------- 5-12
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (दिसम्बर) परीक्षा, 2011 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ----------13-21
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (जून) परीक्षा, 2012 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ----------22-31
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (जून) परीक्षा, 2012 : तृतीय प्रश्न-पत्र----------32-44
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (दिसम्बर) परीक्षा, 2012 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ----------45-52
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (दिसम्बर) परीक्षा, 2012 : तृतीय प्रश्न-पत्र----------53-63
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (जून) परीक्षा, 2013 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ----------64-70
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (जून) परीक्षा, 2013 : तृतीय प्रश्न-पत्र----------71-80
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (दिसम्बर) परीक्षा, 2013 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ----------81-88
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (दिसम्बर) परीक्षा, 2013 : तृतीय प्रश्न-पत्र----------89-98
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (जून) परीक्षा, 2014 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ---------- 99-106
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (जून) परीक्षा, 2014 : तृतीय प्रश्न-पत्र----------107-118
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (दिसम्बर) परीक्षा, 2014 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ----------119-125
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (दिसम्बर) परीक्षा, 2014 : तृतीय प्रश्न-पत्र----------126-135
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (जून) परीक्षा, 2015 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ----------136-141
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (जून) परीक्षा, 2015 : तृतीय प्रश्न-पत्र----------142-152
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (दिसम्बर) परीक्षा, 2015 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ----------153-159
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (दिसम्बर) परीक्षा, 2015 : तृतीय प्रश्न-पत्र----------160-170
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (जुलाई) परीक्षा, 2016 : द्वितीय प्रश्न-पत्र----------171-177
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (जुलाई) परीक्षा, 2016 : तृतीय प्रश्न-पत्र ----------178-187
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (जनवरी) परीक्षा, 2017 : द्वितीय प्रश्न-पत्र----------188-195
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (जनवरी) परीक्षा, 2017 : तृतीय प्रश्न-पत्र ----------196-208
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (नवम्बर) परीक्षा, 2017 : द्वितीय प्रश्न-पत्र----------209-217
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (नवम्बर) परीक्षा, 2017 : तृतीय प्रश्न-पत्र ----------218-230
- यू. जी. सी. नेट इतिहास (जुलाई) परीक्षा, 2018 : द्वितीय प्रश्न-पत्र----------231-247
- यू. जी. सी. NTA नेट इतिहास (दिसम्बर) परीक्षा, 2018 : द्वितीय प्रश्न-पत्र----------248-266
- यू. जी. सी. NTA नेट इतिहास (जून) परीक्षा, 2019 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ----------267-283
- यू. जी. सी. NTA नेट इतिहास (दिसम्बर) परीक्षा, 2019 : द्वितीय प्रश्न-पत्र----------284-303
- यू. जी. सी. NTA नेट इतिहास (जून) परीक्षा, 2020 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ----------304-322
- यू. जी. सी. NTA नेट इतिहास (दिस. 2020/जून, 2021) परीक्षा, 2020 (Shift-I) : द्वितीय प्रश्न-पत्र----------323-354
- यू. जी. सी. NTA नेट इतिहास (दिस. 2020/जून, 2021) परीक्षा, 2020 (Shift-II) : द्वितीय प्रश्न-पत्र ----------355-389
- यू. जी. सी. NTA नेट इतिहास (दिस. 2021/जून, 2022) परीक्षा, 2022 (Shift-I) : द्वितीय प्रश्न-पत्र ----------390-421
- यू. जी. सी. NTA नेट इतिहास (दिस. 2021/जून, 2022) परीक्षा, 2022 (Shift-II) : द्वितीय प्रश्न-पत्र ----------422-451
- यू. जी. सी. NTA नेट इतिहास (दिस. 2022) परीक्षा, 2022 (Shift-I) : द्वितीय प्रश्न-पत्र----------452-483
- यू. जी. सी. NTA नेट इतिहास (दिस. 2022) परीक्षा, 2022 (Shift-II) : द्वितीय प्रश्न-पत्र ----------484-515
- यू. जी. सी. NTA नेट इतिहास (जून 2023) परीक्षा, 2023 (Shift-I) : द्वितीय प्रश्न-पत्र----------516-545
- यू. जी. सी. NTA नेट इतिहास (जून 2023) परीक्षा, 2023 (Shift-II) : द्वितीय प्रश्न-पत्र ----------546-576
- यू. जी. सी. NTA नेट इतिहास (दिसम्बर 2023) परीक्षा, 2023 : द्वितीय प्रश्न-पत्र----------577-600

यूजीसी NTA नेट इतिहास : नवीन पाठ्यक्रम

संकल्पनाएँ, विचार और अवधियाँ/शब्दावलियाँ

भारतवर्ष, सभा और समिति, वर्णाश्रम, वेदान्त, पुरुषार्थ, ऋण, संस्कार, यज्ञ, गणराज्य, जनपद, कर्म का सिद्धान्त, दंडनीति/अर्थशास्त्र/सप्तांग, धर्मविजय, स्तूप/चैत्य/विहार, नागर/द्राविड़/बेसरा, बौद्धिसत्व/तीर्थंकर, अलवार/नयनार, श्रेणी, भूमि-छिद्र-विधान-न्याय, कर-भोग-भाग, विष्टि, स्त्रीधन, स्मारक पत्थर, अग्रहार, आइन-इ-दशसाला, परगना, शाहना-इ-मण्डी, महलवारी, हिन्द स्वराज, वणिकत्ववाद, आर्थिक राष्ट्रवाद, खिलाफत, सुलह-इ-कुल, तुर्कान-इ-चहलगानी, वतन, बलूता, तकावी, इक्ता, जजिया, जकात, मदद-इ-माश, अमरम, राय-रेखो, जंगम/दास, मदरसा/मकतब, चौथ/सरदेशमुखी, सराय, पोलिगर, जागीर/शरियत, दस्तूर, मंसब (ओहदा), देशमुख, नाडु/उर, उलेमा, फरमान, सत्याग्रह, स्वदेशी, पुनःपरिवर्तनवाद, सम्प्रदायवाद, प्राच्यवाद, प्राच्य निरंकुशतावाद, वि-औद्योगिकीकरण, भारतीय पुनर्जागरण, आर्थिक अपवहन, उपनिवेशवाद, परमोच्चशक्ति, द्विशासनतंत्र, संघवाद, उपयोगितावाद, फिल्टर सिद्धान्त, अग्रवर्ती नीति, राज्य लोप सिद्धान्त, सहायक संध (मैत्री), सुधर्मवाद, भूदान, पंचशील, मिश्रित अर्थव्यवस्था, समाजवाद,
हिन्दू कोड बिल, ऐतिहासिक पद्धतियाँ, साहित्यिक चोरी, इतिहास लेखन में आचार और नैतिकता

इकाई I

स्रोतों संबंधी वार्ता : पुरातत्वीय स्रोत : अन्वेषण, उत्खनन, पुरालेख विद्या तथा मुद्राशास्त्र की जानकारी। पुरातत्वीय स्थलों का काल निर्धारण। साहित्यिक स्रोत : स्वदेशी साहित्य : प्राथमिक एवं द्वितीयक : धार्मिक और धर्म निरपेक्ष साहित्य, मिथिक, दंत कथाओं आदि के काल निर्धारण की समस्याएँ। विदेशी विवरण : यूनानी, चीनी और अरबी विद्वान।
पशुचारण और खाद्य उत्पादन : नवपाषाण और ताम्र पाषाण युग : अधिवासन, वितरण, औजार और विनिमय का ढाँचा।
सिंधु/हड़प्पा की सभ्यता : उद्भव, विस्तार सीमा, मुख्य स्थल, अधिवास का स्वरूप, शिल्प विशिष्टता, धर्म, समाज और राज्य शासन विधि, सिंध घाटी सभ्यता का ह्रास, आन्तरिक और बाहरी व्यापार, भारत में प्रथम शहरीकरण।
वैदिक तथा उत्तरकालीन वैदिक युग : आर्यों से संबंधित विवाद, राजनीतिक तथा सामाजिक संस्थाएँ, राज्य संरचना और राज्य के सिद्धान्त, वर्ण और सामाजिक स्तरीकरण का उद्भव, धार्मिक और दार्शनिक विचार। लौह प्रौद्योगिकी का प्रारम्भ, दक्षिण भारत के महापाषाण।
राज्य शासन व्यवस्था का विस्तार : महाजनपद, राजतन्त्रीय और गणतंत्रीय राज्य, आर्थिक और सामाजिक विकास और छठी शताब्दी ई.पू. में द्वितीय शहरीकरण का उद्भव, अशास्त्रीय पंथ – जैन धर्म, बौद्ध धर्म और आजीवक सम्प्रदायों का उद्भव।

इकाई II

राज्य से साम्राज्य तक : मगध का उत्थान, सिकन्दर के अधीन यूनानी आक्रमण और इसके प्रभाव, मौर्यों का प्रसार, मौर्यों की राज्य व्यवस्था, समाज, अर्थव्यवस्था, अशोक का धम्म और उसकी प्रकृति, मौर्य साम्राज्य का ह्रास और विघटन, मौर्य कालीन कला और वास्तुकला, अशोक के राजादेश : भाषा और लिपि।
साम्राज्य का अन्त और क्षेत्रीय ताकतों का उद्भव : इंडो-यूनानी, शुंग, सातवाहन, कुषाण और शक-क्षत्रप, संगम साहित्य, संगम साहित्य में प्रतिबिम्बत दक्षिण भारत की राज्य शासन प्रणाली और समाज। दूसरी शताब्दी बी.सी.ई. से तीसरी शताब्दी सी.ई. तक व्यापार और वाणिज्य, रोमन जगत के साथ व्यापार, महायान बौद्धधर्म, खारवेल और जैनधर्म का उद्भव, मौर्योत्तर काल में कला और वास्तुकला, गांधार, मथुरा और अमरावती शैलियाँ।
गुप्त वाकाटक युग : राज्य शासन व्यवस्था और समाज, कृषि अर्थव्यवस्था, भू-अनुदान, भू-राजस्व और भू-अधिकार, गुप्तकालीन सिक्के। मन्दिर स्थापत्य कला का प्रारम्भ, पौराणिक हिन्दू धर्म का उद्भव, संस्कृत भाषा और साहित्य का विकास, विज्ञान प्रौद्योगिकी, खगोल विज्ञान, गणित और औषधि में विकास।
हर्ष और उसका युग : प्रशासन और धर्म।
आंध्र देश में सालांकेयान वंश और विष्णुकुंडीन वंश।

इकाई III

क्षेत्रीय राज्यों का उद्भव : दक्षिण में राज्य : गंग, कदंब वंश, पश्चिमी और पूर्वी चालुक्य वंश, राष्ट्रकूट, कल्याणी चालुक्य, काकतीय, होयसल और यादव वंश।
दक्षिणी भारत में साम्राज्य : पल्लव, चेर, चोल, पाण्ड्य वंश।
पूर्वी भारत में साम्राज्य : बंगाल के पाल और सेन, कामरूप के वर्मन, उड़ीसा के भौमाकार और सोमवंशी।
पश्चिम भारत में साम्राज्य : बल्लभी के मैत्रिक और गुजरात के चालुक्य वंश।
उत्तरी भारत के साम्राज्य : गुर्जर-प्रतिहार, कलचुरी-चेदि, गहड़वाल वंश और परमार वंश।
प्रारम्भिक मध्यकालीन भारत की विशेषताएँ : प्रशासन और राजनीतिक ढांचा, राजतंत्र का वैधीकरण।
कृषि अर्थव्यवस्था : भूमि अनुदान, उत्पादन सम्बन्धी बदलते सम्बन्ध, श्रेणीबद्ध भूमि अधिकार और किसान वर्ग, जल संसाधन, कर प्रणाली, सिक्के और मुद्रा प्रणाली।
व्यापार और शहरीकरण : व्यापार का ढाँचा और शहरी बस्तियों का स्वरूप, पत्तन और व्यापार मार्ग, व्यापारी माल और विनमय, व्यापार संघ (गिल्ड), दक्षिण-पूर्व एशिया में व्यापार और उपनिवेशीकरण।
ब्राह्मणीय धर्मों का विकास : वैष्णववाद और शैववाद, मन्दिर : संरक्षण और क्षेत्रीय बहुशाखन। मंदिर स्थापत्य कला और क्षेत्रीय शैलियाँ।
दान, तीर्थ और भक्ति, तमिल भक्ति आंदोलन, शंकर, माधव और रामानुजाचार्य।
समाज : वर्ण, जाति और जातियों का प्रचुरोद्भवन, स्त्रियों की स्थिति, लिंग, विवाह और सम्पत्ति सम्बन्ध, सार्वजनिक जीवन में स्त्रियाँ। किसानों के रूप में जनजातियाँ और वर्ण व्यवस्था में उनका स्थान, अस्पृश्यता।
शिक्षा और शैक्षिक संस्थाएँ : शिक्षा के केन्द्रों के रूप में अग्रहार, मठ और महाविहार। क्षेत्रीय भाषाओं का विकास।
प्रारम्भिक मध्यकालीन भारत में राज्य निर्माण की चर्चाएँ : (अ) सामन्त मॉडल (ब) खंडीय मॉडल (स) समन्वयी मॉडल।
अरब के साथ सम्बन्ध : सुलेमान गजनवी विजय, अल्बेरूनी का यात्रा विवरण।

इकाई IV

मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोत : पुरातत्वीय, पुरालेखीय और मुद्रा शास्त्रीय स्रोत, भौतिक साक्ष्य और स्मारक, साहित्यिक स्रोत – फारसी, संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाएँ, दफ्तर खाना : फरमान, बहियाँ/पोथियाँ/अखबारात, विदेशी यात्रियों के वृत्तात – फारसी और अरबी।
राजनीतिक घटनाएँ – दिल्ली सल्तनत – गोरी, तुर्क, खलजी, तुगलक, सैय्यद और लोदी। दिल्ली सल्तनत का ह्रास।
मुगल साम्राज्य की नींव – बाबर, हुमायूँ और सूर वंश, अकबर से औरंगजेब तक प्रसार और सुदृढ़ीकरण। मुगल साम्राज्य का पतन।
उत्तर कालीन मुगल शासन और मुगल साम्राज्य का विघटन।
विजयनगर और बहमनी – दक्षिण सल्तनत, बीजापुर, गोलकुंडा, बिदर, बेरार और अहमदनगर – उत्थान, प्रसार और विघटन, पूर्वी गंग और सूर्यवंशी गजपति।
मराठों का उत्थान और शिवाजी द्वारा स्वराज की स्थापना, पेशवाओं के अधीन उसका विस्तार, मुगल-मराठों के सम्बन्ध, मराठा राज्यसंघ, पतन के कारण।

इकाई V

प्रशासन और अर्थव्यवस्था : सल्तनत के समय में प्रशासन, राज्य का स्वरूप – धर्मतंत्रीय और ईशकेन्द्रित, केन्द्रीय, प्रांतीय और स्थानीय प्रशासन, उत्तराधिकार का नियम।
शेरशाह के प्रशासनिक सुधार, मुगल प्रशासन-केन्द्रीय, प्रांतीय और स्थानीय : मंसबदारी और जागीरदारी पद्धतियाँ।
दक्षिण में प्रशासनिक प्रणाली – विजयनगर राज्य और शासन व्यवस्था, बहमनी प्रशासनिक प्रणाली, मराठा प्रशासन – अष्ट प्रधान।
दिल्ली सल्तनत और मुगलों के शासनकाल में सरहद सम्बन्धी नीतियाँ।
सल्तनत और मुगलों के शासन में अंतर्राज्य सम्बन्ध।

कृषि उत्थान और सिंचाई व्यवस्था, ग्राम अर्थव्यवस्था, किसान वर्ग, अनुदान और कृषि ऋण। शहरीकरण और जनांकिकीय ढांचा।
उद्योग – सूती कपड़ा, हस्तशिल्प, कृषि आधारित उद्योग, संगठन, कारखानें और प्रौद्योगिकी।
व्यापार और वाणिज्य – राज्य नीतियाँ, आंतरिक और बाह्य व्यापार : यूरोपीय व्यापार, व्यापार केन्द्र और पत्तन, परिवहन और संचार।
हुंडी (विनिमय पत्र) और बीमा, राज्य की आय और व्यय, मुद्रा, टकसाल प्रणाली, दुर्भिक्ष और किसान विद्रोह।

इकाई VI

समाज और संस्कृति : सामाजिक संगठन और सामाजिक संरचना।
सूफी – उनके सिलसिले, विश्वास और प्रथाएँ, प्रमुख सूफी संत, सामाजिक समकालीकरण।
भक्ति आंदोलन – शैववाद, वैष्णववाद, शक्तिवाद।
मध्यकालीन युग के संत – उत्तर और दक्षिण के संत, समाज-राजनीतिक और धार्मिक जीवन पर उनका प्रभाव।
मध्यकालीन भारत की स्त्री संत।
सिक्ख आंदोलन- गुरुनानक देव : उनकी शिक्षायें और प्रथाएँ, आदिग्रंथ, खालसा।
सामाजिक वर्गीकरण : शासक वर्ग, प्रमुख धार्मिक समूह, उलेमा, वणिक और व्यावसायिक वर्ग - राजपूत समाज।
ग्रामीण समाज – छोटे सामन्त, ग्राम कर्मचारी, कृषक और गैर कृषक वर्ग, शिल्पकार।
स्त्रियों की स्थिति – जनाना व्यवस्था- देवदासी व्यवस्था।
शिक्षा का विकास, शिक्षा के केन्द्र और पाठ्यक्रम, मदरसा शिक्षा।
ललित कलाएँ – चित्रकारी की प्रमुख शैलियाँ-मुगल, राजस्थानी, पहाड़ी, गढ़वाली, संगीत का विकास।
कला और वास्तुकला, इंडो-इस्लामी वास्तुकला, मुगल वास्तुकला, क्षेत्रीय वास्तुकला की शैलियाँ।
इंडो-अरबी वास्तुकला, मुगल उद्यान, मराठा दुर्ग, पूजा गृह और मंदिर।

इकाई VII

आधुनिक भारतीय इतिहास के स्रोत : अभिलेखागारीय सामग्री, जीवन चरित और संस्मरण, समाचार पत्र, मौखिक साक्ष्य, सृजनात्मक साहित्य और चित्रकारी, स्मारक, सिक्के।
ब्रिटिश सत्ता का उत्थान : 16वीं और 18वीं शताब्दी के दौरान भारत में यूरोपीय व्यापारी – पुर्तगाली, डच, फ्रांसीसी और ब्रिटिश।
भारत में ब्रिटिश आधिपत्य क्षेत्र (डोमिनियन) की स्थापना और विस्तार।
भारत के प्रमुख राज्यों के साथ ब्रिटिश सम्बन्ध – बंगाल, अवध, हैदराबाद, मैसूर, कर्नाटक और पंजाब।
1857 का विद्रोह, कारण, प्रकृति और प्रभाव।
कम्पनी और ताज (क्राउन) का प्रशासन, ईस्ट इंडिया कंपनी के अधीन केन्द्रीय तथा प्रान्तीय ढांचे का क्रमिक विकास (1773-1858)।
कम्पनी के शासन काल में सर्वोच्च सत्ता, सिविल सर्विस, न्यायतंत्र, पुलिस और सेना, ताज (क्राउन) के अधीन रजवाड़ों की रियासतों में सर्वोच्च सत्ता के प्रति ब्रिटिश नीति।
स्थानीय स्व-सरकार।
संवैधानिक परिवर्तन, 1909-1935

इकाई VIII

उपनिवेशीय अर्थव्यवस्था – बदलती संरचना, व्यापार की मात्रा और दिशा।
कृषि का विस्तार तथा वाणिज्यिकीकरण, भू अधिकार, भू बंदोबस्त, ग्रामीण ऋणग्रस्तता, भूमिहीन श्रम, सिंचाई और नहर व्यवस्था।
उद्योगों का ह्रास – शिल्पकारों की बदलती सामाजिक-आर्थिक स्थितियाँ, वि-शहरीकरण, आर्थिक अपवहन, विश्व युद्ध और अर्थव्यवस्था।
ब्रिटिश औद्योगिक नीति, मुख्य आधुनिक उद्योग, कारखाना कानून का स्वरूप, श्रम और मजदूर संघ आन्दोलन।
मौद्रिक नीति, बैंकिंग, मुद्रा और विनिमय, रेलवे तथा सड़क परिवहन, संचार-डाक और टेलीग्राफ।
नूतन शहरी केन्द्रों का विकास, नगर आयोजन और स्थापत्य की नूतन विशेषताएँ शहरी समाज और शहरी समस्याएँ।
अकाल, महामारी और सरकारी नीति।
जनजाति और किसान आंदोलन।
संक्रमणकाल में भारतीय समाज : ईसाई धर्म से सम्पर्क – ईसाई मिशन और मिशनरी, भारत की सामाजिक एवं आर्थिक प्रथाओं और धार्मिक धारणाओं की समालोचना, शैक्षिक तथा अन्य गतिविधियाँ।
नई शिक्षा – सरकारी नीति, स्तर और विषयवस्तु, अंग्रेजी भाषा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, लोक स्वास्थ्य एवं औषधि – आधुनिकतावाद की ओर।
भारतीय पुनर्जागरण – सामाजिक-धार्मिक सुधार, मध्यम वर्ग का उद्भव, जातिगत संगठन और जातीय गतिशीलता।
स्त्रियों से संबंधित प्रश्न – राष्ट्रवादी चर्चा, स्त्रियों के संगठन, स्त्रियों से सम्बन्धित ब्रिटिश कानून, लिंग पहचान एवं संवैधानिक स्थिति।
प्रिंटिंग प्रेस – पत्रकारिता सम्बन्धी गतिविधि तथा लोकमत।
भारतीय भाषाओं और साहित्यिक विधाओं का आधुनिकीकरण – चित्रकारी, संगीत और प्रदर्शन कलाओं का पुनर्स्थापन।

इकाई IX

भारतीय राष्ट्रवाद का उत्थान : राष्ट्रवाद का सामाजिक एवं आर्थिक आधार।
भारतीय नेशनल कांग्रेस का जन्म, भारतीय नेशनल कांग्रेस के सिद्धान्त और कार्यक्रम, 1885-1920 : प्रारम्भिक राष्ट्रवादी, स्वाग्रही राष्ट्रवादी और आंदोलनकारी।
स्वदेशी और स्वराज।
गांधीवादी जन आन्दोलन, सुभाष चंद्र बोस और आई.एन.ए., राष्ट्रीय आंदोलन में मध्य वर्ग की भूमिका, राष्ट्रीय आन्दोलन में स्त्रियों की भागीदारी।
वामपंथी राजनीति।
दलित वर्ग आंदोलन।
साम्प्रदायिक राजनीति, मुस्लिम लीग एवं पाकिस्तान की उत्पत्ति।
स्वतन्त्रता और विभाजन की ओर।
स्वतंत्रता के पश्चात् भारत : विभाजन की चुनौतियाँ, भारतीय रजवाड़ों की रियासतों का एकीकरण, कश्मीर, हैदराबाद तथा जूनागढ़।
बी. आर. अम्बेडकर – भारतीय संविधान का निर्माण, इसकी विशेषताएँ।
अधिकारी वर्ग का ढांचा।
नई शिक्षा नीति।
आर्थिक नीतियाँ और नियोजन प्रक्रिया, विकास, विस्थापन और जनजातीय मुद्दे।
राज्यों का भाषाई पुनर्गठन, केन्द्र-राज्य सम्बन्ध।
विदेश नीति सम्बन्धी पहल – पंचशील, भारतीय राजनीति की गत्यात्मकता, आपातकाल, उदारीकरण, भारतीय अर्थव्यवस्था का निजीकरण तथा वैश्वीकरण।

इकाई X

ऐतिहासिक प्रणाली, शोध, कार्य प्रणाली तथा इतिहास लेखन :
इतिहास की विषय विस्तार सीमा और महत्व
इतिहास में वस्तुनिष्ठता और पूर्वाग्रह
अन्वेषणात्मक संक्रिया, इतिहास में आलोचना, संश्लेषण तथा प्रस्तुति।
इतिहास और इसके सहायक विज्ञान।
इतिहास विज्ञान, कला या सामाजिक विज्ञान।
इतिहास में कारण-कार्य सम्बन्ध और कल्पना।
क्षेत्रीय इतिहास का महत्व।
भारतीय इतिहास में आधुनिक प्रवृत्तियाँ।
शोध कार्यप्रणाली।
इतिहास में प्राक्कल्पना।
प्रस्तावित शोध का क्षेत्र।
स्रोत – आंकड़ों का संग्रह-प्राथमिक/द्वितीयक, मूल तथा पारगमनीय स्रोत।
इतिहास शोध में प्रवृत्तियाँ।
वर्तमान भारतीय इतिहास लेखन।
इतिहास में विषय का चयन।
नोट्स लेना, संदर्भ निर्देश, पाद टिप्पणियाँ और ग्रंथ-सूची।
थीसिस/शोध प्रबन्ध और निर्दिष्ट कार्य को पूरा करना।
साहित्यिक चोरी, बौद्धिक बेईमानी और इतिहास लेखन।
ऐतिहासिक लेखन का प्रारम्भ – यूनानी, रोमन एवं गिरजाघर सम्बन्धी इतिहास लेखन।
पुनर्जागरण और इतिहास लेखन पर इसका प्रभाव।
इतिहास लेखन के नकारात्मक तथा सकारात्मक समर्थक।
इतिहास लेखन में बर्लिन क्रान्ति – वी. रैंक।
इतिहास का मार्क्सवादी दर्शन – वैज्ञानिक भौतिकवाद।
इतिहास का चक्रीय सिद्धान्त – औसवाल्ड स्पेंगलर।
चुनौती एवं प्रत्युत्तर सिद्धान्त – अर्नोल्ड जोसफ टॉयनबी।
इतिहास में उत्तर-आधुनिकतावाद।

यू.जी.सी. नेट परीक्षा, जून, 2011

इतिहास

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1¼ घंटा] **[पूर्णाङ्कः 100**

नोट : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक है। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित पुरातात्त्विक स्थलों में से कहां पर जलभण्डार का साक्ष्य पाया गया?

(A) लोथल (B) कालीबंगा
(C) बनावली (D) चंहूदड़ों

उत्तर–(A)

व्याख्या– जलभण्डार का साक्ष्य लोथल से प्राप्त हुआ है। लोथल, हड़प्पा सभ्यता का एक मुख्य स्थल था, जहाँ से बन्दरगाह के नमूने प्राप्त हुए हैं। विदित है कि लोथल खम्भात की खाड़ी के क्षेत्र में स्थित अहमदाबाद जिले में साबरमती नदी की सहायक भोगवा नदी के किनारे स्थित है। लोथल की खोज 1954 ई. में एस.आर. राव ने की थी।

2. निम्नलिखित में से किसने इण्डियन एसोसिएशन फॉर दि कल्टीवेशन ऑफ साईंस की स्थापना की थी?

(A) जे.सी. बोस (B) मेघनाद साहा
(C) होमी भाभा (D) महेन्द्रलाल सरकार

उत्तर–(D)

व्याख्या–'इण्डियन एसोसिएशन फॉर दि कल्टीवेशन ऑफ साईंस' की स्थापना जुलाई 1876 ई. में महेन्द्रलाल सरकार ने की थी। जबकि जे.सी. बोस ने कैस्क्रोग्राफ की खोज की। मेघनाथ साहा ने सन् 1920 में थर्मल आयनाईजेसन इक्वेशन की खोज की और होमी जहांगीर भाभा ने भारत में परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की शुरुआत की।

3. निम्नलिखित को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

(i) इंडिका **(ii) ऋग्वेद**
(iii) अर्थशास्त्र **(iv) त्रिपिटक**

कूट :

(A) (i) (iv) (ii) (iii)
(B) (ii) (i) (iv) (iii)
(C) (iv) (i) (ii) (iii)
(D) (ii) (iv) (iii) (i)

उत्तर–(D)

व्याख्या–ग्रन्थ और उनका रचनाकाल निम्नवत है –

ऋग्वेद	–	वैदिक काल (प्रथम वेद हैं)
त्रिपिटक	–	बौद्ध काल (सुत्त, विनय, अभिधम्म पिटक)
अर्थशास्त्र	–	मौर्य काल (कौटिल्य)
इंडिका	–	मौर्य काल (मेगस्थनीज)

4. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I (नदी)	**सूची-II(शहर)**
(a) सिन्धु	**(i) कालीबंगा**
(b) रावी	**(ii) मोहनजोदड़ो**
(c) घग्घर	**(iii) रोपड़**
(d) सतलज	**(iv) हड़प्पा**

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(B)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

उत्तर–(A)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I (नदी)		**सूची-II (स्थल)**
सिन्धु	–	मोहनजोदड़ो
रावी	–	हड़प्पा
घग्घर	–	कालीबंगा
सतलज	–	रोपड़

5. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	**सूची-II**
(a) कारनेलियन बीड	**(i) बंगाल**
(b) ताम्र	**(ii) बन्दरगाह**
(c) अरिकामेडू	**(iii) हड़प्पा**
(d) ताम्रलिप्ति	**(iv) राजस्थान**

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

उत्तर–(D)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		**सूची-II**
कारनेलियन बीड	–	हड़प्पा
ताम्र	–	राजस्थान
अरिकामेडु	–	बंदरगाह
ताम्रलिप्ति	–	बंगाल

6. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
(a) डेविड अर्नोल्ड	(i) प्रि ल्यूड टू पार्टीशन
(b) डेविड लुडेन	(ii) दी लोकल रूट्स ऑफ इण्डियन पॉलिटिक्स : इलाहाबाद
(c) डेविड पेज	(iii) दि कांग्रेस इन तमिलनाडु
(d) सी.ए. बेली	(iv) ऐन एग्रेरियन हिस्ट्री ऑफ साऊथ इण्डिया

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

उत्तर–(D)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		सूची-II
डेविड अर्नोल्ड	–	दि कांग्रेस इन तमिलनाडु
डेविड लुडेन	–	ऐन एग्रेरियन हिस्ट्री ऑफ साउथ इंडिया
डेविड पेज	–	प्रि ल्यूड टू पार्टीशन
सी.ए. बेली	–	दी लोकल रूट्स ऑफ इंडियन पालिटिक्स : इलाहाबाद

6. ऋग्वेद में पंचजन किसे द्योतित करता है?

(A) आर्यों की पाँच जनजातियाँ
(B) अनार्यों की पाँच जनजातियाँ
(C) एक गाँव के पाँच मुखिया
(D) पाँच गाँवों के मुखिया

उत्तर–(A)

व्याख्या–ऋग्वेद में पंचजन आर्यों की पांच जनजातियों को द्योतित करता है। वैदिक ग्रन्थ के अनुसार आर्यों के पांच कबीले अर्थात जन थे। ये पांच कबीले अनु, द्रुहु, पुरू, तुर्वसु और यदु थे। इन कबीलों के अधिपति को जनपति या राजा कहा जाता था।

8. कृषि को बढ़ावा देने के कितने कारणों का ऋग्वेद में उल्लेख है?

(A) 04 (B) 05
(C) 06 (D) 07

उत्तर–(B)

व्याख्या– ऋग्वेद के चतुर्थ मण्डल में कृषि सम्बन्धी प्रक्रियाओं का उल्लेख मिलता है। इसमें 5 ऋतुओं का भी उल्लेख किया गया है। ऋग्वेद के प्रथम एवं दसवें मण्डल में कृषि को बढ़ावा देने के लिए 5 कारणों का उल्लेख किया गया है -
1. हल चलाना 2. बीज बोना 3. हँसिया से फसल काटना 4. अनाज कूटना 5. दाने अलग करना। ऋग्वेद के 10552 श्लोकों में से केवल 24 में ही कृषि का उल्लेख किया गया है। ऋग्वेद में कृषि के महत्त्व के बारे में उर्वर, धान्य, वपन्ति शब्द मिलता है। कृष्टि शब्द का उल्लेख 33 बार हुआ है।

9. भारत में सोने के सिक्के जारी करने वाला पहला राजा कौन था?

(A) कुजुल कडफिसस (B) विम कडफिसस
(C) कनिष्क (D) चन्द्रगुप्त II

उत्तर–(B)

व्याख्या–भारत में सोने के सिक्के जारी करने वाला पहला राजा विम कदफिसस था। विम कडफिसस कुषाण वंश का शासक था। विदित है कि विम कडफिसस ने स्वर्ण सिक्कों के साथ तांबे के सिक्कों को भी प्रचलन में लाया था। इन सिक्कों पर शिव, नंदी एवं त्रिशूल की आकृतियां मिलती हैं।

10. निम्नलिखित में से किस राजा ने सर्वप्रथम संस्कृत में एक विस्तृत अभिलेख जारी किया था?

(A) अशोक (B) रुद्रदामन
(C) खारवेल (D) गोंडोफर्निस

उत्तर–(B)

व्याख्या–संस्कृत में पहला विस्तृत अभिलेख जारी करने वाला राजा रुद्रदामन (शक् शासक) था। विदित है कि काव्य के रूप में प्रथम अभिलेख 150 ई. में काठियावाड़ में रुद्रदामन द्वारा लिखवाया गया था। इसमें उल्लेख मिलता है कि मौर्य कालीन सुदर्शन झील के टूटे हुए बांध को रुद्रदामन ने ही बनवाया था।

11. निम्नलिखित में से कौन-सा पद गुप्त-काल में प्रयुक्त पद 'भुक्ति' को द्योतित करता है?

(A) प्रान्त (B) जनपद
(C) नगर परिषद् (D) ग्राम

उत्तर–(A)

व्याख्या–गुप्त काल में प्रान्त को अवनि या भुक्ति कहा जाता था। भुक्ति के शासक को 'उपरिक' कहा जाता था जिसकी नियुक्ति सम्राट द्वारा की जाती थी। उल्लेखनीय है कि उपरिक पद प्रायः राजा या राजकुल से सम्बद्ध लोगों को प्रदान किया जाता था। परन्तु कभी-कभी अन्य योग्य व्यक्तियों को भी यह पद प्रदान किया जाता था।

12. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है :

अभिकथन (A) : निषाद्, जो मूलतः आदिवासी थे, बौद्ध मतावलम्बियों के लिए अछूत थे।

कारण (R) : यह आरम्भिक ब्राह्मणीय विधि-निर्माताओं की मनोवृत्ति से साम्य रखता है।

उपर्युक्त वक्तव्यों को पढ़िये तथा नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

(A) (A) सही है, परन्तु (R) सही नहीं है।
(B) (A) सही नहीं है, परन्तु (R) सही है।
(C) (A) तथा (R) दोनों सही नहीं है।
(D) (A) तथा (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

उत्तर–(A)

व्याख्या–निषाद आदिवासी बौद्ध मतावलम्बियों के लिए अछूत थे। क्योंकि निषादों का मुख्य कार्य शिकार था जिससे जीव हिंसा होती थी और बौद्ध धर्म में हिंसा निषिद्ध थी। उल्लेखनीय है कि बौद्ध धर्म आरम्भिक ब्राह्मणीय विधि-निर्माताओं की मनोवृत्ति से साम्य नहीं रखता था।

13. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है

अभिकथन (A) : ईसा काल की प्रथम पांच शताब्दियों में मलय उपद्वीप में भारतीयों ने अनेक राज्यों की स्थापना की।

कारण (R) : पुरातात्त्विक अवशेषों से समृद्ध भारतीय उपनिवेशों के अस्तित्व का संकेत नहीं मिलता।

उपर्युक्त वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा उत्तर सही है?

कूट :

(A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है, (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(B) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।
(C) (A) तथा (R) दोनों सही नहीं हैं।
(D) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।

उत्तर–(A)

व्याख्या– भारतीय परम्पराओं के प्रसार का प्रमाणिक स्रोत एक बहुत विवादित विषय है। लेकिन ईसा काल की प्रथम पाँच शताब्दियों में मलय उपद्वीप में भारतीयों ने अनेक राज्यों की स्थापना की। भारतीय उपमहाद्वीप में पुरातात्विक अवशेषों से समृद्ध भारतीय उपनिवेशों के अस्तित्व के संकेत मलय प्रायद्वीप और सुमात्रा, जावा, बोर्नियों और इंडोनेशिया आदि से मिलते हैं। इस प्रकार (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।

14. निम्नलिखित को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

(i) श्रीहर्ष **(ii) माघ**
(iii) भारवि **(iv) भट्टि**

कूट :

(A) (i) (ii) (iii) (iv)
(B) (ii) (iii) (i) (iv)
(C) (iii) (iv) (ii) (i)
(D) (iv) (ii) (i) (iii)

उत्तर–(C)

व्याख्या–लेखकों और उनका काल क्रम इस प्रकार है–

भारवि	–	छठीं शताब्दी ई.
भट्टि	–	सातवीं शताब्दी ई. का पूर्वार्द्ध
माघ	–	सातवीं शताब्दी ई.
श्रीहर्ष	–	12वीं शताब्दी ई.

15. निम्नलिखित को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

(i) धर्मपाल **(ii) मिहिर भोज**
(iii) महेन्द्रपाल **(iv) वत्सराज**

कूट :

(A) (ii) (iii) (i) (iv)
(B) (iii) (i) (iv) (ii)
(C) (i) (iv) (ii) (iii)
(D) (iv) (i) (ii) (iii)

उत्तर–(C)

व्याख्या–धर्मपाल (770-810 ई.) गोपाल का उत्तराधिकारी एवं पाल वंश का शक्तिशाली शासक था। प्रतिहार वंश का वास्तविक शासक वत्सराज (780-800 ई.) था, जबकि प्रतिहार वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली एवं प्रतापी राजा मिहिर भोज (836-885ई.) था। राजशेखर, प्रतिहार शासक महेन्द्र पाल (885-910ई.) के दरबार में रहते थे।

16. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	**सूची-II**
(a) गणतन्त्र	(i) रुद्रदामन
(b) उत्तरी काली पालिश्ड वेयर	(ii) छठी शती ई.पू.
(c) गिरनार अभिलेख	(iii) कपिलवस्तु
(d) शाक्य	(iv) गांगेय मैदान

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर–(B)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		**सूची-II**
गणतंत्र	–	6ठीं शताब्दी ई.पू.
उत्तरी काली पालिश्ड वेयर	–	गांगेय मैदान
गिरनार अभिलेख	–	रुद्रदामन
शाक्य	–	कपिलवस्तु

17. तारीख-ए-फिरोजशाही का लेखक कौन है?

(A) शम्स-ए-सिराज अफीफ (B) अमीर खुसरो
(C) मीर खुर्द (D) फिरोजशाह तुगलक

उत्तर–(A)

व्याख्या–तारीख-ए-फिरोजशाही के लेखक शम्स-ए-शिराज अफीफ हैं। ये फिरोज शाह तुगलक के दरबारी इतिहासकार थे। अमीर खुसरो की रचना तुगलकनामा एवं किरान-उस-सादेन है जिसमें बंगाल के सूबेदार बुगरा खाँ और पुत्र कैकुबाद के भेंट का वर्णन है। फिरोजशाह तुगलक की रचना फुतूहात-ए-फिरोजशाही (आत्मकथा) है। तारीख-ए-फिरोजशाही नाम से ही एक पुस्तक जियाउद्दीन बरनी ने भी लिखा था।

18. अमीर हसन आला सिज्जी द्वारा संकलित कृति फवायद उल फुआद निम्नलिखित में से किसके डुइंग्स एण्ड सेइंग्स का अभिलेख है?

(A) ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (B) शेख फरीद गंज शकर
(C) शेख सलीम चिश्ती (D) शेख निजमुद्दीन ओलिया

उत्तर–(D)

व्याख्या–अमीर हसन आला सिज्जी द्वारा संकलित कृति 'फवायद उल फुआद' नामक ग्रन्थ में निजामुद्दीन औलिया की मजलिसें संकलित हैं। इस ग्रन्थ का मूल उद्देश्य औलिया के वचन (सेंइग्स) एवं कार्यो (डुइंग्स) का प्रकाशन था। विदित है कि निजामुद्दीन औलिया भारत में चिश्ती सम्प्रदाय के एक महत्त्वपूर्ण सूफी सन्त थे।

19. सूफी शब्दावली में विलायत का क्या अर्थ है?

(A) विदेशी क्षेत्र (B) मुखिया का क्षेत्र
(C) आध्यात्मिक क्षेत्र (D) जमींदार का क्षेत्र

उत्तर–(C)

व्याख्या–सूफी शब्दावली में विलायत का अर्थ एक ऐसे निजी आध्यात्मिक क्षेत्र से है, जहाँ सूफी सन्त आराधना करते हैं अथवा जहाँ वे साधनात्मक क्रियाओं को अंजाम देते हैं। ध्यातव्य है कि सूफियों के निवास स्थल को खानकाह कहा जाता है।

20. राजतिलक के तुरन्त पश्चात् जहाँगीर द्वारा जारी किये गये अध्यादेशों में दसवां अध्यादेश सम्बन्धित था :

(A) उसके साम्राज्य में शराबबन्दी
(B) जागीरदारों के क्षेत्र
(C) राज्य की बीमार जनता का राज्य के खर्च पर इलाज
(D) किसी के घर पर दूसरे व्यक्ति द्वारा जबरदस्ती अधिकार जमाने से रोकने

उत्तर–(B)

व्याख्या– जहाँगीर द्वारा जारी किये गये अध्यादेशों में 10वाँ अध्यादेश जागीरों तथा मनसबों के सामान्य प्रमाणीकरण से सम्बधित था। इस प्रकार जागीरदारों के क्षेत्र की पुष्टि करके उन्हें पदोन्नति प्रदान की गई। विदित है कि नवम्बर 1605 ई. में आगरा के किलें में अपने राजतिलक के समय जहाँगीर ने 'नूरूद्दीन मुहम्मद जहाँगीर बादशाह गाजी' उपाधि धारण की तथा इस अवसर पर उसने बारह अध्यादेश (घोषणाएँ) जारी करवाई।

21. दिल्ली स्थित जामा मस्जिद की नींव किसने रखी?

(A) सम्राट शाहजहाँ (B) महाबत खान
(C) इस्लाम खान (D) सम्राट औरंगजेब

उत्तर–(A)

व्याख्या–दिल्ली स्थित जामा मस्जिद की नींव शाहजहाँ ने 1644 ई. में रखी थी जिसका निर्माण 1656 में पूरा हुआ था यह मस्जिद पूर्णतया लाल बलुआ पत्थरों से निर्मित है। मस्जिद एक ऊँचे चबूतरे पर स्थित है। इसके चारों ओर 4-4 मंजिला मीनारें हैं। आगरा में स्थित जामा मस्जिद का निर्माण जहांआरा ने करवाया था।

22. अमीन के पद का सृजन किसने किया?

(A) फिरोज तुगलक (B) अकबर
(C) जहाँगीर (D) शाहजहाँ

उत्तर–(D)

व्याख्या–अमीन के पद का सृजन मुगल शासक शाहजहां ने किया था। प्रत्येक परगनों में राजस्व के निर्धारण के लिए 'अमीन' की नियुक्ति की जाती थी। विदित है कि शिकदार परगने का मुख्य अधिकारी होता था जबकि परगने का खजांची फोतदार होता था।

23. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है :

अभिकथन (A) : उत्तरी भारत के अंतिम महान सम्राट के रूप में भारतीय इतिहास में पृथ्वीराज तृतीय का अप्रतिम स्थान है।

कारण (R) : हमें पता है कि समसामयिक स्त्रोतों में इस बात के साक्ष्य मौजूद हैं।

उपर्युक्त वक्तव्यों को पढ़िये तथा नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर चुनिए :

(A) (A) सही है, परन्तु (R), गलत है।
(B) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।
(C) (A) तथा (R) दोनों सही नहीं हैं।
(D) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R) (A) की सही व्याख्या है।

उत्तर–(D)

व्याख्या–उत्तरी भारत के अन्तिम सम्राट के रूप में भारतीय इतिहास में पृथ्वीराज तृतीय का अप्रतिम स्थान है। क्योंकि पृथ्वीराज चौहान ने भारत में इस्लाम धर्म के प्रसार को रोका था। समसामयिक स्त्रोतों में इस बात के साक्ष्य उपलब्ध हैं। पृथ्वीराज और मुहम्मद गोरी के बीच तराइन का प्रथम युद्ध (1191 ई.) हुआ था। तराइन के द्वितीय युद्ध (1192) में वह मुहम्मद गोरी से पराजित हो गया था।

24. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से अपने उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (राज्य)	**सूची-II (राजधानी)**
(a) निजामशाही	**(i) गोलकुण्डा**
(b) कुतुबशाही	**(ii) बीजापुर**
(c) इमामशाही	**(iii) अहमदनगर**
(d) आदिलशाही	**(iv) बरार**

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(D)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

उत्तर–(A)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है – बहमनी साम्राज्य के विघटन के पश्चात पाँच स्वतंत्र राज्यों का उद्भव हुआ था जो निम्न है-

राज्य		**राजधानी**
निजामशाही	–	अहमदनगर
कुतुबशाही	–	गोलकुण्डा
इमादशाही	–	बरार
आदिलशाही	–	बीजापुर

25. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

सम्राट	**सूबों की संख्या**
(A) अकबर	15
(B) जहाँगीर	17
(C) शाहजहां	22
(D) औरंगजेब	24

उत्तर–(*)

व्याख्या– सम्पूर्ण मुगल साम्राज्य को सूबों में बाँटा गया था। अकबर ने अपने शासन काल के 24वें वर्ष (1580) में अपने सम्पूर्ण साम्राज्य को 12 सूबों (प्रान्तों) में विभाजित किया था, शासन के अन्त में सूबो की संख्या बढ़कर 15 हो गयी थी जो शाहजहाँ के समय 18 और औरंगजेब के शासन काल में 20 हो गयी थी। प्रान्तीय शासक को साधारण भाषा में सूबेदार कहा जाता था।

नोट – जहाँगीर के समय भी 15 सूबें (प्रान्त) ही रहे। उसने कांगड़ा को जीता किन्तु उसे लाहौर सूबे में ही मिला दिया था।

26. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से अपने उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (यात्री)	**सूची-II (विजय नगर के शासक)**
a. निकोलो डी. कोण्टी	**(i) कृष्णदेव राय**
b. डोमिंगोज पेइज	**(ii) देवराय द्वितीय**
c. फ्रेरनो नून्ज	**(iii) देवराय प्रथम**
d. अब्दुर रज्जाक	**(iv) अच्युत राव**

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(B)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर–(A)

व्याख्या– निकोलो डी. कोण्टी इटैलियन यात्री था तथा उसने 1420 ई. में देवराय प्रथम के समय में विजयनगर की यात्रा की थी। इसने अपने विवरण में विजयनगर की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, रीति-रिवाजों व नगर की संरचना आदि के बारे में विस्तृत विवरण दिया है। अब्दुर्रज्जाक ईरानी राजदूत था जो 1443 ई. में विजयनगर के राजा देवराय II के दरबार में आया था। डोमिंगोज पेइज पुर्तगाली यात्री था जिसने 1520-22 ई. में कृष्णदेवराय के समय विजयनगर की यात्रा की । नूनिज एक पुर्तगाली यात्री और घोड़ों का सौदागर था जिसने अच्युत देवराय के शासनकाल में 1535-37 ई. में विजयनगर की यात्रा की।

27. निम्नलिखित इमारतों का सही अनुक्रम क्या है?
नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर चुनिये :
(i) एतमाद्-उद्-दौला का मकबरा
(ii) हुमायूँ का मकबरा
(iii) आसफ खान का मकबरा
(iv) ताजमहल
(A) (ii) (i) (iii) (iv)
(B) (i) (ii) (iv) (iii)
(C) (iii) (i) (ii) (iv)
(D) (iv) (iii) (i) (ii)
उत्तर–(A)

व्याख्या–मुगलकालीन मकबरा और उनका काल क्रम इस प्रकार है–
हुमायूँ का मकबरा – 1565 – 1570 ई.
एतमाद्-उद्-दौला का मकबरा – 1626 ई.
ताजमहल – 1631 – 1653 ई.
आसफ खान का मकबरा – 1641 – 1645 ई.

28. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	**सूची-II**
(a) अबुल फजल	(i) तारीख-ए-फिरोजशाही
(b) जियाउद्दीन बरनी	(ii) अकबरनामा
(c) अब्दुल हमीद लाहौरी	(iii) बादशाहनामा
(d) खाफी खां	(iv) मुन्तखबब-उल-लुबाब

कूट :

(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A) (i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B) (ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C) (iii)	(i)	(ii)	(iv)
(D) (iv)	(ii)	(i)	(iii)

उत्तर–(B)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		**सूची-II**
अबुल फजल	–	अकबरनामा
जियाउद्दीन बरनी	–	तारीख-ए-फिरोजशाही
अब्दुल हमीद लाहौरी	–	बादशाहनामा
खाफी खां	–	मुन्तखबब-उल-लुबाब

29. अकबरकालीन निम्नांकित घटनाओं में कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

घटना	**वर्ष**
(A) मेड़ता को हस्तगत करना	1562
(B) असीरगढ़ का घेरा	1601
(C) गोड़वाना की विजय	1564
(D) उड़ीसा की विजय	1582

उत्तर–(D)

व्याख्या– अकबर द्वारा विभिन्न राज्यों पर विजय प्राप्त करने का सही क्रम इस प्रकार है:-
मेड़ता – 1562 ई.
गढ़ कतंगा (गोंडवाना) – 1564 ई.
चित्तौड़ – 1568 ई.
रणथम्भौर – 1569 ई.
कालिंजर – 1569 ई.
गुजरात – 1572-73 ई.
मेवाड़ – 1576 ई. (हल्दीघाटी युद्ध)
काबुल – 1581 ई.
कश्मीर – 1585 ई.
बलूचिस्तान – 1595 ई.
उड़ीसा – 1592 ई. (मानसिंह द्वारा विजय प्राप्त किया गया)
अहमदनगर – 1600 ई.
खानदेश (असीरगढ़ का किला) -1601 ई.

30. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	**सूची-II**
(a) नैरोजी	**(i) हरिजन**
(b) तिलक	**(ii) ड्रेन**
(c) गांधी	**(iii) पंचशील**
(d) नेहरू	**(iv) स्वराज**

कूट :

(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A) (iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B) (ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C) (ii)	(iv)	(iii)	(i)
(D) (iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर–(B)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–
नौरोजी – ड्रेन थ्योरी (धन निष्कासन सिद्धान्त)
तिलक – स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।
गांधी – हरिजन पत्रिका
नेहरू – पंचशील सिद्धान्त

31. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थान पुर्तगालियों का व्यापारिक ठिकाना नहीं था?
(A) कालीकट (B) बरोच
(C) कोचीन (D) माहे
उत्तर–(B)

व्याख्या–बरोच पुर्तगालियों का व्यापारिक ठिकाना नहीं था जबकि कालीकट, कोचीन, मछलीपट्टनम और माहे पुर्तगालियों का व्यापारिक ठिकाना था। भड़ौच गुजरात में स्थित एक बन्दरगाह था।

32. निम्नलिखित में से कौन बक्सर में अंग्रेजी पढ़ाता था?
(A) मीर जाफर (B) सिराज-उद्-दौला
(C) मीर कासिम (D) शुजाउद्दीन
उत्तर–(C)

व्याख्या–बक्सर (बिहार) में मीरकासिम अंग्रेजी पढ़ाता था। जबकि सिराजुद्दौला, अलीवर्दी खाँ की मृत्यु (1756 ई.) के बाद बंगाल का नवाब बना। कोठरी की घटना नवाब सिराजुद्दौला के शासन काल में 20 जून 1756 ई. को घटी थी।

33. पिट्स इण्डिया ऐक्ट कब पारित हुआ था?

(A) 1781 (B) 1784
(C) 1786 (D) 1788

उत्तर–(B)

व्याख्या– पिट्स इंडिया एक्ट 1784 ई. में पारित हुआ था इस अधिनियम के द्वारा द्वैध शासन की शुरूआत हुई, जो 1858 ई. तक विद्यमान रही। इस एक्ट के तहत राजनीतिक मामलों के लिए बोर्ड ऑफ नियंत्रक एवं व्यापारिक मामलों के लिए कोर्ट ऑफ डायरेक्टर की स्थापना की गई थी।

34. कामागाटामारू पर सवार पंजाबी गदरकारियों की अंग्रेजी सेना के साथ भिड़न्त कहां पर हुई

(A) बम्बई (B) कालीकट
(C) बजबज (D) कलकत्ता

उत्तर–(C)

व्याख्या– कामागाटामारू जहाज पर सवार पंजाबी गदरकारियों की अंग्रेजी सेना के साथ भिड़न्त कलकत्ता के पास बजबज में हुई थी। चूंकि 1914 ई. में 376 भारतीय नागरिकों को बाबा गुरदीत सिंह ने कामागाटा मारू जहाज को भाड़े पर लेकर कनाडा के बैंकुवर ले जा रहे थे, परन्तु कनाडा सरकार ने इन यात्रियों को बन्दरगाह पर उतरने की अनुमति नहीं दी। अतः जहाज 27 सितम्बर 1914 को पुनः कलकत्ता के बजबज नामक स्थान पर लौट गया। यहीं पर गदरकारियों और ब्रिटिश सेना के मध्य हुए हिंसक झड़प में 19 यात्रियों की गोली लगने से मौत हो गई। इस घटना ने गदर आंदोलन के उत्प्रेरक के रूप में कार्य किया।

35. भारत के योजना आयोग की स्थापना किस वर्ष में हुई थी?

(A) 1935 (B) 1947
(C) 1950 (D) 1951

उत्तर–(C)

व्याख्या–स्वतन्त्रता पश्चात सन् 1947 में पं. नेहरू की अध्यक्षता में आर्थिक नियोजन समिति गठित हुई। बाद में इसी समिति के सिफारिश पर 15 मार्च, 1950 ई. में योजना आयोग का गठन एक गैर सांविधिक तथा परामर्शदात्री निकाय के रूप में किया गया। वर्तमान में इसका स्थान नीति आयोग (2015) ने ले लिया है।

36. नीचे दो वक्तव्य दिये हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है :

अभिकथन (A) : द्वितीय पंचवर्षीय योजना ने भारी-उद्योग के पक्ष में बदलाव को चिन्हित किया।

कारण (R) : इस क्षेत्र में आयात को बन्द करना आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक माना गया।

उपर्युक्त वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

कूट :

(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(B) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(C) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।
(D) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

उत्तर (D)

व्याख्या– द्वितीय पंचवर्षीय योजना में भारी एवं आधारभूत उद्योगों के विकास पर बल दिया गया। सार्वजनिक क्षेत्र के तीन स्टील प्लांटों का निर्माण इसी समय में किया गया। आधारभूत वस्तुओं के मामले में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने तथा इस मद हेतु आयात को सीमित करने के उद्देश्य से ही ऐसा किया गया था।

37. निम्नलिखित लड़ाइयों का सही अनुक्रम बताइये। नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर चुनिए :

(i) कन्नौज की लड़ाई
(ii) खानवा की लड़ाई
(iii) पानीपत की तीसरी लड़ाई
(iv) पानीपत की पहली लड़ाई

कूट :

(A) (iv) (ii) (i) (iii)
(B) (i) (iii) (ii) (iv)
(C) (ii) (i) (iii) (iv)
(D) (iii) (iv) (ii) (i)

उत्तर–(A)

व्याख्या– निम्नलिखित लड़ाइयाँ और उनका क्रम इस प्रकार है–

पानीपत का प्रथम युद्ध	–	21 अप्रैल 1526 ई.
खानवा की लड़ाई	–	16 मार्च 1527 ई.
कन्नौज की लड़ाई	–	17 मई 1540 ई.
पानीपत की तृतीय लड़ाई	–	14 जनवरी 1761 ई.

38. निम्नलिखित स्रोत-ग्रंथों को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए। नीचे दिये गये कूटों से अपना सही उत्तर चुनिए :

(i) खजाइन-उल-फुतुह **(ii) वाकयात-ए-मुश्ताकी**
(iii) तबकात-ए-अकबरी **(iv) मासिर-ए-जहांगीरी**

कूट :

(A) (ii) (iii) (iv) (i) (B) (i) (iii) (ii) (iv)
(C) (iv) (iii) (ii) (i) (D) (i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर–(D)

व्याख्या–

(1) अमीर खुसरो (1253-1325 ई.)- खजाइन-उल-फुतुह (अलाउद्दीन के प्रथम 16 वर्षीय शासन का उल्लेख)
(2) शेख रिजकुल्ला मुश्ताकी (1492-1582 ई.)- वाकयात-ए-मुश्ताकी (शेरशाह के समय)
(3) निजामुद्दीन अहमद (1551-1621 ई.)- तबकात-ए-अकबरी (अकबर के समय)
(4) कामगार खाँ - मासिर-ए-जहाँगीरी (जहाँगीर के समय)

39. निम्नलिखित संस्थाओं की स्थापना का सही अनुक्रम क्या है?

(i) बनारस स्थित संस्कृत कॉलेज
(ii) फोर्ट विलियम कॉलेज
(iii) कलकत्ता मदरसा
(iv) एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल

कूट :

(A) (iii) (iv) (i) (ii)
(B) (iii) (iv) (ii) (i)
(C) (iv) (iii) (ii) (i)
(D) (ii) (iii) (i) (iv)

उत्तर–(A)

व्याख्या– दिए गये संस्थाओं की स्थापना का सही अनुक्रम इस प्रकार है–

1. कलकत्ता मदरसा	–	1781 ई.
2. एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल	–	1784 ई.
3. बनारस स्थित संस्कृत कॉलेज	–	1791 ई.
4. फोर्ट विलियम कालेज	–	1800 ई.

40. निम्नलिखित ग्रंथों के प्रकाशन का सही क्रम क्या है?

(i) गोदान **(ii) आनन्दमठ**

(iii) गीतांजली **(iv) नील दर्पण**

कूट :

(A) (i) (iii) (iv) (ii)
(B) (iii) (iv) (ii) (i)
(C) (iv) (ii) (iii) (i)
(D) (iv) (ii) (i) (iii)

उत्तर–(C)

व्याख्या–निम्नलिखित ग्रन्थों का प्रकाशन क्रम इस प्रकार है–नील दर्पण (दीनबन्धु मित्र 1860 ई.), आनन्द मठ 1882 ई. (बंकिम चन्द्र चटर्जी), गीतांजली (रवीन्द्र नाथ टैगोर 1910 ई. एवं गोदान (मुंशी प्रेम चन्द)। नील दर्पण में दीन बन्धु मित्र ने नील बगान मालिको के अत्याचार को दर्शाया है जबकि आनन्द मठ में सन्यासी विद्रोह का उल्लेख मिलता है।

41. निम्नलिखित कृषकीय आन्दोलनों का सही ऐतिहासिक क्रम क्या है?

(i) चम्पारण **(ii) एका**

(iii) पाबना **(iv) मोपला**

कूट :

(A) (ii) (iii) (i) (iv)
(B) (i) (iii) (ii) (iv)
(C) (ii) (iii) (iv) (i)
(D) (iii) (i) (iv) (ii)

उत्तर–(D)

व्याख्या–कृषक आन्दोलनों का सही ऐतिहासिक क्रम इस प्रकार है–पाबना आन्दोलन (1873-76)–ईश्वर चन्द्र राय, चम्पारण सत्याग्रह (1917)–महात्मा गांधी, मोपला विद्रोह (1921)–अली मुसलियार एवं एका आन्दोलन (1921-22)–मदारी पासी थे।

42. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है :

अभिकथन (A) : कृषि के वाणिज्यीकरण ने कृषकवर्ग में और भी विभेद कर दिया।

कारण (R) : कृषि के वाणिज्यीकरण से कृषीय वृद्धि हुई।

उपर्युक्त वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

कूट :

(A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(C) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर–(B)

व्याख्या– कृषि का वाणिज्यीकरण भारत में ब्रिटेन की औपनिवेशिक नीतियों का एक परिणाम था जिससे कृषीय वृद्धि हुई परन्तु कृषक वर्ग में और भी विभेद हो गया। उल्लेखनीय है कि कृषि के वाणिज्यीकरण के कारण धीरे-धीरे कृषि व्यापारियों पर निर्भर होता गया और व्यापारियों ने किसानो की गरीबी का पूरा फायदा उठाया।

43. इटली के एकीकरण के लिए 'यंग इटली' का गठन किसके द्वारा किया गया?

(A) कावूर (B) विक्टर ईमेनुअल
(C) गेरीबाल्डी (D) मैजिनी

उत्तर–(D)

व्याख्या–इटली के एकीकरण के लिए 'यंग इटली' का गठन सन् 1831 ई. में जोसेफ मैजिनी ने किया था। इटली के एकीकरण का श्रेय मैजिनी, काबूर और गैरीबाल्डी को दिया जाता है।

44. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है :

अभिकथन (A) : भारत में कृषकवर्ग की संलिप्तता अलग-अलग तथा स्थानीय बनी रही।

कारण (R) : भारतीय कृषीय समाज की संरचना जटिल थी।

उपर्युक्त वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

कूट :

(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(B) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(C) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(D) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

उत्तर–(B)

व्याख्या–भारत में व्यापक भौगोलिक एवं क्षेत्रीय विविधता के कारण कृषकों में स्थानीयता का गुण प्रभावी था और भारतीय ग्रामों की आत्मनिर्भरता के कारण कृषक समुदाय एक-दूसरे से निर्लिप्त थे, परन्तु भारतीय कृषक समाज की संरचना कभी जटिल नहीं थी। कृषक सामुदायिक रूप से अनाज उपजाता था एवं उसकी निजी जरूरतों को अन्य वर्गों द्वारा पूरी की जाती थी।

45. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं। एक को कथन (A) कहा गया है तथा दूसरे को कारण (R) :

कथन (A) : मौरलेण्ड के अनुसार भारत के निर्यात का बड़ा भाग सूती वस्त्रों का था।

कारण (R) : बाबर ने उल्लेख किया है कि काबुल में सूती वस्त्र प्रमुख रूप से भारत से लाये जाते थे।

उपरोक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में कौन-सा सही है?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (A) की सही व्याख्या (R) है।
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) नहीं है।
(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है।
(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।

उत्तर–(A)

व्याख्या– मुगलकालीन आर्थिक जीवन का वर्णन करते हुए इतिहासकार मोरलैण्ड ने लिखा है कि भारतीय निर्यात का एक बड़ा भाग सूती वस्त्रों का था। बाबर ने अपनी आत्म कथा 'तुजुक-ए-बाबरी' में इस बात का जिक्र किया है कि काबुल भारतीय सूती वस्त्रों के बाजार का एक बहुत बड़ा केन्द्र था। अतः (A) तथा (R) दोनों सही है और (A) की सही व्याख्या (R) है।

46. सूची-I को सूची-II सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
A. रूसो	1. समाजवाद
B. मार्क ब्लॉक	2. जेनरल विल
C. एफ. एंजेल्स	3. संस्कृतिकरण
D. एम.एन. श्रीनिवास	4. सामंतशाही

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(b)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

उत्तर–(b)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		सूची- II
रूसो	–	जेनरल विल
मार्क ब्लाक	–	सामंतशाही
एफ. एंजेल्स	–	समाजवाद
एम.एन. श्रीनिवास	–	संस्कृतिकरण

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िये तथा इसके बाद के दिये गये प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए :

फिर भी करोड़ों लोग जो समस्त भारतीय प्रायद्वीप में खुशियां मना रहे थे, अर्धरात्रि को भारत की 'नियति के साथ भेंट' पर नेहरू का भाषण सुनकर रोमांचित हो रहे थे और जिन्होंने उस समय बालक रहे व्यक्ति के लिए भी 15 अगस्त को एक अविस्मरणीय अनुभव बना दिया था, वे पूर्वरूपेण भ्रांति के शिकार नहीं थे। 1948-51 में कम्युनिस्टों ने अपनी कीमत पर ही जाना कि 'यह आजादी झूठी है' के नारे में दम नहीं था। भारत की स्वाधीनता उपनिवेशवाद के विघटन की ऐसी प्रक्रिया का आरंभ थी जिसे, कम-से कम जहां तक राजनीतिक स्वाधीनता का प्रश्न है, रोकना कठिन सिद्ध हुआ। ब्रिटेन और अमरीका की कठपुतली होने के स्थान पर भारत ने नेहरू के नेतृत्व में धीरे-धीरे एक स्वतंत्र विदेश नीति विकसित की जो उस समय के लिए गुटनिरपेक्षता की नई धारणा पर और समाजवादी देशों एवं उभरती हुई तीसरी दुनिया के साथ मैत्री पर आधारित थी।

26 जनवरी, 1950 को मोटे तौर पर एक लोकतांत्रिक संविधान की घोषणा की गई। जो अनेक सीमाओं के बावजूद अंत तक सार्वत्रिक वयस्क मताधिकार के मुद्दे की अवहेलना करने वाली ब्रिटिश-भारतीय संस्थाओं की तुलना में अधिक प्रगतिशील था। राजाओं और जमींदारों को धीरे-धीरे बेदखल किया गया। भूमि की सीमा निश्चित की गई (यद्यपि यह कदाचित् ही लागू होती हो), भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के पुराने आदर्श को 1956 में प्राप्त कर लिया गया, सार्वजनिक क्षेत्र के नियोजित विकास द्वारा मूलभूत उद्योगों का निर्माण किया गया और आधी सदी तक खाद्यान्न-उत्पादन में जो ठहराव बना हुआ था उसकी तुलना में उत्पादन में पर्याप्त बढ़ोतरी हुई।

47. 'नियति के साथ भेंट' किसे इंगित करता है?

(A) संसद में नेहरू का उद्घाटन-भाषण
(B) 15 अगस्त, 1947 समारोह मनाना
(C) भारत की स्वतंत्रता (स्वाधीनता)
(D) उपर्युक्त में से किसी को नहीं

उत्तर–(C)

व्याख्या– नियति के साथ भेंट भारत की स्वतंत्रता (स्वाधीनता) को इंगित करता है, क्योंकि पं. नेहरू ने 15 अगस्त, 1947 की अर्धरात्रि को भारत की नियति के साथ भेंट से सम्बोधित करके भाषण शुरू किया था जिसे सुनकर लोग रोमांचित हुये थे। उस समय बालक रहे व्यक्तियों के लिए 15 अगस्त ने एक अविस्मरणीय अनुभव बना दिया था।

48. साम्यवादी नारा क्यों असफल रहा?

(A) यह भ्रांतिपूर्ण रीति से विचारित था।
(B) साम्यवादी उत्पीड़न से ग्रसित थे।
(C) उत्तर-औपनिवेशिक विकास से इसकी युक्तियुक्तता सिद्ध नहीं होती थी।
(D) उपर्युक्त में से किसी कारण से नहीं।

उत्तर–(A)

व्याख्या–साम्यवादी नारा इसलिए असफल रहा क्योंकि यह भ्रांतिपूर्ण रीति से विचारित था। 1948-51 में कम्युनिष्टों ने अपनी कीमत पर ही जाना कि 'यह आजादी झूठी है' के नारे में दम नहीं था।

49. भारत का प्रजातान्त्रिक स्वरूप कैसे उभर कर सामने आया?

(A) प्रजातान्त्रिक सरकार तथा नीति के विकास के माध्यम से।
(B) प्रजातान्त्रिक संस्थाओं के विकास के माध्यम से।
(C) सबको मताधिकार की शुरुआत कर।
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(A)

व्याख्या–भारत का प्रजातान्त्रिक स्वरूप, प्रजातान्त्रिक सरकार तथा नीति के विकास के माध्यम से उभर कर सामने आया। चूंकि नेहरू के नेतृत्व में धीरे-धीरे एक स्वतन्त्र विदेश नीति विकसित की गयी, जो उस समय के गुटनिरपेक्षता की नई धारणा पर आधारित थी।

50. स्वतंत्र भारत का पुनर्गठन किस प्रकार हुआ?

(A) राज्यों के भाषा-आधारित पुनर्गठन के द्वारा
(B) उद्योगों तथा कृषि के विकास द्वारा
(C) भारतीय राज्यों तथा अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण द्वारा
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(C)

व्याख्या–स्वतन्त्र भारत का पुर्नगठन, भारतीय राज्यों तथा अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण द्वारा हुआ। जबकि राज्यों का पुनर्गठन भाषा के आधार पर किया गया। राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना 1956 ई. में की गई थी।

यू.जी.सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर, 2011

इतिहास

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : $1^1/_4$ घंटा] **(विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णाङ्क : 100

नोट: इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. सिंधु घाटी के लोगों को किस खेल की जानकारी थी?

(A) रथ-दौड़ (B) पाँसे का खेल

(C) पोलो (D) घुड़सवारी

उत्तर–(B)

व्याख्या– सिन्धु घाटी के लोगों को पाँसे का खेल की जानकारी थी। सिन्धु सभ्यता के लोगों के मनोरंजन का साधन पांसे का खेल, नृत्य, शिकार, पशुओं की लड़ाई आदि था। धार्मिक उत्सव एवं समारोह भी समय-समय पर धूम-धाम से मनाए जाते थे।

2. चचनामा सिंध का इतिहास है और मूल रूप में किस भाषा में लिखा गया है?

(A) फारसी भाषा (B) हेब्रू भाषा

(C) अरबी भाषा (D) संस्कृत भाषा

उत्तर–(C)

व्याख्या–चचनामा मूल रूप से अरबी भाषा में है। यह मुख्यतः सिन्धु के इतिहास से सम्बन्धित है। जो अरबों के सिन्ध विजय का वृत्तान्त है। इसकी रचना अली अहमद ने की थी। ज्ञातव्य है कि अरबी लेखक अलबरूनी की पुस्तक तहकीक-ए-हिन्द (भारत की खोज) आज भी इतिहासकारों के लिए एक महत्त्वपूर्ण स्रोत है।

3. नेहरू–महालनोबिस युक्ति कौशल किससे संबंधित है?

(A) राष्ट्रीय योजना समिति (B) बंबई योजना

(C) प्रथम पंचवर्षीय योजना (D) द्वितीय पंचवर्षीय योजना

उत्तर–(D)

व्याख्या–नेहरू-महालनोबिस युक्ति कौशल द्वितीय पंचवर्षीय योजना से सम्बन्धित है। द्वितीय पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल 1956-61 था। इस योजना का उपनाम भौतिकवादी योजना था।

4. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है:

अभिकथन (A) : प्रारम्भिक आर्य अधिवासी सिंधु नदी तथा इसकी उपनदियों द्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली सात नदियों की जमीन पर आधिपत्य स्थापित करने में संलग्न रहे

कारण (R) : विभिन्न आर्य जनजातियों के बीच संघर्ष दृष्टिगोचर होता है

उपरोक्त वक्तव्यों को पढ़िए तथा नीचे दिये गये कूटों की सहायता से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

(A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(B) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

(C) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

(D) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) है।

उत्तर–(D)

व्याख्या–प्रारम्भिक आर्य का निवास स्थल सिन्धु तथा उसके सहायक नदियों के बीच का था। प्रारम्भ में आर्यों का विस्तार सैंधव प्रदेश में हुआ। बाद में ही आर्य कई वर्ग में विभक्त हो गए थे। जिनमें कालान्तर में युद्ध होते रहते थे। जिससे आर्य जनजातियों के बीच संघर्ष दृष्टिगोचर होता है।

5. निम्नलिखित को ऐतिहासिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर चुनिए :

(i) ताम्रपाषाण युग (ii) लौह युग

(iii) कांस्य युग (iv) पाषाण युग

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(B)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(C)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

उत्तर–(C)

व्याख्या– ऐतिहासिक काल क्रम के अनुसार निम्न प्रकार से व्यवस्थित है-

1. पाषाण युग
2. ताम्रपाषाण युग
3. कांस्य युग
4. लौह युग

6. निम्नलिखित यात्रियों को उनके भारत आगमन के क्रम में व्यवस्थित कीजिए।

(i) बर्नियर (ii) इब्न बतूता

(iii) ह्वेन सांग (iv) विलियम होजेज

(A) (iii) (ii) (i) (iv)

(B) (ii) (iii) (iv) (i)

(C) (iv) (ii) (iii) (i)

(D) (i) (iii) (iv) (ii)

उत्तर–(A)

व्याख्या–ह्वेन सांग 629 ई. में भारत की यात्रा पर आया था। उसे तीर्थ यात्रियों का राजकुमार कहा जाता है। जबकि इब्न बतूता 1333 ई. में मुहम्मद बिन तुगलक के दरबार में आया था। बर्नियर 1656 ई. में मुगल दरबार में आया जो दारा शिकोह एवं औरंगजेब के उत्तराधिकार संघर्ष का साक्षी बना और विलियम होजेज 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में कैप्टन कुक के साथ प्रशांत महासागर की यात्रा करते हुए भारत आया था।

7. सूची-I (यात्री) को सूची-II (शासक) जिनके शासन काल में ये यात्री भारत दर्शन आये, को सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूटों से अपना उत्तर चुनिये :

सूची-I (यात्री)	सूची-II (शासक)
(a) इब्न बतूता	**(i) मोहम्मद बिन तुगलक**
(b) सर थॉमस रो	**(ii) शाहजहाँ**
(c) पीटर मुण्डी	**(iii) जहाँगीर**
(d) बर्नियर	**(iv) औरंगजेब**

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(B)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(C)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(D)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

उत्तर–(A)

व्याख्या– सही सुमेलन इस प्रकार है–

	सूची-I (यात्री)		सूची-II (शासक)
(i)	इब्न बतूता	–	मोहम्मद बिन तुगलक
(ii)	सर थॉमस रो	–	जहांगीर
(iii)	पीटर मुण्डी	–	शाहजहाँ
(iv)	बर्नियर	–	औरंगजेब

8. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
(a) जहीरूद्दीन	(i) अकबर
(b) जलालुद्दीन	(ii) बाबर
(c) नूरूद्दीन	(iii) औरंगजेब
(d) आलमगीर	(iv) जहाँगीर

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(B)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(C)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(D)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

उत्तर–(B)

व्याख्या– सही सुमेलन इस प्रकार है–

	सूची-I		सूची-II
(1)	जहीरूद्दीन	–	बाबर
(2)	जलालुद्दीन	–	अकबर
(3)	नूरूद्दीन	–	जहाँगीर
(4)	आलमगीर	–	औरंगजेब

9. जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक किस जनजाति से थे?

(A) ज्ञात्रिक जनजाति (B) मल्ल जनजाति
(C) लिच्छवी जनजाति (D) शाक्य जनजाति

उत्तर–(A)

व्याख्या– जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक महावीर स्वामी ज्ञात्रिक जनजाति से थे। महावीर स्वामी का जन्म 540 ई.पू. में कुण्ड ग्राम (वैशाली) में हुआ था। विदित है कि इनकी माता त्रिशला (विदेहदत्ता) लिच्छवी राजा चेतक की बहन थी। महावीर स्वामी जैन धर्म के 24वें एवं अन्तिम तीर्थंकर थे।

10. निम्नलिखित अशोककालीन शिलालेखों में ब्राह्मी लिपि का प्रयोग नहीं किया गया था?

(A) सारनाथ (B) शहबाजगढ़ी
(C) धौली (D) उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तर–(B)

व्याख्या–अशोक के शिलालेखों में ब्राह्मी, खरोष्ठी, ग्रीक एवं अरामाइक लिपि का प्रयोग हुआ है। ग्रीक और अरमाइक लिपि का अभिलेख अफगानिस्तान से, खरोष्ठी लिपि का अभिलेख शहबाजगढ़ी एवं मानसेहरा से है। जबकि ब्राह्मी लिपि का प्रयोग भारत में स्थापित अभिलेखों में हुआ है।

11. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है :

अभिकथन (A) : भारत-रोम व्यापार संबंध में तीसरी और चौथी शताब्दी (ईसा पश्चात्) में कमी आई

कारण (R) : ब्राह्मणत्व के बढ़ते हुए प्रभुत्व ने समुद्र-यात्रा को प्रतिबंधित बना दिया

उपरोक्त वक्तव्यों को पढ़िए तथा नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

(A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(B) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(C) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) है।
(D) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

उत्तर–(C)

व्याख्या– चौथी शताब्दी ई.पू. में भारत रोम के मध्य व्यापार में कमी आयी। चूंकि इस समय तक भारत के कई राज्यों पर विदेशियों का कब्जा हो चुका था और ब्राह्मणवादी व्यवस्था जटिल हो गयी थी। जिसके वजह से समुद्री यात्रा करना पाप समझा जाता था।

12. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया :

अभिकथन (A) : भारत की उत्तरी परिसीमा पर हिमालय स्थित है तथा इसकी दक्षिणी, पूर्वी एवं पश्चिमी परिसीमा मुक्त सागर से घिरी है।

कारण (R) : इस प्रकार भारत दुनिया के अन्य भागों से कट गया है।

उपरोक्त वक्तव्यों को पढ़िए तथा अग्र दिए गये कूटों से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

(A) (A) सही है, (R) गलत है।

(B) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

(C) (A) तथा (R) दोनों गलत है

(D) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।

उत्तर–(A)

व्याख्या–भारत की प्राकृतिक सीमा उत्तर में हिमालय से और बाकी तीनों ओर समुद्र से घिरी हुई है। जिससे भारत आदिकाल से दुनिया के शेष भागों के सम्पर्क में है। प्राचीन काल से ही भारत का व्यापार यूरोप, मध्य एशिया एवं अफ्रीकी महाद्वीप से होता रहा है।

13. निम्नलिखित को ऐतिहासिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर चुनिए :

(i) ग्रीक (ii) रोमन

(iii) शक (iv) प्रतिहार

कूट :

(A) (iv) (iii) (i) (ii) (B) (ii) (i) (iii) (iv)

(C) (iii) (iv) (i) (ii) (D) (iv) (i) (iii) (ii)

उत्तर–(B)

व्याख्या–रोम से भारत का सम्पर्क बेहद प्राचीन काल से ही रहा हैं संभवतः दक्षिण भारत में महापाषाण काल से ही था। मौर्योत्तर काल में ही प्रथमतः ग्रीक (यूनानी) भारत आये इसके बाद शकों का भारत में आगमन हुआ जो पश्चिमी भारत में बसे। अग्निकुल के राजपूतों में सर्वाधिक प्रसिद्ध प्रतिहार वंश जो गुर्जरी की शाखा से सम्बन्धित होने के कारण इतिहास में गुर्जर प्रतिहार कहा जाता है।

14. निम्नलिखित देवताओं का ऋग्वेदकालीन समाज में उनके महत्व के क्रम में व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिये गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

(i) अग्नि (ii) वरुण

(iii) इन्द्र (iv) मरुत

कूट :

(A) (ii) (i) (iii) (iv) (B) (iii) (i) (ii) (iv)

(C) (iv) (ii) (i) (iii) (D) (i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर–(B)

व्याख्या– वैदिक काल के प्रमुख देवताओं में इन्द्र, अग्नि, वरुण, सोम, मरुत, पर्जन्य आदि थे।

विशेष तथ्य – ऋग्वेद के सबसे महत्वपूर्ण देवता इन्द्र थे जिन्हें पुरन्दर भी कहा गया है। इन्द्र की स्तुति पर 250 सूक्त मिलते हैं। ऋग्वेद के दूसरे महत्वपूर्ण देवता अग्नि है। अग्नि के स्तुति पर 200 सूक्त मिलते हैं। तीसरे प्रमुख देवता वरुण थे। जो जलनिधि का प्रतिनिधित्व करते थे। मरुत आँधी तूफान के देवता थे।

15. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I		**सूची-II**
(a) श्रौत सूत्र	(i)	धार्मिक तथा लौकिक विधि एवं प्रशासन
(b) गृह्य सूत्र	(ii)	महाबलिदानों को सम्पन्न करने के नियम
(c) धर्म सूत्र	(iii)	दैनिक जीवन से संबंधित समारोहों के लिए निर्देश
(d) शुल्व सूत्र	(iv)	बलिवेदियों तथा अग्निवेदियों के माप तथा निर्माण संबंधी नियम

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

उत्तर–(D)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		**सूची-II**
1. श्रौत सूत्र	–	महाबलिदानों को सम्पन्न करने के नियम।
2. गृह्य सूत्र	–	दैनिक जीवन से संबंधित समारोहों के लिए निर्देश।
3. धर्म सूत्र	–	धार्मिक तथा लौकिक विधि एवं प्रशासन।
4. शुल्व सूत्र	–	बलिवेदियों तथा अग्निवेदियों के माप तथा निर्माण संबंधी नियम।

16. मोहम्मद बिन तुगलक तथा सम्राट अकबर निम्नलिखित में किस नदी का पानी पीते थे?

(A) यमुना नदी (B) घाघरा नदी

(C) गंगा नदी (D) सिंधु नदी

उत्तर–(C)

व्याख्या– मुहम्मद बिन तुगलक तथा सम्राट अकबर गंगा नदी का पानी पीते थे। मो. इसामी के अनुसार ''मुहम्मद बिन तुगलक प्रथम मुस्लिम शासक था जिसने हिन्दू त्यौहार होली एवं अन्य त्यौहारों में भाग लिया।'' जबकि अबुल फ़जल ने अपनी पुस्तक आइन-ए-अकबरी में इस बात का जिक्र किया है कि मुगल शासक अकबर पीने के लिए गंगाजल का प्रयोग किया करता था।

17. अमीर खुसरो ने निम्नलिखित में से किस वाद्ययंत्र का आविष्कार किया था?

(A) वायलिन (B) तबला (C) गिटार (D) सितार

उत्तर–(B) & (D)

व्याख्या– अमीर खुसरो ने तबला एवं सितार दोनों वाद्य यन्त्र का आविष्कार किया था। अमीर खुसरो का पूरा नाम अबुल हसन यामीन-उद्दीन खुसरो था। अमीर खुसरो प्रसिद्ध सूफी सन्त निजामुद्दीन औलिया का शिष्य था।

18. ताजमहल के निर्माण में प्रयुक्त संगमरमर पत्थर कहां से लाये गये थे?

(A) आम्बेर (B) औरंगाबाद

(C) किशनगढ़ (D) मकराना

उत्तर–(D)

व्याख्या– ताजमहल के निर्माण में प्रयुक्त संगमरमर पत्थर मकराना से लाए गये थे। ताजमहल का निर्माण शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज महल की याद में करवाया था। ध्यातव्य है कि ताजमहल का निर्माण करने वाला मुख्य स्थापत्य वास्तुकार उस्ताद अहमद लाहौरी था।

19. निम्नलिखित घटनाओं को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए। कूट का उपयोग करते हुए उत्तर दीजिए।

(i) पानीपत का प्रथम युद्ध (ii) हल्दीघाटी का युद्ध
(iii) बक्सर का युद्ध (iv) धरमत का युद्ध

कूट :

(A) (i) (ii) (iv) (iii) (B) (i) (iv) (iii) (ii)
(C) (i) (ii) (iii) (iv) (C) (i) (iii) (ii) (iv)

उत्तर–(A)

व्याख्या–कूट का व्यवस्थित क्रम इस प्रकार है–

1. पानीपत का प्रथम युद्ध	–	21 अप्रैल 1526
2. हल्दीघाटी का युद्ध	–	18 जून 1576
3. धरमत का युद्ध	–	15 अप्रैल 1658
4. बक्सर का युद्ध	–	22 अक्टूबर 1764

20. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं। एक को अभिकथन (A) कहा गया है। और दूसरे को कारण (R)।

अभिकथन (A) : अकबर राजपूतों से मित्रता स्थापित करना चाहता था।

कारण (R) : मुगलों के मध्य एशिया से सम्बन्ध विच्छेद हो जाने से अकबर को मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध भारत में स्थापित करना आवश्यक था।

उपरोक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

कूट :

(A)(A) और (R) दोनों सही है, और (A) की सही व्याख्या (R) है।
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (A) की सही व्याख्या (R) नहीं है।
(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है।
(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।

उत्तर–(A)

व्याख्या–अकबर राजपूतों से मित्रता स्थापित करना चाहता था क्योंकि मध्य एशिया की राजनीति से मुगलों का सम्बन्ध विच्छेद हो गया था। अतः भारत में अपने साम्राज्य की सुरक्षा एवं विस्तार हेतु एक शक्तिशाली मित्र की आवश्यकता थी। साथ ही राजपूतों की वीरता स्वामी भक्ति एवं वफादारी ने अकबर को इनसे मित्रता बनाने हेतु प्रेरित किया। अतः (A) और (R) दोनों सही है, और (A) की सही व्याख्या (R) है।

21. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं। एक को अभिकथन (A) कहा गया है और दूसरे को कारण (R)।

अभिकथन (A) : अकबर के काल में मालाबार काली मिर्च भारत से निर्यात होने वाली प्रमुख वस्तुओं में थी।

कारण (R) : दक्षिण भारत के उत्पादक क्षेत्र तथा निर्यात बन्दरगाह अकबर साम्राज्य के भाग नहीं थे।

उपरोक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन- सा सही है?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही है, और (A) की सही व्याख्या (R) है।
(B) (A) और(R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) की सही व्याख्या (R) नही है।
(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है।
(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।

उत्तर–(B)

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न में अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं परन्तु अभिकथन (A) की सही व्याख्या कारण (R) नहीं है। मुगल काल में अकबर ने यह बड़े साम्राज्य का निर्माण किया था। उसके समय में व्यापार-वाणिज्य उन्नत अवस्था में था। अकबर के काल में मालाबार काली मिर्च भारत से निर्यात होने वाली प्रमुख वस्तुओं में थी हालाँकि दक्षिण भारत के उत्पादक क्षेत्र और निर्यातक बन्दरगाह अकबर के साम्राज्य के भाग नहीं थे।

22. निम्नांकित भक्ति सन्तों को सही कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

(i) चैतन्य (ii) रामानुज
(iii) तुकाराम (iv) नामदेव

कूट :

(A) (i) (iii) (ii) (iv) (B) (iv) (ii) (iii) (i)
(C) (ii) (iv) (i) (iii) (D) (iii) (ii) (i) (iv)

उत्तर–(C)

व्याख्या– रामानुज का काल (1017-1137 ई.) 11वीं-12वीं शताब्दी है। नामदेव महाराष्ट्र के सन्त थे जिनका समय (जन्म 1270 ई.) 13वीं शताब्दी का है। चैतन्य का जन्म 1486 ई. में बंगाल के नदिया जिले में हुआ था जबकि तुकाराम (1598-1650 ई.) शिवाजी के समकालीन थे।

23. भारतीय मुद्रा परिषद् की स्थापना इलाहाबाद में किस वर्ष में हुई?

(A) 1908 (B) 1910
(C) 1912 (D) 1914

उत्तर–(B)

व्याख्या–भारतीय मुद्रा परिषद की स्थापना 28 दिसम्बर, 1910 ई. को इलाहाबाद में हुई। विदित है कि इलाहाबाद में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदी का संगम स्थल है। 1910 ई. में ही इलाहाबाद में विलियम वेडरबर्न की अध्यक्षता में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था।

24. निम्नलिखित भारतीय शासकों में से किसने सर्वप्रथम पुर्तगालियों का विरोध किया था?

(A) कृष्णदेव राय (B) पुलकेशिन II
(C) अकबर (D) जमोरिन

उत्तर–(C)

व्याख्या– भारतीय शासकों में सर्वप्रथम जमोरिन (उपाधि) ने पुर्तगालियों का विरोध किया था। वास्को डी गामा (1460-1524) एक पुर्तगाली खोजकर्ता थे जिन्होंने पुर्तगाल से भारत तक एक समुद्री मार्ग की खोज की थी। वास्को डी गामा के कालीकट पहुँचने पर जमोरिन शासक ने पुर्तगालियों को व्यापार की अनुमति दे दी। यह अरब व्यापारियों की बड़ी बस्तियों को

पसंद नहीं आया जो पहले से ही जमोरिन के साथ व्यापार कर रहे थे। जब जमोरिन राजा ने सामान्य सीमा शुल्क का भुगतान करने के लिए कहा तो वास्को डी गामा ने इसका भुगतान करने से इंकार कर दिया। इसके बाद पुर्तगाली कोच्चि और कन्ननोर के राजाओं के साथ मित्रतापूर्ण हो गए और जमोरिन बंदरगाहों पर कई हमले किए। जमोरिनों ने एक शताब्दी से अधिक समय तक पुर्तगालियों का विरोध किया।

25. निम्नलिखित में से कौन दस्तक जारी करता था?

(A) मुगल सम्राट (B) बंगाल नवाब
(C) फोर्ट विलियम का गवर्नर (D) बंगाल का दीवान

उत्तर–(C)

व्याख्या– फोर्ट विलियम (कलकत्ता) के गवर्नर द्वारा दस्तक जारी किया जाता था। दस्तक एक प्रकार का व्यापारिक आज्ञापत्र होता था 1717 ई. में फ़र्रूख़शियर ने एक फरमान द्वारा आयात तथा निर्यात कर से छूट दे दी थी लेकिन दस्तक द्वारा ब्रिटिश अधिकारी अपना निजी व्यापार करते थे तथा नवाब को कर से वंचित रखते थे। जिसके कारण बंगाल के नवाब का अंग्रेजों के प्रति कर को लेकर विरोध की स्थिति बनी रहती थी।

26. मुजफ्फरजंग, हैदराबाद के निजाम ने क्षेत्रीय रियायतें किसे प्रदान की थी?

(A) पुर्तगालियों को (B) डच को
(C) फ्रांसीसियों को (D) अंग्रेजों को

उत्तर–(C)

व्याख्या–मुजफ्फर जंग, हैदराबाद के निजाम ने क्षेत्रीय रियायतें फ्रांसीसियों को प्रदान की थी। चूंकि फ्रांसीसियों ने मुजफ्फर जंग को हैदराबाद का निजाम बनाने का वायदा किया था। विदित है कि मुजफ्फर जंग नासिर जंग का भतीजा एवं हैदराबाद निजाम आसफजाह का पौत्र था।

27. नीचे दो वक्तव्य दिए गये हैं एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : पुर्तगालियों ने एशियाई समुद्रों में हिंसात्मक गतिविधियों की पहल की।

कारण (R) : पुर्तगालियों का मकसद एशियाई व्यापार के प्रमुख समुद्री मार्गों पर नियंत्रण करना था।

उपरोक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

कूट :

(A) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(B) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(C) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(D) (A) तथा (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की व्याख्या नहीं करता।

उत्तर–(C)

व्याख्या– सर्वप्रथम पुर्तगालियों ने एशियाई समुद्रों में हिंसात्मक गतिविधियाँ प्रारम्भ की क्योंकि पुर्तगालियों का मकसद एशियाई व्यापार के प्रमुख समुद्री मार्गों पर नियन्त्रण करना था। इसी व्यवस्था के तहत पुर्तगालियों ने समुद्री व्यापार के नियन्त्रण हेतु कार्टेज (परमिट) व्यवस्था शुरू की। इस प्रकार (A) तथा (R) दोनों सही हैं, तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

28. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है :

अभिकथन (A) : भारतीय राष्ट्रवाद के विकास में पाश्चात्य शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका थी।

कारण (R) : पाश्चात्य शिक्षा ने इसके विकास के लिए सहायक, एक समालोचनात्मक वार्तालाप का सृजन किया।

उपरोक्त वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सही है?

कूट :

(A) (A) सही हैं, परन्तु (R) गलत है।
(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की व्याख्या नहीं करता।
(C) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।
(D) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

उत्तर–(D)

व्याख्या– आधुनिक काल में, भारत में अंग्रेजों के शासनकाल में राष्ट्रीयता की भावना का विशेष रूप से विकास हुआ। भारत में अंग्रेजी शिक्षा के प्रसार से एक ऐसे विशिष्ट वर्ग का निर्माण हुआ जो स्वतंत्रता के प्रति अपने अधिकारों को लेकर सजग हुआ। भारतीय राष्ट्रवाद के विकास में पाश्चात्य शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका थी क्योंकि पाश्चात्य शिक्षा ने इसके विकास के लिए सहायक, एक समालोचनात्मक वार्तालाप का सृजन किया। इस प्रकार (A) तथा (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या भी है।

29. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : सन् 1947 के विभाजन के फलस्वरूप आबादी का बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ।

कारण (R) : सन् 1947 का विभाजन अविचारित तथा विवेकहीन था।

उपरोक्त वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

कूट :

(A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, तथा (R), (A) की व्याख्या करता है।
(C) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) का पूर्ण वितरण प्रस्तुत नहीं करता।
(D) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

उत्तर–(B)

व्याख्या–1947 में भारत का विभाजन एक अविवेकपूर्ण एवं अनुचित कदम था। क्योंकि इसमें सम्प्रदायिकता की समस्या का समाधान होना मुश्किल था, परन्तु तत्कालीन घटनाक्रम में यह अविवेकी कदम अपरिहार्य हो गया था। क्योंकि जिन्ना एवं लीग इसके लिए कटिबद्ध हो चुके थे। इस विभाजन के कारण हिन्दुस्तान एवं पाकिस्तान से बड़े पैमाने पर क्रमशः मुसलमानों एवं हिन्दुओं का पलायन हुआ।

30. शिवाजी से संबंधित निम्नलिखित घटनाओं का सही क्रम क्या है?

(i) पुरंदर की संधि (ii) सूरत की पहली लूटमार
(iii) राज्याभिषेक (iv) आगरा आगमन

कूट :

(A) (ii) (i) (iv) (iii) (B) (i) (iii) (ii) (iv)
(C) (iii) (iv) (i) (ii) (D) (iv) (iii) (ii) (i)

उत्तर–(A)

व्याख्या– घटनाओं का सही क्रम इस प्रकार है–

1.	सूरत की पहली लूटमार	–	जनवरी 1664
2.	पुरंदर की संधि	–	जून 1665
3.	आगरा आगमन	–	मई 1666
4.	राज्याभिषेक	–	जून 1674

31. ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना कब हुई थी?

(A) पंद्रहवीं शताब्दी के आरंभिक काल में
(B) सोलहवीं शताब्दी के आरंभिक काल में
(C) सोलहवीं शताब्दी के अंतिम काल में
(D) सत्रहवीं शताब्दी के आरंभिक काल में

उत्तर–(D)

व्याख्या–ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी की स्थापना 17वीं शताब्दी के आरम्भिक काल में हुई थी। मर्चेन्ट ऑफ ट्रेडिंग इन टू दी ईस्ट इंडीज के नाम से ईस्ट इंडिया कम्पनी की स्थापना हुई थी।

32. निम्नलिखित वायसरायों को ऐतिहासिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

(i) नार्थबुक (ii) डफरिन
(iii) लिटन (iv) मेयो
(v) रिपन

कूट :

(A) (ii) (iii) (iv) (v) (i) (B) (iv) (i) (iii) (v) (ii)
(C) (iv) (i) (v) (iii) (ii) (D) (ii) (iii) (iv) (i) (v)

उत्तर–(B)

व्याख्या– वायसरायों का सही क्रम हैं –

	(वायसराय)		**(काल खण्ड)**
1.	लार्ड मेयो	–	1869-72
2.	लार्ड नार्थब्रुक	–	1872-76
3.	लार्ड लिटन	–	1876-80
4.	लार्ड रिपन	–	1880-84
5.	लार्ड डफरिन	–	1884-88

33. निम्नलिखित युद्धों को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

(i) प्रथम बर्मा युद्ध (ii) प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध
(iii) प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध (iv) प्रथम आंग्ल-सिख युद्ध

कूट :

(A) (iii) (i) (iv) (ii) (B) (iv) (iii) (ii) (i)
(C) (iii) (ii) (i) (iv) (D) (iii) (i) (ii) (iv)

उत्तर–(D)

व्याख्या–दिए गये युद्धों का कालानुक्रम इस प्रकार है–

1.	प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध	–	1775-82 ई.
2.	प्रथम वर्मा युद्ध	–	1824-26 ई.
3.	प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध	–	1839-42 ई.
4.	प्रथम आंग्ल-सिख युद्ध	–	1845-46 ई.

34. निम्नलिखित संगठनों को उनकी स्थापना के क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

(i) ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन (ii) पूना सार्वजनिक सभा
(iii) मद्रास महाजन सभा (iv) इंडियन एसोसिएशन

कूट :

(A) (i) (ii) (iv) (iii) (B) (i) (ii) (iii) (iv)
(C) (ii) (iii) (iv) (i) (D) (i) (iii) (iv) (ii)

उत्तर–(A)

व्याख्या–ब्रिटिश इण्डियन एसोसिएशन की स्थापना कलकत्ता में 1851 ई. में राधाकान्त देव ने की थी। पूना सार्वजनिक सभा की स्थापना 1870 में महादेव गोविन्द रानाडे ने की थी। इण्डियन एसोसिएशन की स्थापना कलकत्ता में 1876 में सुरेन्द्र नाथ बनर्जी ने किया था। मद्रास महाजन सभा की स्थापना 1884 में वीर राघवाचारी ने किया था।

35. निम्नलिखित प्रतिष्ठानों को उनकी स्थापना वर्ष के क्रम में व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों का उपयोग कर सभी उत्तर चुनिए :

(i) इंडियन एसोसिएशन फॉर दि कल्टिवेशन ऑफ साइंस
(ii) सोसाइटी फॉर दि एक्वीजीशान ऑफ जनरल नॉलेज
(iii) बिहार साइंटिफिक सोसाइटी
(iv) अलीगढ़ साइंटिफिक सोसाइटी

कूट :

(A) (i) (iii) (iv) (ii)
(B) (ii) (iv) (iii) (i)
(C) (iv) (iii) (i) (ii)
(D) (ii) (iv) (i) (iii)

उत्तर–(B)

व्याख्या– सही क्रम इस प्रकार है–

	(संगठन)		**(स्थापना वर्ष)**
1.	सोसाइटी फॉर दि एक्वीजीशान ऑफ जनरल नॉलेज	–	1838
2.	अलीगढ़ साइंटिफिक सोसाइटी	–	1864
3.	बिहार साइंटिफिक सोसाइटी	–	1868
4.	इंडियन एसोसिएशन फॉर दि कल्टिवेशन ऑफ साइंस	–	1876

36. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची–I (आंदोलन)	**सूची-II (भूक्षेत्र)**
(a) प्रति सरकार	**(i) बिहार**
(b) चासी मुलिया राज	**(ii) बंगाल**
(c) उल्गुलान	**(iii) महाराष्ट्र**
(d) ताम्रलिप्त जातीय सरकार	**(iv) उड़ीसा**

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

उत्तर–(B)

व्याख्या– सही सुमेलन इस प्रकार है–

	सूची-I (आन्दोलन)		सूची-II (भू-क्षेत्र)
1.	प्रति सरकार	–	महाराष्ट्र
2.	चासी मुलिया राज	–	उड़ीसा (ओडिशा)
3.	उल्गुलान	–	बिहार (झारखण्ड)
4.	ताम्रलिप्त जातीय सरकार	–	बंगाल

37. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर चुनिएः

सूची-I (नेता)	सूची-II (संगठन)
(a) सी.आर. दास	**(i) कृषक प्रजा पार्टी**
(b) एस.एन. बनर्जी	**(ii) पूना सार्वजनिक सभा**
(c) ए.के. फजलूलहक	**(iii) इंडियन एसोसिएशन**
(d) जी.के. गोखले	**(iv) स्वराज पार्टी**

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर–(D)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I (नेता)		सूची-II (संगठन)
1. सी.आर. दास	–	स्वराज पार्टी - (1923)
2. एस.एन. बनर्जी	–	इण्डियन एसोसिएशन - (1876)
3. ए.के. फ़जलूलहक	–	कृषक प्रजा पार्टी - (1929)
4. जी.के. गोखले	–	पूना सार्वजनिक सभा - (1870)

38. नव पाषाण युग के लोगों का निवास स्थल–

(A) क्वार्टजाइट शैल (B) ग्रेनाइट शैल

(C) प्राकृतिक शैल (D) ईंट निर्मित गृह

उत्तर–(A)

व्याख्या–नवपाषाण युग के लोगों का निवास स्थल क्वार्टजाइट शैल था। उल्लेखनीय है कि इस काल के लोग पालिशदार पत्थर के बने औजारों एवं हथियारों का प्रयोग व्यापक पैमाने पर करने लगे थे। इस युग के मानवों के सामाजिक जीवन में परिवर्तन देखने को मिलता है। निवास स्थल, पशुपालन एवं कृषि में उत्तरोत्तर वृद्धि होती गई।

नोट- नवपाषाण युग के सबसे प्रसिद्ध पुरास्थलों में एक चताल ह्यूक तुर्की में है। यहाँ दूर-दूर से कई चीजें लाई जाती थी। जैसे- सीरिया से चकमक पत्थर, लाल सागर से कौड़िया, भूमध्य सागर की सीपियाँ आदि। चकमक पत्थर कठोर तलछटी चट्टान होती है। यह माइक्रोक्रिस्टलाइन क्वार्ट्ज का रूप होता है।

39. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : अन-औद्योगिकरण स्थान तथा समयावधि दोनों में ही एक समान नहीं था।

कारण (R) : हस्तशिल्प उत्पाद एक विशेष पैटर्न से समनुरूपता नहीं रखते थे।

उपरोक्त वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सही है?

कूट :

(A) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की व्याख्या नहीं करता।

(C) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

(D) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

उत्तर–(B)

व्याख्या–ब्रिटिश काल में अन-औद्योगिकरण एक प्रमुख घटना रही परन्तु भारतीय हस्तशिल्प के विशेष पैटर्न के कारण अन-औद्योगिकरण प्रत्येक क्षेत्र में एक समान नहीं था। कहीं पर इसका प्रभाव ज्यादा था तो कहीं पर कम पुनः कुछ उद्योगों में समय के साथ स्थायी नुकसान हुआ तो कुछ में समय के साथ संघर्ष किया। परिणामस्वरूप परिस्थितियों में परिवर्तन होता रहा अतः अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता।

40. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची–I (लेखक)	सूची-II (ग्रंथ)
(a) कौटिल्य	**(i) स्मृति**
(b) भद्रबाहु	**(ii) महाभाष्य**
(c) कात्यायन	**(iii) कल्पसूत्र**
(d) पतंजलि	**(iv) अर्थशास्त्र**

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(B)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

उत्तर–(A)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		**सूची-II**
1. कौटिल्य	–	अर्थशास्त्र
2. भद्रबाहु	–	कल्पसूत्र
3. कात्यायन	–	स्मृति
4. पतंजलि	–	महाभाष्य

41. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	**सूची-II**
(a) गीत गोविंद	(i) बिल्हण
(b) परिशिष्टपर्वम्	(ii) सोमदेव
(c) कथासरित्सागर	(iii) हेमचन्द्र
(d) विक्रमांकदेवचरित	(iv) जयदेव

कूट :

(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A) (i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B) (iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C) (iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D) (ii)	(iii)	(iv)	(i)

उत्तर–(B)

व्याख्या– सही सुमेलन इस प्रकार है–

	सूची-I (रचना)		**सूची-II (लेखक)**
(i)	गीत गोविन्द	–	जयदेव
(ii)	परिशिष्टपर्वम्	–	हेमचन्द्र
(iii)	कथासरित्सागर	–	सोमदेव
(iv)	विक्रमांकदेवचरित	–	बिल्हण

42. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूटों की सहायता से उत्तर चुनिए :

सूची-I	**सूची-II**
(a) टी.बी. मैकाले	(i) स्थायी बंदोबस्त
(b) जॉन शोर	(ii) कांग्रेस
(c) इलिजा इंपे	(iii) शिक्षा
(d) ए. ओ. ह्यूम	(iv) उच्चतम न्यायालय

कूट :

(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A) (iii)	(i)	(iv)	(ii)
(B) (ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C) (iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D) (iii)	(iv)	(i)	(ii)

उत्तर–(A)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		**सूची-II**
(A) टी.बी. मैकाले	–	शिक्षा
(B) जॉन शोर	–	स्थायी बन्दोबस्त
(C) इलिजा इम्पे	–	उच्चतम न्यायालय
(D) ए.ओ. ह्यूम	–	कांग्रेस

43. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I (लेखक)	**सूची-II (ग्रंथ)**
(a) आर.सी. दत्त	(i) सोशल बैंक ग्राउण्ड ऑफ इंडियन नेशनलिज्म
(b) आर.जे.मूर	(ii) एलीट कंफ्लिक्ट इन ए प्लूरल सोसाइटी
(c) ए.आर. देसाई	(iii) इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया
(d) एच.जे. ब्रूमफिल्ड	(iv) दि क्रइसिस ऑफ इंडियन यूनिटी

कूट :

(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A) (iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B) (iii)	(iv)	(ii)	(i)
(C) (iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D) (i)	(iii)	(iv)	(ii)

उत्तर–(A)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I (लेखक)		**सूची-II (ग्रन्थ)**
(A) आर.सी.दत्त	–	इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया
(B) आर.जे.मूर	–	दि क्रइसिस ऑफ इंडियन यूनिटी
(C) ए.आर. देसाई	–	सोशल बैंक ग्राउण्ड ऑफ इंडियन नेशनलिज्म
(D) एच.जे. ब्रूमफिल्ड	–	एलीट कंफ्लिक्ट इन ए प्लूरल सोसाइटी

44. किस पुरातात्त्विक स्थल पर अग्नि उपासना का साक्ष्य मिला है?

(A) हस्तिनापुर (B) आलमगीरपुर
(C) कौशाम्बी (D) लोथल

उत्तर–(D)

व्याख्या–पुरातात्विक स्थल लोथल एवं कालीबंगन से अग्नि उपासना का साक्ष्य मिला है। लोथल, सिन्धु सभ्यता का व्यावसायिक बन्दरगाह था जो गुजरात राज्य में स्थित है। जबकि आलमगीरपुर यमुना की सहायक नदी हिण्डन नदी के बाएँ तट पर स्थित हड़प्पा सभ्यता का सर्वाधिक पूर्वी स्थल है।

45. निम्नलिखित में से किसने मद्रास में रैयतवाड़ी बंदोबस्त प्रारम्भ किया?

(A) टॉमस मुनरो
(B) अलेक्जेंडर रीड
(C) माउण्ट स्टुअर्ट एलफिंस्टन
(D) हेनरी डुंडस

उत्तर–(A)

व्याख्या–टॉमस मुनरो 1820-27 ई. तक मद्रास का गवर्नर रहा और इसी ने मद्रास में रैयतवाड़ी व्यवस्था को प्रारम्भ किया था। जबकि बम्बई प्रेसीडेन्सी में रैयतवाड़ी व्यवस्था को लागू करने में एलफिंस्टन एवं चैपलिन की रिपोर्ट की मुख्य भूमिका रही। विदित है कि इस व्यवस्था में किसानों को भू-स्वामी माना गया।

46. 'मीन कैम्फ' का लेखक कौन है?

(A) एडोल्फ हिटलर (B) मुसोलिनी

(C) जनरल फ्रैंको (D) अटोवोन बिस्मार्क

उत्तर–(A)

व्याख्या–'मीन कैम्फ' का लेखक एडोल्फ हिटलर है। यह पुस्तक हिटलर की आत्मकथा के साथ-साथ उसकी राजनीतिक विचारधारा और जर्मनी के बारे में उसकी योजनाओं का वर्णन है जबकि फाँसीवाद का उदय सर्वप्रथम इटली में हुआ। इसका जन्मदाता मुसोलिनी को माना जाता है। उल्लेखनीय है कि जर्मनी का एकीकरण बिस्मार्क ने किया था।

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा इसके बाद में दिये गये प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए :

हेगेल के दर्शन ने ईसाई विद्वानों तथा धर्म निरपेक्ष दार्शनिकों के बीच की खाई को पाट दिया। उदार ईसाइयों को संतुष्ट करने के लिए उसने ईश्वरतत्व का पर्याप्त रूप में समावेश किया तथा साथ ही तर्क पर भी बल दिया जिससे बुद्धिवादी तुष्ट हुए। इस प्रक्रिया में उसने नये प्रतिमानों की स्थापना की जिनसे विद्वत समुदाय गहन रूप में प्रभावित हुआ। उसके मैक्रो ऐतिहासिक उपागम ने ऐतिहासिक अध्ययनों के दायरे को विस्तारित किया। इन अध्ययनों जो अब तक राजनीतिक इतिहास तथा जीवनचरितात्मक कृतियों तक सीमित थे इसको विस्तारित करने के फायदों को इस उपागम ने सोदाहरण स्पष्ट किया। कार्ल मार्क्स सहित, नई पीढ़ी के इतिहासकारों ने सामाजिक इतिहास में नवीन संभावनाओं को उत्सुकतापूर्वक स्वीकार किया। पृथक इतिहासों को सर्व-परिवृत्त विश्व-इतिहास के साथ जोड़ने के प्रयास किये गये। हेगेल द्वारा किए गये इतिहास के चार महायुगों में विभाजन (ओरिएण्टल,ग्रीक, रोमन तथा जर्मन) से अनेक इतिहासकारों ने यह विश्वासपूर्वक स्वीकार किया कि विभिन्न संस्कृतियां एवं युग मूलतः असमान थे। तथा उनका मूल्यांकन उनके अपने संदर्भ तथा संबंधित युग की विशिष्ट आवश्यकताओं को स्वीकार करके करना चाहिए। हेगेल के इस बात पर बल कि बहुधा वास्तविक प्रयोजनों तथा प्रदर्शित प्रयोजनों में भिन्नता होती है, ने स्रोत सामग्रियों के अधिक आलोचनात्मक मूल्यांकन की ओर प्रवृत्त किया। संगतता के लिए कार्यों, प्रयोजनों तथा अप्रत्यक्ष प्रभावों का अधिक से अधिक सूक्ष्म परीक्षण किया जाने लगा तथा आकस्मिक संबंध अधिक से अधिक महत्वपूर्ण बनते गये। द्वन्द्वात्मक मॉडल का तात्कालिक प्रभाव कम था, परन्तु बाद की पीढ़ियों में अनेक ऐतिहासिक मीमांसाओं में है आधारिक सिद्धान्त बन गया है।

47. हेगेल ने किस प्रकार ईसाई विद्वानों तथा धर्म निरपेक्ष दार्शनिकों के मध्य खाई को पाटा?

(A) विद्वानों के मध्य नये प्रतिमान स्थापित कर।

(B) उदार ईसाइयों को संतुष्ट करने के लिए ईश्वर तत्त्व का पर्याप्त रूप से समावेश तथा तर्क पर जोर दिया जिससे बुद्धिजीवियों को प्रभावित किया जा सके।

(C) केवल तर्क पर जोर दिया।

(D) ईसाई दर्शन पर जोर दिया।

उत्तर–(B)

व्याख्या–हेगेल ने ईसाई विद्वानों तथा धर्मनिरपेक्ष विद्वानों के मध्य खाई को पाटने के लिए उदार ईसाइयों को संतुष्ट करने के लिए उसने ईश्वर तत्त्व का पर्याप्त रूप में समावेश किया तथा तर्क पर जोर देकर बुद्धिजीवियों को संतुष्ट किया।

48. हेगेल के समय में किन दो अध्ययनों पर इतिहास लेखन सीमित था और उनसे वह संतुष्ट नहीं था :

(A) ईसाई इतिहास तक सीमित

(B) धर्म निरपेक्ष इतिहास तक सीमित

(C) राजनीतिक और आत्मकथा कृतियों तक सीमित

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तर–(C)

व्याख्या–हेगेल के समय में राजनीतिक और आत्मकथा के दो अध्ययनों पर इतिहास लेखन सीमित था। और उनसे वह संतुष्ट नहीं थे। विदित है कि हेगेल ने इतिहास को चार महायुगों में विभाजित किया–ओरियन्टल, ग्रीक, रोमन और जर्मनी आदि।

49. निम्नांकित में से किस एक विषय पर हेगेल ने इतिहास लेखन पर जोर दिया?

(A) आर्थिक इतिहास

(B) धार्मिक इतिहास

(C) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी इतिहास।

(D)सामाजिक इतिहास।

उत्तर–(D)

व्याख्या–हेगेल ने सामाजिक इतिहास के लेखन पर जोर दिया। जिससे नई पीढ़ी के इतिहासकारों ने सामाजिक इतिहास में नवीन संभावनाओं को उत्सुकतापूर्वक स्वीकार किया।

50. हेगेल के शब्दों में बहुधा वास्तविक तथा प्रदर्शित प्रयोजन में भिन्नता है, किन्तु इसको समझने के लिए आवश्यकता है :

(A) स्रोत सामग्रियों का अधिक आलोचनात्मक मूल्यांकन करना

(B) उद्देश्यों को पहचानने का प्रयास

(C) कार्यों को समझना

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तर–(A)

व्याख्या–हेगेल के शब्दों में बहुधा वास्तविक तथा प्रदर्शित परियोजना में भिन्नता है। किन्तु इसको समझने के लिए स्रोत सामाग्रियों का अधिक आलोचनात्मक मूल्यांकन करने की आवश्यकता है।

यू.जी.सी. नेट परीक्षा, जून, 2012

इतिहास

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : $1^1/_4$ घंटा] [पूर्णाङ्क : 100

निर्देश—इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. मेगस्थनीज की 'इण्डिका' परवर्ती ग्रीक यात्रियों के विवरणों में सुरक्षित थी। निम्नलिखित ग्रीक यात्री विवरणों में से किसका विवरण 'इण्डिका' से सम्बद्ध नहीं है :

(a) टेसियस(b) स्ट्रेबो

(c) एरियन

(d) प्लिनि

उत्तर – (a)

व्याख्या—ग्रीक यात्री के विवरणों में से टेसियस का विवरण 'इण्डिका' से सम्बद्ध नहीं है। जबकि स्ट्रेबो, एरियन और प्लिनि का सम्बन्ध इण्डिका से है। विदित है कि इण्डिका, मेगस्थनीज की रचना है। टेसियस मूलतः ईरानी राजवैद्य था। उसने भारत के विषय में समस्त जानकारी ईरानी अधिकारियों से प्राप्त की थी।

2. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें—

सूची-I	सूची-II
(a) ऋग्वेद	(i) वाजसनेयी
(b) यजुर्वेद	(ii) शाकल
(c) सामवेद	(iii) शौनक
(d) अथर्ववेद	(iv) कौथुम

कूट :

(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(a) (i)	(iv)	(iii)	(ii)		(b) (ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c) (i)	(iii)	(ii)	(iv)		(d) (iii)	(iv)	(i)	(ii)

उत्तर – (b)

व्याख्या– सूची का सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		सूची-II
(A) ऋग्वेद	–	शाकल
(B) यजुर्वेद	–	वाजसनेयी
(C) सामवेद	–	कौथुम
(D) अथर्ववेद	–	शौनक

3. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) दीघ निकाय	(i) धम्मपद
(b) खुद्दक निकाय	(ii) महापरिनिब्बान सुत्त
(c) विनय पिटक	(iii) कथावस्तु
(d) अभिधम्म पिटक	(iv) खंधक

कूट :

(a)	(b)	(c)	(d)		(a)	(b)	(c)	(d)
(a) (ii)	(i)	(iv)	(iii)		(b) (iii)	(ii)	(iv)	(i)
(c) (i)	(ii)	(iii)	(iv)		(d) (iii)	(iv)	(ii)	(i)

उत्तर – (a)

व्याख्या– सूची का सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		सूची-II
दीघनिकाय	–	महापरिनिब्बान सुत्त
खुद्दक निकाय	–	धम्मपद
विनयपिटक	–	खंधक
अभिधम्मपिटक	–	कथावस्तु

4. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा युग्म सही नहीं है?

(a) शिलालेख : सारनाथ

(b) लघु शिलालेख : बहापुर

(c) स्तम्भ लेख : रामपुरवा

(d) लघुस्तम्भ लेख : सांची

उत्तर – (a)

व्याख्या—अशोक के वृहद शिलालेख 8 स्थानों से प्राप्त हुए है जो कि इस प्रकार से है- शाहबाजगढ़ी, मानसेहरा, कालसी, गिरनार, धौली, जौगढ़, एर्रगुडि एवं सोपारा जबकि लघु शिलालेख बहापुर व स्तम्भलेख रामपुरवा और लघु स्तम्भ लेख सांची से प्राप्त हुए है। सारनाथ से स्तम्भ लेख मिला है।

5. निम्नलिखित आरोहण क्रम की प्रशासनिक संरचना में से किसका क्रम सही है?

(a) द्रोणमुख, स्थानीय, संग्रहण, कर्वतिक

(b) स्थानीय, कर्वतिक, द्रोणमुख, संग्रहण

(c) स्थानीय, द्रोणमुख, कर्वतिक, संग्रहण

(d) स्थानीय, द्रोणमुख, संग्रहण, कर्वतिक

उत्तर—(c)

व्याख्या–मौर्यकालीन प्रशासनिक व्यवस्था के अनुसार विषय (जिला) के अन्तर्गत स्थानीय (800 ग्राम), द्रोणमुख (400 गांव), कर्वटिक (खार्वटिक) (200 गांव), संग्रहण (100 गांव) आदि प्रशासनिक इकाइयां थी।

6. निम्नलिखित का सही कालानुक्रम क्या है?

A. द पेरिप्लस ऑफ द एरिथ्रियन सी

B. कास्मॉस इण्डिकोप्लेट्स

C. टोलेमी की ज्योग्राफी

D. मेगस्थनीज की इण्डिका

निम्न कूट में से सही उत्तर चुनिये :

(a) A B C D
(b) A C D B
(c) D A C B
(d) C D A B

उत्तर – (c)

व्याख्या–मेगस्थनीज (304 ई.पू. से 299 ई.पू.) यूनानी राजदूत था जिसे यूनान के शासक सेल्यूकस ने चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में दूत बनाकर भेजा। इसने 'इंडिका' की रचना की है जो मूल रूप से अप्राप्त है। द पेरीप्लस ऑफ द एरिथ्रियन सी का लेखक अज्ञात है। इसका रचनाकाल 80 ई. से 115 ई. के मध्य का है। इसमें भारतीय बंदरगाहों एवं व्यापारिक वस्तुओं का विवरण प्राप्त होता है। टोलेमी ने 'ज्योग्राफी' की रचना की थी। इसका रचनाकाल लगभग दूसरी सदी ई. का है। इसने भारत की यात्रा नहीं की थी किन्तु अपने विवरण में सातवाहन नरेश शातकर्णि का उल्लेख किया है। कास्मॉस (535 ई. – 547 ई.) यूनानी यात्री था जिसने बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया था और भिक्षु तथा सौदागर के रूप में 535 ई. में दक्षिण भारत की यात्रा की थी।

7. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	**सूची-II**
(a) अगादाक्लीज	(i) बुद्ध
(b) कडफिसेस I	(ii) संकर्षण
(c) विमकडफिसेस	(iii) अतश
(d) कनिष्क I	(iv) शिव

कूट :

(A)	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a) (ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b) (i)	(iv)	(iii)	(ii)
(c) (iii)	(i)	(ii)	(iv)
(d) (iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर – (a)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		**सूची-II**
अगादाक्लीज	–	संकर्षण
कडफिसेस-I	–	बुद्ध
विमकडफिसेस	–	शिव
कनिष्क-I	–	अतश

8. निम्नलिखित साक्ष्यों में से कौन-सा रामगुप्त सम्बन्धी परवर्ती साक्ष्य नहीं है?

(a) सोमेश्वर का मानसोल्लास

(b) हर्षचरित पर शंकराचार्य की टीका

(c) अबुल हसन अली का मजमत-उल तवारीख

(d) अमोघवर्ष का संजान ताम्रपत्र

उत्तर – (a)

व्याख्या–सोमेश्वर का मानसोल्लास में रामगुप्त सम्बन्धी परवर्ती साक्ष्य का वर्णन नहीं किया गया है। जबकि हर्ष चरित्र पर शंकराचार्य की टीका, अबुल हसन अली का मजमत-उल-तवारीख और अमोघवर्ष का संजान ताम्रपत्र में राम गुप्त सम्बन्धी परवर्ती साक्ष्य है।

9. नीचे दो वाक्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है :

कथन (A) : उत्तर गुप्तकालीन कृषक मुख्य रूप से शूद्र वर्ण के माने गए।

कारण (R) : गुप्तोत्तर युग में जनजातियों का बड़े पैमाने पर जाति-व्यवस्था में समावेश हुआ।

उपर्युक्त कथनों का अध्ययन कर निम्न उत्तरों में से सही उत्तर चुनें :

(a) A एवं R दोनों सही हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

(b) A सही है, किन्तु R सही नहीं है।

(c) A सही नहीं है, किन्तु R सही है।

(d) A एवं R दोनों गलत है।

उत्तर – (a)

व्याख्या–उत्तर गुप्त कालीन कृषक मुख्य रूप से शूद्र वर्ण के माने गये है। क्योंकि गुप्तोत्तर युग में जनजातियों का बड़े पैमाने पर जाति व्यवस्था में समावेश हुआ, जो मुख्यतः कृषक थे।

10. नाथमुनि ने अलवार कविताओं का संग्रह किस ग्रंथ में किया है?

(a) पेरियपुराणम्

(b) तिरुमुरै

(c) नलयिर दिव्य प्रबंधन

(d) तिरुतोण्डल तिरुवन्तति

उत्तर – (c)

व्याख्या– नंलयिर दिव्य प्रबंधन नामक ग्रन्थ में नाथमुनि ने अलवार कविताओं का संग्रह किया। ध्यातव्य है कि मदुरा में तमिल कवियों के संगम का सर्वप्रथम उल्लेख इरैयनार अगुप्पोरूल भाष्य की भूमिका में मिलता है।

11. रुद्रमादेवी किस वंश की रानी थी, पहचानिये :

(a) बादामी के चालुक्य

(b) मदुरा के पाण्ड्य

(c) वारंगल के काकतीय

(d) वेंगी के पूर्वी चालुक्य

उत्तर – (c)

व्याख्या– रुद्रमादेवी वारगंल के काकतीय वंश की रानी थी जो गणपति की बेटी (पुत्री) थी जिसने रुद्रदेव महाराज का नाम ग्रहण किया था और 27 वर्ष तक शासन किया था। गणपति ने अपनी राजधानी वारगंल में बनायी थी।

12. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	**सूची-II**
A. कीर्तिवर्मन	1. वातापि
B. सिंहविष्णु	2. तंजौर
C. दन्तिवर्मन	3. कांचिपुरम्
D. विजयालय	4. मान्यखेट

कूट :

	A	**B**	**C**	**D**		**A**	**B**	**C**	**D**
(a)	4	3	2	1	(b)	2	3	4	1
(c)	3	1	2	4	(d)	1	3	4	2

उत्तर – (d)

व्याख्या– सूची का सही सुमेल इस प्रकार है –

सूची-I (शासक)		**सूची-II (राजधानी)**
कीर्तिवर्मन	–	वातापि
सिंहविष्णु	–	कांचिपुरम्
दन्तिवर्मन	–	मान्यखेट
विजयालय	–	तंजौर

13. निम्नांकित प्राचीन साहित्यिक ग्रंथों में से किसमें चित्रकला सम्बन्धित एक स्वतंत्र अध्याय है?

(a) पंचसिद्धान्तिका

(b) विष्णुधर्मोत्तर पुराण

(c) पंचतन्त्र

(d) नाट्यशास्त्र

उत्तर – (b)

व्याख्या–विष्णु धर्मोत्तर पुराण में चित्रकला से सम्बन्धित एक स्वतन्त्र अध्याय है। जबकि पंचतन्त्र में जातक कथाओं का उल्लेख मिलता है। विदित है कि विष्णु धर्मोत्तर पुराण के तृतीय खण्ड के अध्याय 35-43 चित्रकला से सम्बन्धित है।

14. निम्नलिखित में से चोल वंश का राजस्व अधिकारी कौन था?

(a) ऑलनायक

(b) शेरुन्दरम्

(c) वरित्प्पोतगक्क

(d) पेरुमक्कल

उत्तर – (c)

व्याख्या–वरित्प्पोत्तगक्क चोल वंश का राजस्व अधिकारी था। चोल काल में भूमि कर उपज का 1/3 भाग हुआ करता था। ज्ञातव्य है कि चोल काल में काशु सोने के सिक्के थे तथा कैंटन चोल कालीन मुख्य बन्दरगाह था। शेरुन्दरम् कनिष्ठ पदाधिकारी होते थे जबकि सभा के सदस्यों को पेरुमक्कल कहा जाता था।

नोटः- UGC ने अंतिम उत्तर कुंजी में इस प्रश्न का उत्तर D जारी किया है जो कि गलत है।

15. निम्नलिखित कथनों में से कौन से कथन असत्य हैं?

(i) बलबन की मृत्यु के पश्चात् उसके पुत्र बुगरा खान ने लखनौती में सार्वभौम सत्ता धारण की।

(ii) अलाउद्दीन खिलजी ने अपनी सत्ता को बंगाल तक विस्तृत किया।

(iii) सन् 1324 में गियासुद्दीन तुगलक ने बंगाल का दिल्ली सल्तनत में विलय कर लिया।

(iv) शम्सुद्दीन इलियास शाह के शासन काल में फिरोज शाह तुगलक ने बंगाल पर दो बार आक्रमण किया।

निम्न कूटों में से सही कूट का चयन कीजिये :

कूट :

(a) (ii) (iii) (iv)

(b) (ii) (iv)

(c) (ii) (iii)

(d) (iii) (iv)

उत्तर – (b)

व्याख्या–अलाउद्दीन खिलजी व गयासुद्दीन तुगलक बंगाल का विलय दिल्ली सल्तनत में नही कर सके थे। फिरोजशाह तुगलक का बंगाल पर द्वितीय आक्रमण 1359 ई. में हुआ था। इस समय यहाँ का शासक इलियास शाह का पुत्र सिकन्दरशाह था। जबकि बंगाल के शासक इलियास शाह की मृत्यु 1357 ई. में हो गई थी।

16. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. शेख मुईनुद्दीन चिश्ती	1. दिल्ली
B. शेख बहाउद्दीन जकरिया	2. अजोधन
C. शेख फरीदुद्दीन मसूद गंज-ए-शकर	3. मुल्तान
D. शेख निजामुद्दीन औलिया	4. अजमेर

कूट :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	3	4	2	1	(b)	3	2	4	1
(c)	4	3	2	1	(d)	4	2	3	1

उत्तर – (c)

व्याख्या–सूफी सन्तों और उनके कार्यस्थल का सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		सूची-II
शेख मुईनुद्दीन चिश्ती	–	अजमेर
शेख बहाउद्दीन जकारिया	–	मुल्तान
शेख फरीदुद्दीन मसूद गंज-ए-शक्कर	–	अजोधन
शेख निजामुद्दीन औलिया	–	दिल्ली

17. मुहम्मद तुगलक के शासन क्षेत्र के लिये 'हिन्द एवं सिन्ध' शब्द का प्रयोग किसने किया?

(a) जियाउद्दीन बरनी

(b) अब्दल मलिक इसामी

(c) इब्न बतूता

(d) याहिया बिन अहमद सिरहिंदी

उत्तर – (c)

व्याख्या– मुहम्मद बिन तुगलक के शासन क्षेत्र के लिए हिन्द एवं सिन्ध शब्द का प्रयोग इब्न बतूता ने किया था। इब्न बतूता अफ्रीकी यात्री था जो मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में भारत आया था। इसकी प्रमुख रचना–'रेहला' है।

18. महमूद गवां ने बहमनी अमीर वर्ग की शक्तियों पर अंकुश लगाने के लिए क्या कदम उठाए?

1. उनके भूमि अनुदानों के आकार को कम कर दिया।
2. उसने राज्य के प्रत्यक्ष अधिकार क्षेत्र में आने वाले भू क्षेत्र को विस्तृत किया।
3. उसने गवर्नरों को एक से अधिक किलों पर नियन्त्रण रखने की अनुमति नहीं दी।
4. उसने भूमि लगान की दर को बढ़ा दिया।

निम्न कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(a) 1 4 3 (b) 1 2 3

(c) 3 4 2 (d) 1 3 4

उत्तर – (b)

व्याख्या–महमूद गवाँ ने बहमनी अमीर वर्ग की शक्तियों पर अंकुश लगाने के लिए निम्न कदम उठाए–

(1) उसने भूमि अनुदानों के आकार को कम कर दिया।

(2) उसने राज्य के प्रत्येक अधिकार क्षेत्र में आने वाले भूमि क्षेत्र को विस्तृत किया।

(3) उसने गवर्नरों को एक से अधिक किलों पर नियन्त्रण रखने की अनुमति नहीं दी।

19. निम्नलिखित को सही कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए :

1. चैतन्य 2. एकनाथ
3. सूरदास 4. तुलसीदास

कूट :

(a) 2 1 3 4 (b) 1 2 3 4

(c) 1 2 4 3 (d) 1 3 2 4

उत्तर – (*)

व्याख्या– व्यवस्थित कालानुक्रम इस प्रकार है-

(i)	एकनाथ	–	1533 ई.
(ii)	सूरदास	–	1478 ई.
(iii)	चैतन्य	–	1486 ई.
(iv)	तुलसीदास	–	1532 ई.

नोट- U.G.C. द्वारा इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (A) दिया गया है।

20. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है :

कथन (A) : सैन्य दृष्टि से फिरोजशाह तुगलक का शासन अविशिष्ट था।

कारण (R) : वह नगरकोट के शासक को अपने अधीन करने में असफल रहा।

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न में से कौन-सा कथन सही है?

कूट :

(a) A और R दोनों सत्य है और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य है, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर – (c)

व्याख्या–सैन्य दृष्टि से फिरोजशाह तुगलक का शासन अविशिष्ट था। वह नगरकोट के शासक को सन् 1361 ई. में पराजित किया था। विदित है कि ब्राह्मणों पर जजिया कर लागू करने वाला पहला मुसलमान शासक फिरोजशाह तुगलक था।

21. किसके कथनानुसार मुगल हरम 'सच्चरित्रता का मंडप' था?

(a) निजामुद्दीन अहमद

(b) अबुल फजल

(c) गुलबदन बेगम

(d) अब्दुल हमीद लाहौरी

उत्तर – (a)

व्याख्या– मुगल इतिहासकार निजामुद्दीन अहमद ने मुगल हरम को 'सच्चरित्रता के मण्डप' के रूप में वर्णित किया है। निजामुद्दीन ने 'तबकात-ए-अकबरी' की रचना की थी।

22. मुगल प्रशासनिक व्यवस्था में मीरबख्शी का क्या पद था?

(a) मुगल सेना का प्रमुख सेनाध्यक्ष

(b) शाही टकसाल का प्रभारी

(c) खजाने का प्रभारी मन्त्री

(d) प्रमुख वेतनाधिकारी

उत्तर – (d)

व्याख्या–मुगल प्रशासन व्यवस्था में मीर बख्शी का पद प्रमुख वेतनाधिकारी का पद था। इस पद का विकास अकबर के काल में शुरू हुआ था। विदित है कि मीर बख्शी का प्रमुख कार्य सैनिकों की भर्ती, उसका हुलिया रखना, रसद प्रबन्ध एवं हाथी-घोड़ों का प्रबन्ध करना था।

23. निम्नलिखित में से कौन-सा सामाजिक सुधार अकबर द्वारा नहीं किया गया?

(a) विधवा विवाह को वैधता प्रदान करना

(b) विवाह का पंजीकरण

(c) सती-प्रथा पर पूर्ण प्रतिबन्ध

(d) खतना करने की आयु सीमा बारह वर्ष करना

उत्तर – (c)

व्याख्या–मुगल शासक अकबर ने अपने शासनकाल में कई सामाजिक सुधार किये थे। जैसे–विधवा विवाह को वैधता प्रदान करना, विवाह का पंजीकरण और खतना करने की आयु सीमा 12 वर्ष करना आदि। जबकि अकबर द्वारा सती प्रथा पर पूर्ण प्रतिबन्ध न करके जबरदस्ती सती करने की प्रथा पर प्रतिबन्ध लगाया था।

24. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?

(a) मुगलकालीन भारत में नील का उत्पादन दिल्ली एवं आगरा प्रान्तों तक सीमित था।

(b) मदद-ए-माश अनुदानों को औरंगजेब ने वंशानुगत बना दिया।

(c) जहांगीर ने अलतमग़ा जागीरों के स्थानान्तरण की प्रथा आरम्भ की।

(d) कश्मीर में भू-राजस्व निर्धारण की जब्तीं प्रणाली को लागू किया गया।

उत्तर – (b)

व्याख्या–जहाँगीर ने अलतमगा जागीरों की प्रथा प्रारम्भ की थी। मुहर बन्द या शाही शील युक्त भूमि अनुदान को अलतमगा कहते है। चूंकि इसी नाम से सम्राट की मोहर इन अनुदानों पर लगायी जाती थी। इसलिए इसे अलतमगा कहते थे। अलतमगा-जागीर वंशानुगत होती थी। अकबर के शासनकाल के 15वें वर्ष में टोडरमल द्वारा जब्ती प्रणाली को प्रारंभ किया गया था। यह प्रथा बिहार, लाहौर, इलाहाबाद, मुल्तान, दिल्ली, अवध, मालवा एवं गुजरात में प्रचलित थी। मदद-ए-माश अथवा सयूरगल भूमि अनुदान स्वरूप दी जाती थी जिसे औरंगजेब ने वंशानुगत कर दिया था।

25. निम्न घटनाओं को सही कालक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

1. मुगलों का बल्ख पर अधिकार
2. माहवारी समानुपात प्रणाली का प्रारम्भ
3. निजामशाही का अन्त
4. बीजापुर एवं गोलकुंडा से मुगलों की संधि

(a) 2 3 4 1 (b) 3 2 1 4

(c) 4 3 2 1 (d) 2 4 1 3

उत्तर – (a)

व्याख्या–निम्न घटनाओं का सही क्रम–

(1) माहवारी समानुपात प्रणाली का प्रारंभ शाहजहाँ के शासन काल के प्रारंभिक वर्षों में शुरू हुआ था।

(2) 1633 ई. में महावत खाँ ने निजामशाही शासकों से दौलताबाद का किला छीन लिया। उसने फतह खाँ और हुसैन निजामशाह को कैद कर लिया। निजामशाह को ग्वालियर किले में कैद कर लिया गया। इसके उपरांत मुर्तजा निजाम शाह तृतीय की उपाधि से गद्दी पर बैठा। 1636 ई. की संधि के द्वारा निजामशाही शासन का अंत कर दिया गया।

(3) 1636 ई. में गोलकुण्डा एवं बीजापुर के शासकों ने मुगल साम्राज्य से संधि कर ली।

(4) 1646 ई. में मुगलों का बल्ख पर प्रथम अधिकार।

26. निम्नलिखित को सही कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए :

1. शहजादे अकबर का दक्कन पलायन
2. औरंगजेब द्वारा गोलकुंडा की विजय
3. शाइस्ताखां का चित्तगांग पर अधिकार
4. गुरु गोविन्द सिंह द्वारा खालसा की स्थापना

निम्न कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(a) 1 3 2 4

(b) 3 1 2 4

(c) 2 4 3 1

(d) 1 3 4 2

उत्तर – (b)

व्याख्या– उपरोक्त घटनाओं का कालक्रम इस प्रकार है–

शाइस्ताखां का चित्तगांग पर अधिकार	–	1665
शहजादे अकबर का दक्कन पलायन	–	1681
औरंगजेब द्वारा गोलकुंडा की विजय	–	1687
खालसा की स्थापना	–	1699

27. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है :

कथन (A) : औरंगजेब के शासनकाल के उत्तरार्ध में मुगल अमीर वर्ग में राजपूत मनसबदारों की संख्या में कमी आई।

कारण (R) : औरंगजेब ने दक्कन से आए अमीरों को बड़ी संख्या में जागीरें प्रदान की।

उपर्युक्त कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सही हैं, किन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है

(c) A सही है, लेकिन R असत्य है

(d) A असत्य है, किन्तु R सत्य है

उत्तर – (b)

व्याख्या–औरंगजेब के शासन काल के उतरार्द्ध में मुगल अमीर वर्ग में राजपूत मनसबदारों की संख्या में कमी आयी थी, क्योंकि औरंगजेब ने दक्कन से आए अमीरों को उनकी योग्यता के आधार पर बड़ी संख्या में जागीरे प्रदान की। ध्यातव्य है कि औरंगजेब के काल में सूबों की संख्या सर्वाधिक (20) थी।

28. अठारहवीं शताब्दी के मुगल सम्राटों के नाम पर विचार कीजिए :

1. आलमगीर द्वितीय
2. अहमदशाह
3. जहांदार शाह
4. मुहम्मद शाह

निम्न में से कौन-सा अनुक्रम सही कालक्रम को प्रदर्शित करता है?

(a) 2 1 3 4
(b) 1 2 3 4
(c) 3 4 2 1
(d) 3 4 1 2

उत्तर – (c)

व्याख्या–उत्तरवर्ती मुगल शासकों और उनका काल क्रम निम्नवत है–

जहांदारशाह	–	1712 ई. से 1713 ई.
मुहम्मदशाह	–	1719 ई. से 1748 ई.
अहमदशाह	–	1748 ई. से 1754 ई.
आलमगीर द्वितीय	–	1754 ई. से 1759 ई. तक

29. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है–

कथन (A) : सत्तरहवीं शताब्दी के अन्त तक इंग्लिश इण्डिया कम्पनी ने पुर्तगाली और डच व्यापारिक प्रतिद्वन्द्वियों को अपने मार्ग से हटा दिया।

कारण (R) : इंग्लिश व्यापारी उच्च कोटि के माल को सस्ती दरों पर बेचते थे।

उपर्युक्त कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, किन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सत्य है, किन्तु R असत्य है।

(d) A असत्य है, किन्तु R सत्य है।

उत्तर – (c)

व्याख्या–17वीं शताब्दी के अन्त तक ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने पुर्तगाली और डच व्यापारिक प्रतिद्वंदियों को अपने मार्ग से हटा दिया। विदित है कि 1760 में वांडिवाश के युद्ध में अंग्रेजों ने फ्रांसीसीयों को बुरी तरह पराजित करके भारत से भगा दिया। इंग्लिश व्यापारी महारानी एलिजाबेथ से इजाज़तनामा (चार्टर एक्ट) लेकर पूरब से व्यापार करने का एकाधिकार प्राप्त करने के बाद पूरब से सस्ती कीमत पर वस्तुओं को खरीद कर उन्हें यूरोप में ऊँची कीमत पर बेच सकती थी।

30. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक का नाम अभिकथन (A) और दूसरे का कारण (R) दिया गया है :

अभिकथन (A) : 1857 के विद्रोह का ब्रिटिश द्वारा दमन कर दिया गया था।

कारण (R) : कुछ को छोड़कर जैसे कि झांसी की रानी, बहुत कम भारतीय शासकों ने इस विद्रोह में भाग लिया।

उपर्युक्त कथन को पढ़ें और नीचे दिए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A और R दोनों मिथ्या हैं।

(d) A सत्य है, परन्तु R मिथ्या है।

उत्तर – (a)

व्याख्या–1857 के विद्रोह का ब्रिटिश द्वारा दमन कर दिया गया था। क्योंकि भारतीय शक्ति संगठित नहीं थी। कुछ को छोड़कर जैसे कि झांसी की रानी आदि, बहुत कम भारतीय शासकों ने इस विद्रोह में भाग लिया।

31. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) का नाम दिया गया है :

अभिकथन (A) : डॉक्टर ऐनी बेसन्ट ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध स्वराज शासन आन्दोलन संगठित किया।

कारण (R) : वह भारत की जनता के सभी वर्गों को धार्मिक चिन्तन से ऊपर एकल राजनीतिक नारे के आधार पर संगठित करना चाहती थीं।

उपर्युक्त दोनों कथनों को पढ़ें और नीचे दिए कूटों से उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(a) A सही है, परन्तु R सही नहीं है

(b) A सही नहीं है, परन्तु R सही है

(c) A और R दोनों सही नहीं है

(d) A सही है और R, A की सही व्याख्या है।

उत्तर – (d)

व्याख्या–एनी बेसेन्ट भारत की जनता के सभी वर्गों को धार्मिक चिन्तन से ऊपर एकल राजनीतिक नारे के आधार पर संगठित करना चाहती थी। उन्होंने ब्रिटिश शासन के अधीन स्वराज शासन का आन्दोलन संगठित किया था।

32. रॉबर्ट क्लाइव ने मुगल शासक से बंगाल, बिहार और ओडिशा की दीवानी किस वर्ष में स्वीकार की थी?

(a) 1761 (b) 1765

(c) 1778 (d) 1781

उत्तर – (b)

व्याख्या–राबर्ट क्लाइव ने मुगल शासक से बंगाल, बिहार और उड़ीसा की दीवानी वर्ष 1765 में स्वीकार की थी। चूंकि 1764 के बक्सर युद्ध में विजय के उपरान्त ईस्ट इण्डिया कम्पनी और मुगल शासक के मध्य 1765 ई. में इलाहाबाद की सन्धि हुई थी। जिसमें उसे बंगाल, बिहार और उड़ीसा की दीवानी प्राप्त हुई।

33. बसीन सन्धि (1802) किस-किस के बीच हुई थी?

(a) इंग्लिश और पेशवा बाजी राव II

(b) इंग्लिश और टीपू सुल्तान

(c) इंग्लिश और होल्कर

(d) इंग्लिश और गायकवाड़

उत्तर – (a)

व्याख्या–बेसिन सन्धि 1802 ई. इंग्लिश और पेशवा बाजीराव द्वितीय के मध्य हुई थी। यह सन्धि अन्य सन्धियों की अपेक्षा अंग्रेजों के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण तथा मराठों के लिए अपमान जनक थी। विदित है कि देवगांव की सन्धि (1803 ई.) कम्पनी और रघुजी भोंसले के बीच हुई थी।

34. ऐनी बेसन्ट द्वारा प्रारम्भ किया गया स्वराज शासन आन्दोलन का लक्ष्य क्या था?

(a) विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार

(b) भारतीय जनता को शिक्षित करना

(c) भारत के लिए स्वशासन प्राप्त करना

(d) प्रशासन में ब्रिटिश एकाधिकार के विरुद्ध आन्दोलन करना

उत्तर–(c)

व्याख्या–एनी बेसेन्ट द्वारा प्रारम्भ किया गया होमरूल आन्दोलन का लक्ष्य भारत के लिए स्वशासन प्राप्त करना था। बाल गंगाधर तिलक ने अप्रैल 1916 में होमरूल लीग की स्थापना बेलगॉव में की थी। एनी बेसेंट ने सितम्बर 1916 में अपने होमरूल लीग की स्थापना मद्रास में की थी।

35. ईस्ट इण्डिया कम्पनी द्वारा स्थापित कारखानों के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन-सा ऐतिहासिक क्रम सही है?

1. सूरत 2. मसूलीपट्टनम

3. हुगली 4. बालासोर

कूट :

(a) 1 2 3 4

(b) 2 1 4 3

(c) 3 4 1 2

(d) 4 3 1 2

उत्तर – (b)

व्याख्या–ईस्ट इंडिया कम्पनी द्वारा स्थापित कारखानों का स्थापित वर्ष निम्नवत् है–

मसूलीपट्टनम	–	1611 ई.
सूरत	–	1613 ई.
बालासोर	–	1633 ई.
हुगली	–	1686 ई.

36. इण्डियन नेशनल (भारतीय राष्ट्रीय) कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष कौन थीं?

(a) सरोजिनी नायडू

(b) ऐनी बेसन्ट

(c) सुचेता कृपलानी

(d) मैडम कामा

उत्तर – (b)

व्याख्या–इण्डियन नेशनल कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष एनी बेसेन्ट थी। जिन्होंने 1917 में कलकत्ता में कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता की थी। विदित है कि प्रथम भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष सरोजिनी नायडू थी जिन्होंने 1925 में कानपुर अधिवेशन की अध्यक्षता की थी।

37. 'पॉवर्टी एण्ड अन-ब्रिटिश रूल इन इण्डिया' नामक पुस्तक किसने लिखी?

(a) दादाभाई नारौजी

(b) आर.सी. दत्त

(c) चार्ल्स वुड

(d) एम.एन. रॉय

उत्तर – (a)

व्याख्या– 'पॉवर्टी एण्ड अन-ब्रिटिश रूल इन इण्डिया' नामक पुस्तक की रचना दादाभाई नौरोजी ने की थी। इन्होंने इस पुस्तक में बताया कि भारतीय गरीबी और भुखमरी का मूल कारण ब्रिटिश रेगुलेशन था। ''द वान्ट्स एण्ड मीन्स ऑफ इण्डिया और ऑन द कामर्स ऑफ इण्डिया'' नामक पुस्तक भी दादा भाई नौरोजी द्वारा लिखी गयी है।

38. भारतीय इतिहास में अगस्त 8, 1942 का दिन किस लिए महत्वपूर्ण है?

(a) सुभाष चन्द्र बोस द्वारा सिंगापुर में इण्डियन नेशनल कांग्रेस की स्थापना

(b) औपनिवेशिक राज्य के लिए क्रिप्स के प्रस्ताव

(c) महात्मा गांधी द्वारा प्रारम्भ किया गया असहयोग आन्दोलन

(d) महात्मा गांधी द्वारा प्रारम्भ किया गया भारत छोड़ो आन्दोलन

उत्तर – (d)

व्याख्या–भारतीय इतिहास में 8 अगस्त, 1942 का दिन इसलिए महत्त्वपूर्ण था कि इसी दिन महात्मा गांधी ने भारत छोड़ों आन्दोलन प्रारम्भ किया था। भारत छोड़ों आन्दोलन के दौरान महात्मा गांधी ने कहा था ''आजादी से कम कुछ भी नहीं'' तथा 'करो या मरो' का नारा दिया था।

39. निम्नांकित वाइसरायों का सही कालानुक्रमिक क्रम क्या है?

1. नार्थब्रुक
2. मिंटो
3. लिनलिथगो
4. मेयो

कूट :

(a) 4 1 2 3 (b) 2 3 1 4
(c) 1 2 3 4 (d) 3 4 2 1

उत्तर – (a)

व्याख्या–वायसराय और उनका कालक्रम निम्नवत् है–

मेयो	–	1869-1872 ई.
नार्थब्रुक	–	1872-1876 ई.
मिन्टो द्वितीय	–	1905-1910 ई.
लिनलिथगो	–	1936-1944 ई.

40. निम्नलिखित को क्रमानुसार व्यवस्थित करते हुए दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए :

1. सेन्ट थोम युद्ध
2. पिंडारी युद्ध
3. बक्सर युद्ध
4. चंदुर्थी का युद्ध

कूट :

(a) 1 4 3 2 (b) 4 3 2 1
(c) 1 2 3 4 (d) 4 2 3 1

उत्तर – (a)

व्याख्या– सही व्यवस्थित क्रम में इस प्रकार है–

(i) सेन्ट थोम का युद्ध	–	1746-47 ई.
(ii) चंदुर्थी का युद्ध	–	1758 ई.
(iii) बक्सर का युद्ध	–	1764 ई.
(iv) पिंडारी युद्ध	–	1817-18 ई.

41. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	**सूची-II**
A. पंजाब टेनेन्सी एक्ट	1. 1883
B. दी इल्बर्ट बिल	2. 1868
C. हंटर आयोग	3. 1921
D. चैम्बर ऑफ प्रिंसेस	4. 1882

कूट :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	2	3	1	4	(b)	1	2	4	3
(c)	4	2	3	1	(d)	2	1	4	3

उत्तर – (d)

व्याख्या– सूची I का सूची II से सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		**सूची-II**
पंजाब टेनेसी एक्ट	–	1868 ई.
दी इल्बर्ट बिल	–	1883 ई.
हंटर आयोग	–	1882 ई.
चेम्बर आफ प्रिंसेज	–	1921 ई.

42. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए एवं निम्न कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I : पुस्तक	सूची-II : लेखक
A. इण्डियन पेन्टिंग अंडर दी मुगल्स	1. अशोक कुमार दास
B. आर्किटेक्चर ऑफ मुगल इण्डिया	2. मोती चन्द्र
C. दी टेक्निक ऑफ मुगल पेटिंग	3. पर्सी ब्राउन
D. मुगल पेंटिंग ड्यूरिंग जहांगीरज टाइम	4. केथरीन बी. एशर

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	1	3	4
(b)	3	2	4	1
(c)	4	2	1	3
(d)	3	4	2	1

उत्तर – (d)

व्याख्या– सूची I का सूची II का सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I (पुस्तक)	सूची-II (लेखक)
(A) इण्डियन पेंटिंग अण्डर मुगल्स –	पर्सी ब्राऊन
(B) आर्किटेक्चर ऑफ मुगल इण्डिया–	केथरिन बी. एशर
(C) द टेक्निक ऑफ मुगल पेंटिंग –	मोती चन्द्र
(D) मुगल पेंटिग डयूरिंग जहांगीर टाइम –	अशोक कुमार दास

43. कौन-सा सही सुमेलित है :

(a) 'करो या मरो' — जवाहरलाल नेहरू

(b) 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है' — महात्मा गांधी

(c) ''मुझे रक्त दो, मैं तुम्हें स्वतन्त्रता दूंगा'' — सुभाषचन्द्र बोस

(d) ''अहिंसा के जरिए स्वतन्त्रता हमारा लक्ष्य होना चाहिए'' — बी.जी. तिलक

उत्तर – (c)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I	सूची-II
(A) 'करो या मरो' –	महात्मा गांधी
(B) स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है। –	बाल गंगाधर तिलक
(C) तुम मुझे रक्त दो मैं तुम्हे स्वतन्त्रता दूंगा –	नेता जी सुभाष चन्द्र बोस
(D) अहिंसा के जरिए स्वतन्त्रता हमारा लक्ष्य होना चाहिए –	जवाहर लाल नेहरू

44. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. फ्रीडम ऐट मिडनाइट	1. कॉलिन्स एण्ड लेपियर
B. दी स्टोरी ऑफ दी इंटिग्रेशन ऑफ इंडियन स्टेट्स	2. सी.पी. रामास्वामी अय्यर
C. ट्रावनकोर दीवान	3. वी.पी. मैनन
D. सेक्रेटरी ऑफ स्टेट	4. पैथिक लॉरेन्स

कूट :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	1	3	2	4	(b)	3	2	1	4
(c)	4	3	2	1	(d)	2	4	3	1

उत्तर – (a)

व्याख्या–

सूची-I	सूची-II
फ्रीडम ऐट मिडनाइट	– कॉलिन्स एण्ड लेपियर
दी स्टोरी ऑफ दी इंटिग्रेशन ऑफ इंडियन स्टेट्स	– वी.पी.मैनन
ट्रावनकोर दीवान	– सी.पी. रामास्वामी अय्यर
सेक्रेटरी ऑफ स्टेट	– पैथिक लारेंस

45. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. कर्नल टॉड	1. मेमोयर ऑफ सेन्ट्रल इण्डिया
B. जान मॉल्कम	2. एनलस एण्ड एंटिक्विटीस ऑफ राजस्थान
C. सी. आर. विल्सन	3. हिस्टोरिकल स्केचिस ऑफ साउथ इण्डिया
D. एम. विल्कस्	4. अर्ली एनलस ऑफ दी इंगलिश इन बंगाल

कूट :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	2	1	4	3	(b)	2	3	4	1
(c)	1	4	3	2	(d)	3	1	2	4

उत्तर – (a)

व्याख्या– सूची I का सूची II से सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I (पुस्तक)	सूची-II (लेखक)
मेमोयर ऑफ सेन्ट्रल इण्डिया –	जान माल्कम
एनल्स एण्ड एंटिक्विटीस ऑफ राजस्थान –	कर्नल टाड
हिस्टोरिकल स्केचिस ऑफ साउथ इण्डिया –	एम. विल्कस
अर्ली एनल्स ऑफ दी इंगलिश इन बंगाल –	सी.आर. विल्सन

46. निम्नलिखित विचारधाराएं जो अलग-अलग समय में उभर कर आईं उन्हें क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए :

1. एन्लाईटनमेंट हिस्टोरियोग्राफी
2. चर्च हिस्टोरियोग्राफी
3. एनाल्स हिस्टोरियोग्राफी
4. सबाल्टर्न हिस्टोरियोग्राफी

निम्न कूट में से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

(a) 1 3 4 2
(b) 2 3 1 4
(c) 2 1 3 4
(d) 1 2 4 3

उत्तर – (c)

व्याख्या–विचारधाराएं जो अलग-अलग समय में उभर कर आयी वे क्रमानुसार है–

(i) चर्च हिस्टोरियोग्राफी	– मध्य काल
(ii) एन्लाईटमेन्ट हिस्टोरियोग्राफी	– 18वीं शताब्दी
(iii) एनाल्स हिस्टोरियोग्राफी	– 20वी शताब्दी का पूर्वार्ध
(iv) सबाल्टर्न हिस्टोरियोग्राफी	– 20वीं शताब्दी का उत्तरार्ध

47. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा युग्म सही नहीं है?

(a) निम्न पुरापाषाण काल : शिकार, खाद्य संग्रहण
(b) उच्च पुरापाषाण काल : शिकार, खाद्य संग्रहण
(c) मध्यपाषाण काल : शिकार, खाद्य संग्रहण
(d) नवपाषाण काल : खाद्य उत्पादन

उत्तर – (c)

व्याख्या– मध्य पाषाण काल में मानव द्वारा शिकार व खाद्य संग्रहण के साथ ही पशुपालन की शुरुआत हो चुकी थी, जबकि नव पाषाण काल में खाद्य उत्पादन किया जाने लगा था। साथ ही स्थायी मानव जीवन प्रारम्भ हुआ।

48. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) सराय खोला	(i) हरियाणा
(B) तरखानवाला डेरा	(ii) पाकिस्तान
(C) कुनाल	(iii) राजस्थान
(D) शिकरपुर	(iv) गुजरात

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)	(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)	(d)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

उत्तर – (a)

व्याख्या– सूची I का सूची II से सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I (स्थान का नाम)		सूची-II (वर्तमान में अवस्थित)
(A) सराय खोला	–	पाकिस्तान
(B) तरखानवाला डेरा	–	राजस्थान
(C) कुनाल	–	हरियाणा
(D) सिकरपुर	–	गुजरात

49. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही है?

(a) शैलाश्रय : लंघनाज
(b) लघुपाषाण : महदहा
(c) बूचड़खाने से सम्बन्धित स्थल : लेखहिया
(d) प्रस्तर उपकरण बनाने की कार्यशाला : इसमपुर

उत्तर – (d)

व्याख्या–कर्नाटक के गुलबर्गा से प्रस्तर उपकरण बनाने की कार्यशाला प्राप्त हुई है। यहाँ से 200 एश्यूलियन साइट्स प्राप्त हुए है। ज्ञातव्य है कि नव पाषाण काल में बुर्जहोम एवं गुफकराल से गर्तवास (गड्ढाघर), अनेक प्रकार के मृद भाण्ड एवं प्रस्तर तथा हड्डी के अनेक औजार प्राप्त हुए है।

50. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए एवं निम्न कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. मासीर-ए-जहांगीरी	1. मोतमिद खान
B. इकबाल नामा-ए-जहांगीरी	2. साकी मुस्तैद खान
C. मासीर-ए-आलमगीरी	3. ख्वाजा कामगार गैरतखान
D. फुतुहात-ए-आलमगीरी	4. ईश्वदास नागर

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	3	2	4
(b)	3	1	2	4
(c)	2	3	1	4
(d)	1	2	3	4

उत्तर – (b)

व्याख्या– सूची I का सूची II से सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I (पुस्तक)		सूची-II (लेखक)
मासीर-ए-जहाँगीरी	–	ख्वाजा कामगार गैरतखान
इकबालनामा-ए-जहाँगीरी	–	मोतमिद खान
मासीर-ए-आलमगीरी	–	साकी मुस्तैद खान
फुतुहात-ए-आलमगीरी	–	ईश्वरदास नागर

यू.जी.सी. नेट परीक्षा, जून, 2012

इतिहास

तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : $1^1/_4$ घंटा] [पूर्णाङ्क : 100

नोट : इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सूची-I (वैदिक नदी) को सूची-II (वर्तमान प्रतिरुप) से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (वैदिक नदी)	सूची-II (वर्तमान प्रतिरुप)
(a) विपासा	(i) झेलम
(b) परुष्णी	(ii) रावी
(c) वितस्ता	(iii) व्यास
(d) शुतुद्रि	(iv) सतलज

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(C)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

उत्तर–(A)

व्याख्या– वैदिक संहिताओं में कुल 31 नदियों का उल्लेख मिलता है जिनमें से 25 का उल्लेख अकेले ऋग्वेद में है। ऋग्वेद के नदी सूक्त में 21 नदियों का उल्लेख है जिसमें सिन्धु नदी का सर्वाधिक बार उल्लेख है। ऋग्वैदिक आर्यों की सबसे पवित्र नदी सरस्वती (नदीतमा) थी। अन्य वैदिक नदियों और उनके वर्तमान प्रतिरूप इस प्रकार है–

विपासा	–	व्यास
परुष्णी	–	रावी
वितस्ता	–	झेलम
शुतुद्रि	–	सतलज
सदानीरा	–	गण्डक
रेवा	–	नर्मदा

2. एशिया माइनर के बोगजकोई अभिलेख में निम्नलिखित वैदिक देवताओं का उल्लेख है–

(A) इन्द्र, वरुण, अग्नि एवं सूर्य
(B) इन्द्र, वरुण, मित्र एवं अग्नि
(C) इन्द्र, मित्र, वरुण एवं नासत्य
(D) इन्द्र, मित्र, द्यौस एवं नासत्य

उत्तर–(C)

व्याख्या– एशिया माइनर के बोगजकोई अभिलेख में इन्द्र, मित्र वरूण एवं नासत्य वैदिक देवताओं का उल्लेख मिलता है। ज्ञातव्य है कि इन्द्र युद्ध और वर्षा के देवता के रूप में, वरुण समुद्र के देवता, ऋतु परिवर्तन एवं दिन-रात के कर्ता के रूप में और मित्र आकाश के देवता के रूप में प्रसिद्ध थे।

3. राजा सुदास जिसके विषय में ऋग्वेद में वर्णन है कि उसने दस राजाओं को पराजित किया, किस जन से सम्बद्ध था?

(A) अनु (B) द्रुह्यु
(C) त्रित्सु (D) यदु

उत्तर–(C)

व्याख्या– ऋग्वेद के सातवें मण्डल में दस राजाओं के युद्ध (दाश-राज्ञ) का उल्लेख हुआ है जो भरतों (त्रित्सु जन) के राजा सुदास के साथ हुआ था। सुदास के पुरोहित वशिष्ठ थे। इनके विरूद्ध दस राजाओं का एक संघ था जिसमें अनु, द्रुम्ह, यदु, पुरू, तुर्वस जनों के अतिरिक्त पाँच लघु जनजातियाँ-अनि, पक्थ भलानस, शिव तथा विषाणिन के राजा सम्मिलित थे। यह युद्ध परूष्णी नदी (रावी नदी) के किनारे लड़ा गया था जिसमें राजा सुदास विजयी हुए।

4. नीचे दो वक्तव्य दिये गए हैं, एक को कथन (A) कहा गया है और दूसरे को कारण (R)–

कथन (A) : यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस सूचित करता है कि भारत पारसीक साम्राज्य का बीसवां तथा सबसे समृद्ध सत्रपी (सूबा या प्रान्त) था।

कारण (R) : सिकन्दर के आक्रमण (327-226 ई.पू.) तक भारत में समस्त पारसीक प्रभाव लुप्त हो चुका था।

उपरोक्त दो वक्ताओं के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन सही है?

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं, तथा (A) की सही व्याख्या (R) है।
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (A) का सही व्याख्या (R) नहीं है।
(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है।
(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।

उत्तर–(C)

व्याख्या– यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस सूचित करता है कि भारत पारसीक साम्राज्य का 20 वां तथा सबसे समृद्ध क्षत्रपी (सूबा) था। जबकि सिकन्दर के आक्रमण (327 ई.पू.-226 ई.पू.) तक भारत में समस्त पारसीक प्रभाव बना हुआ था। आरबेला के युद्ध (331 ई. पू.) में सिकन्दर ने पारसीक शासक दारा III को बुरी तरह परास्त कर उसकी विशाल सेना को नष्ट कर दिया। इसी पराजय के साथ ही भारत में पारसीक आधिपत्य की समाप्ति हुई किन्तु मौर्य शासन के विभिन्न तत्वों पर पारसीक प्रभाव स्पष्टतः परिलक्षित होता है। मौर्य सम्राटों ने पारसीक नरेशों की दरबारी शानों शौकत तथा कुछ परम्पराओं का अनुकरण किया। अत कथन (A) सही है, किन्तु (R) गलत है।

5. किसने निम्न वक्तव्य दिया था–
'भगवापि खत्रियो अहम्पि खत्रियो' (भगवान) भी क्षत्रिय थे मैं भी क्षत्रिय हूं)?

(A) बिम्बिसार (B) प्रसेनजित
(C) अजातशत्रु (D) शिशुनाग

उत्तर–(C)

व्याख्या–अजातशत्रु (हर्यक वंश) ने वक्तव्य दिया था 'भगवापि खत्रियों अहम्पि खत्रियो' यानि भगवान बुद्ध भी क्षत्रिय थे मै भी क्षत्रिय हूँ। उल्लेखनीय है कि अजातशत्रु अपने पिता बिम्बसार की हत्या करके मगध का शासक बना। महात्मा बुद्ध के परिनिर्माण के पश्चात् उसी वर्ष (483 ई.पू.) अजातशत्रु ने राजगृह की सप्तपर्णि गुफा में प्रथम बौद्ध संगिति आयोजित करवाई थी।

6. निम्नलिखित में से किस संगम कवि ने नन्द वंश के शासकों के संचित धन का उल्लेख किया है?

(A) अव्वैयार (B) मामूलनर
(C) परनर (D) इलगो अड़िंगल

उत्तर–(B)

व्याख्या– संगम कवि मामूलनर ने नन्दवंश के शासकों के संचित धन का उल्लेख किया है। इंलगो अड़िंगल ने शिलप्पदिकारम् साहित्य की रचना की थी। विदित है कि शेनगुट्टुवन का यशोगान परणर (परनर) ने किया था।

7. सूची-I (अधिकारी) को सूची-II (विभाग) से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (अधिकारी)	सूची-II (विभाग)
(a) सन्निधाता	(i) कर-संग्रह विभाग का स्वामी
(b) समाहर्ता	(ii) वाणिज्य विभाग का स्वामी
(c) पण्याध्यक्ष	(iii) रानीवास के रक्षक-दल का स्वामी
(d) अन्तर्वंशिक	(iv) कोषागार का स्वामी

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(B)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

उत्तर–(C)

व्याख्या–मौर्यकालीन प्रशासन संचालन हेतु समकालीन स्रोतों में 18 तीर्थों और 26 अध्यक्षों का विवरण प्राप्त होता है। स्रोतों में उल्लिखित कुछ प्रमुख तीर्थों और उनके विभागों का वर्णन निम्नवत है–

सन्निधाता	–	कोषागार का स्वामी
समाहर्ता	–	कर संग्रह विभाग (राजस्व विभाग)
पण्याध्यक्ष	–	वाणिज्य विभाग
अन्तर्वंशिक	–	रानीवास के रक्षक-दल का स्वामी
प्रदेष्टा	–	फौजदारी (कंटकशोधन) न्यायालय का न्यायाधीश
अन्तपाल	–	सीमावर्ती दुर्गों का रक्षक
आटविक	–	वन विभाग का प्रमुख
व्यावहारिक	–	दीवानी (धर्मस्थीय) न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश

8. सूची-I (शासक) को सूची-II (सम्बन्धित व्यक्ति) से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (शासक)	सूची-II (सम्बन्धित व्यक्ति)
(a) बिम्बिसार	(i) डाइमेकस
(b) बिन्दुसार	(ii) सेन्ट थॉमस
(c) अजातशत्रु	(iii) जीवक
(d) गोण्डोफरनीस	(iv) वस्सकार

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

उत्तर–(A)

व्याख्या– डाइमेकस सीरिया के शासक एन्टिओकस प्रथम का राजदूत था जो मौर्य सम्राट बिन्दुसार (297-273 ई.पू.) के दरबार में आया था। जीवक प्राचीन भारत का महान वैद्य तथा चिकित्सा शास्त्री थे। हर्यंक वंश के शासक बिम्बिसार ने जीवक को अपना राजवैद्य नियुक्त किया था। अजातशत्रु का मंत्री वस्सकार कुशल राजनीतिज्ञ था जिसने लिच्छवियों में फूट डालकर साम्राज्य विस्तार किया था। सेन्ट थॉमस ईसाई पादरी था जो प्रथम सदी ईस्वी में दक्षिण भारत आया था। यह पह्लव शासक गोण्डोफर्नीज के दरबार में भी गया था और कहा जाता है कि थॉमस के प्रभाव से गोण्डोफर्नीज ने ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया था।

9. 200 ई. पू. से 300 ई. के मध्य की अवधि की एक विशेषता विदेशी व्यापार की वृद्धि को प्रायः स्वीकार किया जाता है। निम्न कारणों में कौन कारण उस वृद्धि में सहायक नहीं हुआ था?

(A) भारत राजनीतिक दृष्टि से एक हो गया था।
(B) मौर्य शासकों ने विभिन्न सड़कों का निर्माण करके और समान प्रशासकीय व्यवस्था लागू करके व्यापार की उन्नति में सहायता दी थी।
(C) इण्डो-यूनानी शासकों ने पश्चिमी एशिया और भूमध्यसागरीय देशों से घनिष्ठ सम्पर्क स्थापित करने में सहयोग दिया था।
(D) शक, पह्लव एवं कुषाण शासकों ने मध्य एशिया के देशों से घनिष्ट सम्पर्क स्थापित करने में सहयोग दिया था।

उत्तर–(A)

व्याख्या– 200 ई. पू. से 300 ई. के मध्य विद्यमान शकों, कुषाणों, सातवाहनों एवं प्रथम तमिल राज्यों के युग में व्यापार-वाणिज्य एवं शिल्पकला में उल्लेखनीय प्रगति हुई। इस प्रगति के निम्न कारण थे-

1. मौर्य शासकों ने समान प्रशासनिक व्यवस्था लागू करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण करवाया था।
2. पश्चिमी एवं पूर्वी समुद्री तट पर स्थित बंदरगाहों पर पहुँचने के लिए शक एवं कुषाण शासकों ने मार्गो का निर्माण करवाया।
3. इस समय भारत का व्यापार रोम, पश्चिम एशिया, मध्य एशिया और भूमध्यसागरीय देशों तक फैला हुआ था।
4. सातवाहनों और कुषाणों के समय रोम के साथ व्यापार में भारत लाभ की स्थिति में था।

200 ई.पू. से 300 ई. के मध्य जहाँ एक तरफ व्यापारिक प्रगति देखने को मिलती है वहीं दूसरी तरफ भारत राजनीतिक दृष्टि से विखण्डित हो गया था। इस समय मौर्य काल के विपरीत शक, कुषाण, सात-वाहन, इण्डो-यूनानी आदि शासकों ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों पर शासन किया। अतः विकल्प (A) गलत है तथा प्रश्नगत अन्य विकल्प सही है।

10. सूची-I (प्राचीन स्मारक) को सूची-II (मुख्य विशेषण) से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (प्राचीन स्मारक)	**सूची-II (सम्बद्ध मुख्य विशेषता)**
(a) सांची स्तूप	(i) सबसे ऊंचा बौद्ध स्मारक
(b) नालन्दा	(ii) हिन्दू, बौद्ध एवं जैन धर्मों का प्रतिनिधित्व
(c) जुन्नर	(iii) सारिपुत्र तथा मौद्गल्यायन के अस्थि अवशेष युक्त
(d) एलोरा	(iv) वर्तुल विन्यास वाला चैत्य गृह

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(D)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

उत्तर–(A)

व्याख्या– मध्य प्रदेश में स्थित सांची स्तूप का निर्माण मौर्य सम्राट अशोक ने तीसरी शती ई. पू. में करवाया था। इसमें महात्मा बुद्ध के अतिरिक्त सारिपुत्र एवं मौद्गल्यायन के अस्थि अवशेष संरक्षित हैं। विश्व के प्राचीनतम विश्व विद्यालय के अवशेषों को अपने आंचल में समेटे नालंदा बिहार का एक प्रमुख पर्यटन स्थल और सबसे ऊँचा बौद्ध स्मारक है। महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित जुन्नर प्राचीन मंदिरों और उत्कृष्ट वास्तुकला की गुफाओं और किलों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ 150 शैल गुहाएं हैं जिनमें 10 चैत्यगृह और शेष विहार हैं। यहाँ वर्तुल विन्यास वाले चैत्यगृह अवस्थित हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में स्थित एलोरा गुफाओं का निर्माण राष्ट्रकूट वंश के शासकों द्वारा कराया गया था। एलोरा में कुल 34 गुफाएं हैं जो हिन्दू, बौद्ध तथा जैन धर्मों से संबंधित हैं।

11. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित नहीं है?

(शासक)		**(उसके सिक्के पर प्रदर्शित आकृति)**
(A) कुमारगुप्त प्रथम	–	चक्रपुरुष
(B) कनिष्क	–	अरदोक्षो
(C) अगथोक्लीज	–	बलराम
(D) क्षत्रप राजुवुल	–	पल्लस

उत्तर–(A)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

(शासक)		**(सिक्कों पर प्रदर्शित आकृति)**
(a) कुमार गुप्त प्रथम	–	मयूर (कार्तिकेय)
(b) कनिष्क	–	अरदोक्षो
(c) अगथोक्लीज	–	बलराम
(d) क्षत्रप राजुवुल	–	पल्लस

12. निम्नलिखित में से किसने 'धर्ममहाराज' की उपाधि धारण की थी जिसका औचित्य उसके द्वारा अश्वमेघ सहित अनेक वैदिक यज्ञों के सम्पादित करने से सिद्ध होता है?

(A) पुष्यमित्र (B) सर्वतात
(C) समुद्रगुप्त (D) प्रवरसेन प्रथम

उत्तर–(D)

व्याख्या– हरितिपुत्र प्रवरसेन प्रथम वाकाटक वंश का वास्तविक संस्थापक था। उसने 'धर्ममहाराज' की उपाधि धारण की थी। उसके पारिवारिक लेखों से ज्ञात होता है कि एक मात्र वही ऐसा वाकाटक राजा था जिसे 'सम्राट' की उपाधि से सम्बोधित किया जाता था। वह ब्राह्मण धर्म का पोषक था। उसने कई वैदिक यज्ञ किए थे। उसने अपनी पुत्री का विवाह भारशिव नाग वंश के भवनाग नामक शक्तिशाली राजा से किया था। जिसका मध्य भारत के एक बड़े भाग पर अधिकार था। प्रवरसेन चार अश्वमेघ यज्ञ, सात सोम यज्ञ एवं एक वाजपेय यज्ञ किया था।

13. शैलेन्द्र नरेश श्री बालपुत्र द्वारा नालन्दा निर्मित एक विहार के लिए निम्नलिखित में से किस भारतीय शासक ने पांच ग्राम गांव दान में दिये थे?

(A) कुमारगुप्त प्रथम (B) हर्ष
(C) देवपाल (D) भाष्करवर्मन्

उत्तर–(C)

व्याख्या– पाल वंश के शासक धर्मपाल का पुत्र देवपाल (810-850 ई.) ने जावा के शैलेन्द्र वंशी शासक बलपुत्र देव के अनुरोध पर उसे नालन्दा में एक बौद्ध विहार बनवाने के लिए 5 गाँव दान में दिए तथा वीरसेन नामक बौद्ध विद्वान को नालन्दा विहार में अध्यक्ष नियुक्त किया। विदित है कि देवपाल ने ओदन्तपुरी (बिहार) के प्रसिद्ध बौद्ध मठ का निर्माण करवाया था।

14. सूची-I (प्राचीन नगर) को सूची-II (आधुनिक प्रतिनिधि) से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (प्राचीन नगर)	**सूची-II (आधुनिक प्रतिनिधि)**
(a) दशपुर	(i) हलेविड
(b) द्वारसमुद्र	(ii) मन्दसौर
(c) माध्यमिका	(iii) नागरी
(d) समापा	(iv) जौगड़

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(B)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

उत्तर–(A)

व्याख्या– दशपुर अवन्ति (पश्चिमी मालवा) का प्राचीन नगर था जिसकी पहचान आधुनिक मंदसौर (मध्य प्रदेश स्थित) से की जाती है। द्वारसमुद्र आधुनिक हलेविड का प्राचीन नाम था। यह होयसल वंश के राजाओं की राजधानी था। समापा का उल्लेख अशोक के धौली और जौगड़ के शिलालेख में तोसली के साथ मिलता है। समापा की अवस्थिति संभवतः उड़ीसा के पुरी जिले में थी। मध्यमिका राजस्थान में चित्तौड़ के निकट स्थित एक प्राचीन नगर था जिसे वर्तमान में 'नागरी' के नाम से जाना जाता है।

15. तमिल कवियों के तीसरे संगम की पीठ कहां थी?

(A) उरैयुर (B) मदुरा
(C) तन्जौर (D) कञ्ची

उत्तर–(B)

व्याख्या– तमिल कवियों के तीसरे संगम की पीठ मदुरा थी जिसके अध्यक्ष-नक्कीरर थे। पांड्य शासकों द्वारा इसे संरक्षण मिला था। उल्लेखनीय है कि प्रथम तमिल संगम भी मदुरा में हुआ था तथा द्वितीय संगम कपाटपुरम् में हुआ था। प्रथम एवं द्वितीय संगम की अध्यक्षता अगस्त्य ऋषि ने की थी।

16. अरब लेखकों ने दक्षिण के किस राजवंश की गणना संसार के चार सार्वभौम शासकों में की है?

(A) वातापी के चालुक्य (B) कल्याणी के चालुक्य
(C) कोणकण के मौर्य (D) मान्यखेट के राष्ट्रकूट

उत्तर–(D)

व्याख्या–अरब लेखकों ने दक्षिण के मान्यखेट के राष्ट्रकूट राजवंश की गणना संसार के 4 सार्वभौम शासकों में की है। ज्ञातव्य है कि दंतिदुर्ग ने 753 ई. में राष्ट्र कूट वंश की स्थापना की और इसने मान्यखेट (माल खंड) को अपनी राजधानी बनाया।

17. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित नहीं है?

(A) राजशेखर – विद्धशालभञ्जिका
(B) श्री हर्ष – नैषधीय चरित
(C) महेन्द्रवर्मन – कविराजमार्ग
(D) शूद्रक – मृच्छकटिकम्

उत्तर–(C)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

(a) राजशेखर – विद्धशालभञ्जिका
(b) श्रीहर्ष – नैषधीय चरित
(c) महेन्द्रवर्मन – मत्तविलास प्रहसन
(d) शूद्रक – मृच्छकटिकम्

नोटः-कविराजमार्ग की रचना राष्ट्रकूट शासक अमोघवर्ष ने की थी। यह कन्नड़ भाषा में लिखा गया है।

18. नीचे दो वक्तव्य दिये गए हैं, एक को कथन (A) कहा गया है और दूसरे को कारण (R)–

कथन (A) : पूर्व मध्यकाल में क्षेत्रीय राजनीति के उदय के साथ-साथ दरबारी कवियों द्वारा राजाओं की जीवनी लिखने का क्रम प्रारम्भ हुआ।

कारण (R) : सन्ध्याकर नन्दी का रामचरित श्लेष शैली में लिखा गया है जिसमें महाकाव्य के नायक राम की कथा के अतिरिक्त पाल नरेश रामपाल का भी विवरण है।

उपरोक्त दो वक्ताओं के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन सही है?

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं, तथा (A) की सही व्याख्या (R) है।
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (A) की सही व्याख्या (R) है।
(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है।
(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।

उत्तर–(A)

व्याख्या–पूर्व मध्य काल में क्षेत्रीय राजनीति के उदय के साथ-साथ दरबारी कवियों द्वारा राजाओं की जीवनी लिखने का क्रम प्रारम्भ हुआ। सन्ध्याकार नन्दी का रामचरित श्लेष शैली में लिखा गया। इस महाकाव्य के नायक राम की कथा के अतिरिक्त पाल नरेश रामपाल का भी विवरण है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं, तथा (A) की सही व्याख्या (R) है।

19. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है–

अभिकथन (A) : दिल्ली के सुल्तानों ने अपनी सैन्य शक्ति से भारत के एक बड़े भाग को समेकित किया।

तर्क (R) : दिल्ली सल्तनत की मुख्य विशेषता यह थी कि उन्होंने इस्लाम और कुछ आदिवासी संबंध स्थापित करके सैनिक अभिजात वर्ग को अपनी सैनिक शक्ति का आधार बनाया।

उपर्युक्त कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(B) (A) और (R) दोनों गलत है।
(C) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।
(D) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।

उत्तर–(C)

व्याख्या–दिल्ली सल्तनत की मुख्य विशेषता यह थी कि उन्होंने इस्लाम और कुछ आदिवासी सम्बन्ध स्थापित करके सैनिक अभिजात्य वर्ग को अपने सैनिक शक्ति का आधार बनाया। परन्तु दिल्ली के सुल्तानों ने अपने सैन्य शक्ति से भारत के बड़े भू-भाग को समेकित करने में असफल रहे। अतः (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

20. 'तुर्कान-ए-चिहलगानी' का उल्लेख किसने सबसे पहले किया?

(A) तबकात-ए-नासिरी में (B) फुतुह-उस-सलातिन में
(C) किताबुर रेहला में (D) खजाइन-उल-फुतुह में

उत्तर–(B)

व्याख्या–तुर्कान-ए-चिहलगानी का उल्लेख सर्वप्रथम अब्दुल मलिक इसामी ने अपनी रचना फुतुह-उस-सलातिन में की है। इसामी, ने इस रचना को बहमती वंश के शासक अलाउद्दीन बहमनशाह को समर्पित किया है। इसामी मुहमद तुगलक का समकालीन था जिसे राजधानी परिवर्तन से कष्ट उठाने पड़े थे। ज्ञातव्य है कि इल्तुतमिश ने 40 गुलाम सरदारों का एक गुट बनाया जो तुर्कान-ए-चिहलगानी कहलाता था।

21. किस मंगोल सेनापति ने अलाउद्दीन खिलजी को हराया था?

(A) कदर (B) कुतलग ख्वाजा
(C) तरगी (D) इकबालमंद

उत्तर–(C)

व्याख्या–तरगी मंगोल सेनापति ने अलाउद्दीन खिलजी को हराया था। 1303 ई. में मंगोल सेनापति तरगी ने 2 माह तक दिल्ली का घेरा डाले रखा जिससे अलाउद्दीन को उससे संधि करना पड़ा। यह एक प्रकार से अलाउद्दीन की मंगोलो से पराजय थी। मंगोलो का सर्वाधिक आक्रमण अलाउद्दीन खिलजी के काल में हुआ था। मंगोलो के विरूद्ध अलाउद्दीन ने अपना सेनापति जफर खॉ को नियुक्त किया था। अलाउद्दीन खिलजी के दक्षिण भारत की विजय का श्रेय मलिक काफूर को जाता है।

22. दिल्ली के सुल्तानों के शासनकाल में दिल्ली में बनाए गए खान-ए-जहां-तेलंगानी के मकबरे में क्या नई शैलीगत विशेषताएं पाई जाती हैं?

(A) लाल बालू पत्थर पर सफेद संगमरमर का प्रयोग
(B) सच्ची मेहराब
(C) दोहरे गुम्बद
(D) योजना में अष्टभुजीय

उत्तर–(D)

व्याख्या–सल्तनत कालीन प्रथम अष्टभुजाकार मकबरा फिरोज तुगलक द्वारा निर्मित खान-ए-जहाँ तेलंगानी का है। खाने जहाँ तेलंगानी फिरोज तुगलक का वजीर था। विदित है कि तुगलक वास्तुकला में ढलवा दीवारों की प्रमुखता थी जिसे सलामी कहा जाता है।

23. सल्तनत चित्रकला की किस शैली ने मुगल शैली की चित्रकला की स्थापना के लिए मार्ग प्रशस्त किया है?

(A) चौरपंचाशिक, लौर चंदा और इण्डो-पर्शियन
(B) पाल, कश्मीरी और लौर चंदा
(C) चौरेपंचाशिक, कश्मीरी और इण्डो-पर्शियन
(D) इण्डो-पर्शियन, पाल और कश्मीरी

उत्तर–(A)

व्याख्या–सल्तनत चित्रकला की चौरपंचाशिक, लौर चंदा और इण्डो-पर्शियन शैली ने मुगल शैली की चित्रकला की स्थापना के लिए मार्ग प्रशस्त किया। दिल्ली सल्तनत के अन्तिम वर्षों में हुई कलात्मक प्रगति के सूचक लघु चित्रों के विशेष समूह को लौर चन्दा चौरपंचासिका कहा जाता है जिसमें चटकीली रंगो के साथ बेला बूटों और अलंकरण विधानों से युक्त शान्त तथा परिष्कृत रूप से लघुचित्र विद्यमान है। विदित है कि मुगल चित्रकला का स्वर्ण काल जहाँगीर के काल को कहा जाता है। जहाँगीर ने हेरात के प्रसिद्ध चित्रकार आगा-रजा के नेतृत्व में आगरा में चित्रणशाला की स्थापना करवाया था।

24. भारत के मुस्लिम वास्तुकला में नौ-नोकदार मेहराबों का प्रयोग पहली बार कब किया गया था?

(A) सिकन्दर लोदी के भवनों में
(B) शेरशाह के भवनों में
(C) नूरजहां के भवनों में
(D) शाहजहाँ के भवनों में

उत्तर–(D)

व्याख्या–भारत के मुस्लिम वास्तुकला में नौ-नोकदार मेहराबों का प्रयोग पहली बार शाहजहाँ के भवनों में किया गया था। शाहजहाँ ने सार्वजनिक निर्माण विभाग की स्थापना की इसके समय में पित्रादुरा शैली का पूर्ण विकास हुआ। उल्लेखनीय है कि शाहजहाँ के शासन काल को मुगल वास्तुकला का 'स्वर्णकाल कहा जाता है। विश्व प्रसिद्ध ताजमहल (आगरा) का निर्माण शाहजहाँ ने ही करवाया था।

25. समकालीन इतिहासकारों के द्वारा किस मुगल सम्राट को 'मुजद्दिद' की उपाधि दी गई थी?

(A) हुमायूं (B) जहांगीर
(C) शाहजहाँ (D) औरंगजेब

उत्तर–(C)

व्याख्या–समकालीन इतिहासकारों के द्वारा मुगल सम्राट शाहजहाँ को 'मुजद्दिद' की उपाधि दी गयी थी। 24 फरवरी, 1628 को शाहजहाँ अबुल मुजफ्फर शहाबुद्दीन मोहम्मद साहब किरान-ए-सानी शाहजहाँ के नाम से शासक बना।

26. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	**सूची-II**
(a) रामानुज	(i) पुष्टि मार्ग
(b) चैतन्य	(ii) निर्गुण भक्ति
(c) वल्लभाचार्य	(iii) विशिष्टाद्वैत दर्शन
(d) नानक	(iv) गौडीय वैष्णवधर्म

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(B)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(C)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

उत्तर–(D)

व्याख्या– सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		**सूची-II**
रामानुज	—	विशिष्टाद्वैत दर्शन
चैतन्य	—	गौड़ीय वैष्णवधर्म
वल्लभाचार्य	—	पुष्टि मार्ग
नानक	—	निर्गुण भक्ति

27. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	**सूची-II**
(a) कादिरिया संप्रदाय	(i) शेख बद्रुद्दीन समरकंदी
(b) नक्शबंदिया संप्रदाय	(ii) शाह अब्दुल्लाह
(c) फिरदौसी संप्रदाय	(iii) ख्वाजा बकी बिल्लाह
(d) शत्तारी संप्रदाय	(iv) शाह नियामतुल्लाह

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(C)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(D)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर–(B)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		**सूची-II**
कादिरिया सम्प्रदाय	—	शाह नियामतुल्लाह
नक्शबंदिया सम्प्रदाय	—	ख्वाजा बकी बिल्लाह
फिरदौसी सम्प्रदाय	—	शेख बदरुद्दीन समरकंदी
शत्तारी सम्प्रदाय	—	शाह अब्दुल्लाह

28. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) मसंद	(i) सिक्ख गुरु का सहायक
(b) सहजदारी	(ii) गैर-खालसा सिक्ख
(c) सरदेशमुखी	(iii) मराठा राजस्व की मांग के लिए प्रयुक्त शब्द
(d) दल खालसा	(iv) सिक्ख धार्मिक संगठन

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

उत्तर–(A)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		सूची-II
मसंद	—	सिक्ख गुरु का सहायक
सहजदारी	—	गैर खालसा सिक्ख
सरदेशमुखी	—	मराठा राजस्व की मांग के लिए प्रयुक्त शब्द
दल खालसा	—	सिक्ख धार्मिक संगठन

29. निम्नलिखित में से किसे 'वरकारी' सम्प्रदाय का संस्थापक माना जाता है?

(A) एकनाथ (B) तुकाराम
(C) नामदेव (D) ज्ञानेश्वर

उत्तर–(D)

व्याख्या– ज्ञानेश्वर को वरकारी सम्प्रदाय का संस्थापक माना जाता है। ज्ञानेश्वर का जन्म आलिन्दी में हुआ था। वरकारी सम्प्रदाय का प्रमुख तत्व अद्वैतवाद है जिसमें भगवान और भक्त के बीच कोई भेद नहीं माना जाता। इन्होंने भागवत धर्म की आधारशिला रखी थी तथा गीता पर भावार्थ दीपिका टीका लिखी। नामदेव ने वरकारी सम्प्रदाय की विचारधारा को लोकप्रिय बनाया। जिसके कारण नामदेव को वरकारी सम्प्रदाय का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।

नोट- U.G.C. ने इस प्रश्न का सही उत्तर विकल्प (C) माना है जो कि गलत है।

30. शाहजहाँ ने करतारपुर का युद्ध लड़ा था–

(A) गुरु हरगोविन्द सिंह के विरुद्ध
(B) गुरु हरकिशन के विरुद्ध
(C) गुरु हरराय के विरुद्ध
(D) गुरु तेग बहादुर के विरुद्ध

उत्तर–(A)

व्याख्या–शाहजहाँ ने करतारपुर का युद्ध गुरु हरगोविन्द सिंह के विरुद्ध लड़ा था, क्योंकि 1628 ई. में शाहजहाँ का एक बाज उड़कर गुरु हरगोबिन्द के खेमे में चला गया, जिसे गुरु ने देने से इन्कार कर दिया था। विदित है कि मुगलों और सिक्खों के बीच दूसरा झगड़ा गुरु द्वारा श्री गोबिन्दपुर नामक एक नगर बसाने को लेकर हुआ था।

31. दीवान-ए-खालसा निम्नलिखित में से किस कार्य को देखने के लिए जिम्मेदार था?

(A) सतत कृषि भूमि
(B) पुरस्कार के रूप में दी गई राजस्व मुक्त भूमि
(C) राज्य के सीधे नियंत्रण में आने वाली भूमि
(D) ऊसर भूमि

उत्तर–(C)

व्याख्या–दीवान-ए-खालसा राज्य के सीधे नियन्त्रण में आने वाली भूमि को देखने के लिए जिम्मेदार था जबकि पुरस्कार के रूप में दी गयी राजस्व मुक्त भूमि को जागीर कहा जाता था, जो जागीरदार के नियन्त्रण में होती थी।

32. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) मालगुजार	(i) आनुवंशिक मुस्लिम अभिजात
(b) मुफ्ती	(ii) स्थानीय मुस्लिम संस्था
(c) अंजुमन	(iii) मुस्लिम विद्वान जो धार्मिक नियमों के विशेषज्ञ होते थे
(d) खानजाद	(iv) भूमिधारक प्राथमिक जमींदार

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(D)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

उत्तर–(A)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		सूची-II
मालगुजार	—	भूमिधारक प्राथमिक जमींदार
मुफ्ती	—	मुस्लिम विद्वान जो धार्मिक नियमों के विशेषज्ञ होते थे
अंजुमन	—	स्थानीय मुस्लिम संस्था
खानजाद	—	आनुवंशिक मुस्लिम अभिजात्य वर्ग

33. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) हुंडी	(i) मुगल शाही आदेश
(b) दस्तक	(ii) विनिमय पत्र
(c) सनद	(iii) प्राथमिक उत्पादकों को अदा किया जाने वाला अग्रिम धन
(d) ददनी	(iv) कर की छूट के प्रयोजन के लिए यूरोपीय व्यापारियों को जारी किया जाने वाला आज्ञापत्र

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(B)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

उत्तर–(C)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		सूची-II
हुंडी	—	विनिमय पत्र
दस्तक	—	कर की छूट के प्रयोजन के लिए यूरोपीय व्यापारियों को जारी किया जाने वाला आज्ञापत्र
सनद	—	मुगलशाही आदेश
ददनी	—	प्राथमिक उत्पादकों को अदा किया जाने वाला अग्रिम धन

34. निम्नलिखित में से किसने भारत के प्रथम अफगान साम्राज्य के संबंध में यह टिप्पणी की थी कि ''भारत में सांविधिक राजतंत्र स्थापित करने का संयोग था, लेकिन अफगान अभिजात्य वर्ग में व्याप्त असंतोष के कारण यह संयोग टल गया।''

(A) के.ए. निजामी (B) पीटर जैकसन
(C) आर.पी. त्रिपाठी (D) जॉन एफ. रिचर्ड्स

उत्तर–(C)

व्याख्या–इतिहासकार आर.पी. त्रिपाठी ने भारत के प्रथम अफगान साम्राज्य के सम्बन्ध में यह टिप्पणी की थी कि–''भारत में सांविधिक राजतन्त्र स्थापित करने का संयोग था लेकिन अफगान अभिजात्य वर्ग में व्याप्त असंतोष के कारण यह संयोग टल गया।''

35. अलाउद्दीन खिलजी के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(A) उसने ''दीवान-ए-कोही'' नामक विभाग की स्थापना की थी।
(B) जियाउद्दीन बर्नी ने अलाउद्दीन की कराधान नीति की आलोचना की थी।
(C) कोतवाल मलिक फखुरुद्दीन उसका वफादार था।
(D) उसके पुत्र कुतुबुद्दीन मुबारक खिलजी ने अपने आप को ''खलीफा'' घोषित कर दिया था।

उत्तर–(A)

व्याख्या– दीवान-ए-कोही नामक विभाग की स्थापना अलाउद्दीन खिलजी ने नहीं बल्कि मुहम्मद बिन तुगलक ने किया था। दीवान-ए-कोही एक कृषि विभाग था। प्रश्नगत अन्य सभी कथन सही है।

36. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और गलत कथन को चिह्नित कीजिए–

(A) बाबर के जीवनवृत्त में समकालीन कार्यों पर प्रकाश डाला गया है।
(B) इसमें प्रकृति के प्रति बाबर की रुचि को प्रदर्शित किया गया है।
(C) इसमें फर्गना समरकंद और काबुल के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है जहां उसने अपना समय बिताया था।
(D) उसने अपने एवं समकालीन लोगों, उनकी अच्छी और बुरी बातों पर प्रकाश डाला है।

उत्तर–(C)

व्याख्या–मुगल सम्राट बाबर ने अपने जीवन वृत्त में समकालीन कार्यो पर प्रकाश डाला है, इसकी जीवन वृत्ति का नाम बाबरनामा है। यह पुस्तक तुर्की भाषा में लिखी गई है। इसमें प्रकृति के प्रति बाबर की रूचि को प्रदर्शित किया गया है। उसने अपने एवं समकालीन लोगों, उनकी अच्छी और बुरी बातों पर प्रकाश डाला है। साथ ही उसने फरगना समरकन्द और काबुल के बारे में भी जानकारी दी है।

37. तुलसीदास कौन-सी पुस्तक के रचयिता थे?

(A) कवितावली के (B) रामचरितमानस के
(C) गीतावली के (D) इन सब के

उत्तर–(D)

व्याख्या–तुलसीदास ने कवितावली, रामचरितमानस और गीतावली जैसी पुस्तकों (ग्रन्थ) की रचना की है। ध्यातव्य है कि तुलसीदास मुगल शासक अकबर के समकालीन थे और उन्होंने रामचरितमानस की रचना अवधी भाषा में की थी।

38. निम्नलिखित में से कौन-सा मुगल चित्रकार व्यंग्य चित्रकार था?

(A) बसावन (B) मनोहर
(C) मिस्किन (D) अबुल हसन

उत्तर–(C)

व्याख्या–मुगल कालीन चित्रकार की नीवं हुमायूँ के समय पड़ी तथा अकबर के समय विकसित हुई। सर्वप्रथम अकबर ने 'चित्रकला विभाग' का गठन अब्दुस्समद की अध्यक्षता में किया था। उसके समय के प्रसिद्ध चित्रकारों में दसवंत, बसावन केशव, मिस्कीन, मीर सैय्यद अली आदि प्रमुख थे। जहाँगीर के समय मुगल चित्रकला अपनी सर्वोच्चता के शिखर पर था। इस समय के प्रमुख चित्रकारों में आकारिजा, अबुल हसन, मनोहर उस्ताद मंसूर, बशनदास आदि अपने-अपने क्षेत्र में प्रसिद्ध चित्रकार क्षेत्र में प्रसिद्ध चित्रकार थे। चित्रकार एंव उनकी प्रसिद्धि का क्षेत्र इस प्रकार है-

1. बसावन - छवि चित्रकारी (व्यक्ति चित्रण), भू-दृश्यों का चित्रण, रेखांकन, यूरोपीय कला से प्रभावित।
2. दसवन्त - खानदाने तैमूरिया, तूतीनामा एवं रज्मनामा नामक कृतियों में चित्रण।
3. मिस्किन - पक्षी चित्रकार, यूरोपीय कला से प्रभावित, व्यंग्य चित्रकार
4. अबुल हसन - छवि चित्र, पशु-पक्षी चित्र एवं दरबार समूह चित्रण
5. मनोहर - छवि चित्र एवं शिकार के चित्र बनाने में निपुण
6. उस्ताद मंसूर - पक्षियों का छवि चित्रकार

39. 17 वीं शताब्दी में मुगल शासक वर्ग के संगठन के प्रसंग में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) सामासिक शाही वर्ग का एक पहलू प्रशासनिक सेवाओं के सदस्यों की छोटी सी संख्या का धीरे-धीरे प्रोन्नयन था।
(B) ये सदस्य सामान्यतः खत्री और कायस्थ जातियों से लिए गए थे।
(C) कुछ ब्राह्मण भी इस शासक वर्ग में शामिल थे।
(D) उपर्युक्त सभी।

उत्तर–(D)

व्याख्या–17वीं शताब्दी में मुगल शासक वर्ग के संगठन के प्रसंग में सामासिक शाही वर्ग का एक पहलू प्रशासनिक सेवाओं के सदस्यों के छोटी सी संख्या का धीरे-धीरे प्रोन्नयन था। ये सदस्य सामान्यतः खत्री, कायस्थ एवं ब्राह्मण जातियों से लिए गये थे।

40. नीचे दो कथन दिए गए हैं, उनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है–

अभिकथन (A) : 17वीं शताब्दी के अंत में और 18वीं शताब्दी के शुरु में किसानों के बार-बार विद्रोह के बारे में यह विश्वास किया जाता है कि यह मुगल साम्राज्य के पतन का मुख्य कारण था।

तर्क (R) : केंद्रीकृत मुगल राज्य के खिलाफ क्षेत्रीय भावना नहीं थी।

उपर्युक्त दो कथनों के प्रसंग में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

उत्तर–(B)

व्याख्या–17वीं शताब्दी के अन्त में और 18वीं शताब्दी के शुरु में किसानों के बार-बार विद्रोह के बारे में यह विश्वास किया जाता है कि यह मुगल साम्राज्य के पतन का मुख्य कारण था इसके अतिरिक्त मुगल साम्राज्य के पतन में औरंगजेब की नीतियाँ, सैन्य दुर्बलता आदि जिम्मेदार थे न कि केन्द्रीयकृत मुगल साम्राज्य के खिलाफ क्षेत्रीय भावना। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही स्पष्टीकरण नहीं है।

41. निम्नलिखित में से कौन-सा केंद्र भारत में डच वाणिज्यिक केंद्र नहीं था?

(A) मसुलिपटम (B) करीकल

(C) हुगली (D) बालासोर

उत्तर–(C)

व्याख्या–भारत में डचो का वाणिज्यिक केन्द्र मुख्यतः मसुलिपटम, करीकल (कराईकल), चिनसुरा और बालासोर में था। किन्तु हुगली डचो का वाणिज्यिक केन्द्र नहीं था। उल्लेखनीय है कि डचों ने 1602 ई. में कई कम्पनीयों का विलय करके यूनाइटेड ईस्ट इण्डिया कम्पनी नामक एक विशाल व्यापारिक कम्पनी की स्थापना की। हुगली मुख्यतया अंग्रेजों के नियंत्रण में था।

42. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रावधान सहायक संधि का भाग नहीं है?

(A) राज्यों को अंग्रेज जनरल के कमान में अंग्रेज बल रखना होता था।

(B) राज्य को अन्य राज्य के साथ युद्ध करने या शांति करने के लिए कंपनी की पूर्व अनुमति लेनी होगी।

(C) राज्य अंग्रेजों की ईस्ट इंडिया कंपनी के सिवाय किसी यूरोपियन शक्ति के साथ संबंध नहीं रखने होंगे।

(D) यदि किसी राज्य का स्वाभाविक उत्तराधिकारी नहीं हो, वह दत्तक-ग्रहण कर सकता है।

उत्तर–(D)

व्याख्या–सहायक सन्धि का शुरूआत लार्ड वेलेजली ने (1798 ई.-1805 ई.) किया था जिसके निम्न प्रावधान थे–(i) राज्यों को अंग्रेजी जनरल के कमान में अंग्रेज बल रखना होता था, (ii) राज्य को अन्य राज्य के साथ युद्ध करने या शान्ति करने से पूर्व कम्पनी से अनुमति लेना जरूरी था, (iii) राज्य अंग्रेजों की ईस्ट इण्डिया कम्पनी के सिवाय किसी यूरोपीय शक्ति के साथ सम्बन्ध नहीं रखेंगे। सहायक सन्धि में दत्तक ग्रहण करने अथवा न करने से संबंधित कोई प्रावधान नही था।

43. उस गवर्नर जनरल का नाम बताइए, जिसने नौकरशाही का यूरोपीयकरण और ऊंचे पदों पर भारतीयों को शामिल न करने की नीति अपनाई थी–

(A) वारेन हेस्टिंग (B) कॉर्नवालिस

(C) वेल्सली (D) डलहौजी

उत्तर–(B)

व्याख्या–भारत में नागरिक सेवा की शुरुआत लार्ड कार्नवालिस (1886-93) ने की थी तथा उसने नौकरशाही का यूरोपीयकरण करके ऊंचे पदों पर भारतीयों को शामिल न करने की नीति अपनायी। कार्नवालिस को भारत में नागरिक सेवा का जनक माना जाता है।

44. नीचे दो कथन दिए गए हैं, उनमें से एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है–

अभिकथन (A) : अंग्रेजों ने भारत के अलग-अलग भागों में भू-राजस्व की अलग-अलग अवधि लागू की थी।

तर्क (R) : इससे भारतीय किसान कंगाल हो गए।

उपर्युक्त दो कथनों की विषय-वस्तु में निम्नलिखित में से कौन सही है?

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

(B) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।

(C) (A) और (R) दोनों गलत है।

(D) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

उत्तर–(D)

व्याख्या–अंग्रेजों ने भारत के अलग-अलग भागों में भू-राजस्व की अलग-अलग अवधि लागू की थी जैसे–स्थायी बन्दोबस्त-बंगाल, बिहार, उड़ीसा एवं गाजीपुर आदि क्षेत्रों में तथा रैय्यतवाड़ी व्यवस्था मद्रास, बम्बई, पूर्वी बंगाल आदि। जबकि महालवाड़ी व्यवस्था उ.प्र., म.प्रान्त और पंजाब प्रान्त में लागू की गयी थी। इन व्यवस्था में किसानों से ऋण उगाही ज्यादा की गई जिससे दस्तकारी उद्योग नष्ट हो गये तथा भारतीय किसान कंगाल हो गये थे।

45. कर्जन-किचनर का वर्ष 1904-05 का विवाद निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

(A) बंगाल का विभाजन

(B) वायसराय की परिषद् में सैनिक सदस्य का पद समाप्त करना

(C) पुलिस बल की सीधी भर्ती

(D) कलकत्ता विश्वविद्यालय की स्वायत्तता

उत्तर–(B)

व्याख्या–कर्जन-किचनर का वर्ष 1903-05 का विवाद वायसराय की परिषद में सैनिक सदस्य का पद समाप्त करने को लेकर था। 1902 में मुख्य सेनापति किचनर भारत आया था। कर्जन को किचनर से विवाद के कारण अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा उल्लेखनीय है कि लार्ड कर्जन साम्राज्यवादी सोच का था जिसने 1905 में बंगाल का विभाजन कर दिया था।

46. उस शासक का नाम बताइए, जिसे वर्ष 1875 में 'भारी कुशासन' के आरोप के कारण हटाया गया था–

(A) गंगासिंह, बीकानेर

(B) भूपेंद्रनाथ सिंह, पटियाला

(C) कृष्णा राजा वाडियार, मैसूर

(D) मल्हार राव गायकवाड़ बड़ौदा

उत्तर–(D)

व्याख्या–लार्ड नार्थब्रुक (1872-76) ने वर्ष 1875 ई. में मल्हार राव गायकवाड़ पर भारी कुशासन का आरोप लगाकर बड़ौदा से अपदस्थ कर मद्रास भेज दिया था। विदित है कि इसी के शासनकाल में 1872 ई. का नेटिव मैरिज एक्ट पारित हुआ, जिसमें अन्तरजातीय विवाह को मान्यता दी गयी थी।

47. निम्नलिखित स्थानों में से वर्ष 1906 में किस स्थान पर प्रथम स्वदेशी डकैती या लूट हुई थी?

(A) मणिकतला (B) रंगपुर

(C) मुजफ्फरपुर (D) मिदनापुर

उत्तर–(B)

व्याख्या–वर्ष 1906 में प्रथम स्वदेशी डकैती या लूट रंगपुर नामक स्थान पर हुई थी। काकोरी लूट 9 अगस्त 1925 को लखनऊ के निकट काकोरी नामक स्टेशन पर सरकारी खजाना लूटा गया था। चटगांव आर्मरी रेड (चटगांव शस्त्रागार लूट) की घटना 18 अप्रैल, 1930 को हुई थी।

48. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दी गई सूची में दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I	**सूची-II**
(a) पंजाब भूमि एलिनिएशन अधिनियम	(i) 1900
(b) केंद्रीय प्रांत भूमि एलिनिएशन अधिनियम	(ii) 1879
(c) उत्तर पश्चिम प्रांतीय भूमि एलिनिएशन अधिनियम	(iii) 1904
(d) दक्खन कृषि राहत अधिनियम	(iv) 1916

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

उत्तर–(A)

व्याख्या–सही सुमेलन निम्न है-

सूची-I	**सूची-II**
पंजाब भूमि एलिनिएशन अधिनियम	-1900 ई.
केंद्रीय प्रांत भूमि एलिनिएशन अधिनियम	-1904 ई.
उत्तर पश्चिम प्रांतीय भूमि एलिनिएशन अधिनियम	-1916 ई.
दक्खन कृषि राहत अधिनियम	-1879 ई.

49. निम्नलिखित भारतीय विद्याशास्त्रियों को उनके कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिये गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(i) विलियम जोन्स

(ii) एलेक्जेण्डर कनिंघम

(iii) जेम्स बर्गेस

(iv) जेम्स फर्गूसन

(A) (i) (ii) (iv) (iii)

(B) (iv) (i) (ii) (iii)

(C) (i) (iv) (iii) (ii)

(D) (ii) (iv) (i) (iii)

उत्तर–(*)

व्याख्या– प्राच्यवादी शिक्षाशास्त्रियों का व्यवस्थित कालानुक्रम इस प्रकार है-

1. विलियम जोन्स (1746-1791 ई.) - 1783 में बंगाल उच्च न्यायालय के न्यायधीश के रूप में भारत आये। इन्होंने 1784 में 'एशियाटिक शोसाइटी ऑफ बंगाल' की स्थापना की थी।
2. जेम्स फर्गूसन (1808-1866 ई.) - 1829 से 1847 के मध्य भारत में शैलकृत स्मारकों का व्यापक सर्वेक्षण किया था। 'द रॉक-कट टेम्पल्स ऑफ इंडिया' नामक पुस्तक में प्रथम बार भारतीय वास्तुकला पर उनकी टिप्पणी 1845 में प्रकाशित हुई।
3. एलेक्जेंडर कनिंघम (1814-1893 ई.) सर्वप्रथम 1833 में एक सैन्य शिक्षार्थी के रूप में भारत आये थे। वे 1861 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के प्रथम महानिदेशक बने।
4. जेम्स बर्गेस (1832-1916 ई.) 1856 में कलकत्ता और 1861 में बम्बई में शैक्षणिक कार्य किया तथा 1868-73 के दौरान बॉम्बे ज्योग्राफिकल सोसाइटी के सचिव रहें। उन्हें 1886 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग का महानिदेशक नियुक्त किया गया था।

नोटः- आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (c) दिया है जो की गलत है।।

50. सूची-I (प्रारम्भकर्ता/लेखक) को सूची-II (पत्रिका/पुस्तक) से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (प्रारम्भकर्ता/लेखक)	सूची-II (पत्रिका/पुस्तक)
(a) विलियम जोन्स	(i) इण्डियन एन्टीक्वैरी
(b) जेम्स फर्गूसन	(ii) द स्तूप ऑफ भरहूत
(c) एलेक्जेन्डर कनिंघम	(iii) एशियाटिक रिसर्चेज
(d) जेम्स बर्गेस	(iv) आर्कियोलॉजी इन इण्डिया

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(D)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

उत्तर–(A)

व्याख्या– सुमेलित सूची इस प्रकार है-

सूची-I (प्रारम्भकर्ता/लेखक)	सूची-II (पत्रिका/पुस्तक)
विलियम जोन्स	–एशियाटिक रिसर्चेज
जेम्स फर्गूसन	–आर्कियोलॉजी इन इण्डिया
एलेक्जेन्डर कनिंघम	–द स्तूप ऑफ भरहूत
जेम्स बर्गेस	–इण्डियन एन्टीक्वैरी

51. मद्रास से प्रकाशित किए गए प्रथम अंग्रेजी सांध्य दैनिक समाचार-पत्र का नाम था–

(A) द मद्रास मेल (B) द मद्रास क्रॉनिकल
(C) द मद्रास हेराल्ड (D) द मद्रास स्टेंडर्ड

उत्तर–(A)

व्याख्या–मद्रास से प्रकाशित किये गये प्रथम अंग्रेजी साध्य दैनिक समाचार पत्र का नाम–द मद्रास मेल था। मद्रास मेल के सम्पादक–रार्बट नाइट थे विदित है कि नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र (अंग्रेजी) का सम्पादन प0 नेहरू ने 1938 में दिल्ली से शुरू किया था।

52. ''यह न भूलें कि निम्न वर्गों, उपेक्षितों, गरीबों, अशिक्षितों, मोची, सफाईकर्मी में भी आपकी भांति रक्त और मांस है, वे आपके भाई हैं।'' ये शब्द किसने कहे थे?

(A) ज्योतिबा फूले (B) महात्मा गांधी
(C) बी.आर. अंबेडकर (D) स्वामी विवेकानन्द

उत्तर–(D)

व्याख्या–स्वामी विवेकानन्द (1863-1902) ने कहा था–कि यह न भूलें कि निम्न वर्गों, उपेक्षितों, गरीबो, अशिक्षितों, मोची, सफाईकर्मी में भी आप की भांति रक्त और मांस है, वे आपके भाई है। ध्यातव्य है कि विवेकानन्द जी ने सन् 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म सभा में हिन्दू धर्म का प्रतिनिधित्व किया था।

53. ''1857 का विद्रोह एक आंदोलन नहीं था.....ये कई आंदोलन थे।'' उपर्युक्त कथन निम्नलिखित में से किसका था?

(A) एस.एन. सेन (B) आर.सी. मजुमदार
(C) सी.ए. बेली (D) इरिक स्टोक्स

उत्तर–(C)

व्याख्या–सी.ए. बेली ने 1857 की क्रान्ति के सन्दर्भ में कहा था–'1857 का विद्रोह एक आन्दोलन नहीं था.....ये कई आन्दोलन थे।' जबकि वी.डी. सावरकर जी ने 1857 की क्रान्ति को प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम कहा था।

54. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे सूची में दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I	सूची-II
(a) नारायण गुरु	(i) राइजिंग सन
(b) त्रिपुरानैनी रामस्वामी चौधरी	(ii) जाति मीमांसा
(c) वेंकटरायलु नायडू	(iii) शंबूक वध
(d) श्रीधरूला नायडू	(iv) वेद समाज

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(D)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

उत्तर–(B)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I		सूची-II
नारायण गुरु	—	जाति मीमांसा
त्रिपुरानैनी रामस्वामी चौधरी	—	शंबूक वध
वेंकटरायलू नायडू	—	राइजिंग सन
श्री धरलु नायडू	—	वेद समाज

55. निम्नलिखित आंदोलनों के कालक्रम के बारे में नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(i) कूका आंदोलन (ii) वहाबी आंदोलन
(iii) मुंडा विद्रोह (iv) मोपला किसान विद्रोह

कूट :

(A)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(B)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(C)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(D)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

उत्तर–(A)

व्याख्या–1820-70 के मध्य अब्दुल वहाब के नेतृत्व में होने वाला वहाबी आन्दोलन मुख्यतया मुस्लिम सुधारवादी आन्दोलन था। सिख धर्म में व्याप्त कुरीतियों के विरोध में भगत जवाहरमल के नेतृत्व में 1860-70 के मध्य पश्चिमी पंजाब में कूका आन्दोलन चलाया गया। 1893-1900 के मध्य बिरसा मुंडा के नेतृत्व में होने वाला मुंडा विद्रोह सर्वाधिक चर्चित आदिवासी विद्रोह था। केरल के मालाबार क्षेत्र में खिलाफत नेता अली मुसलियार के नेतृत्व में होने वाला मोपला विद्रोह (1921) ने बाद में साम्प्रदायिक रुप ले लिया।

56. पारित अधिनियमों के कालक्रम के बारे में नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(i) ब्रह्मो विवाह अधिनियम
(ii) शारदा अधिनियम
(iii) हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम
(iv) एज ऑफ कंसेंट बिल

कूट :

(A) (i) (iii) (iv) (ii)
(B) (iii) (i) (ii) (iv)
(C) (iv) (i) (iii) (ii)
(D) (iii) (i) (iv) (ii)

उत्तर–(D)

व्याख्या–विभिन्न सुधार अधिनियम और उनके पारित करने का वर्ष निम्नवत है–

हिन्दू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम	–	1856 ई.
ब्रह्मो विवाह अधिनियम/नेटिव मैरिज एक्ट	–	1872 ई.
एज आफ कसेंट बिल	–	1891 ई.
शारदा अधिनियम	–	1929 ई.

57. निम्नलिखित में से कौन-सा कांग्रेसी नेता भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के किसी अधिवेशन का सभापति नहीं था?

(A) सुरेंद्र नाथ बैनर्जी (B) गोपाल कृष्ण गोखले
(C) बाल गंगाधर तिलक (D) महात्मा गांधी

उत्तर–(C)

व्याख्या–भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना दिसंबर 1885 में ए.ओ. ह्यूम द्वारा की गई थी। कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन की अध्यक्षता डब्लू.सी. बनर्जी ने की थी। गोपाल कृष्ण गोखले ने 1905 तथा गांधी जी ने 1924 में कांग्रेस की अध्यक्षता की थी। बी.जी. तिलक ने कांग्रेस के किसी भी अधिवेशन की अध्यक्षता नहीं किया था।

58. वेवल योजना का ठोस परिणाम था–

(A) संविधान सभा का गठन
(B) धीरे-धीरे भारत को पूर्ण स्वतंत्रता
(C) उत्तर-पश्चिम प्रांत में जनमत-संग्रह
(D) शिमला सम्मेलन बुलाया जाना

उत्तर–(D)

व्याख्या–C.R. फार्मूला पर आधारित गांधी-जिन्नावार्ता के असफल होने के बाद तत्कालीन गवर्नर जनरल लार्ड वेवल ने संवैधानिक गतिरोध को दूर करने के लिए जून 1945 में वेवल योजना प्रस्तुत की। जिसका ठोस परिणाम शिमला सम्मेलन बुलाया जाना था।

59. भर्ती और चयन की विधि के मुद्दे पर विचार करने के लिए वर्ष 1974 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नलिखित में से कौन-सी समिति नियुक्त की गई थी?

(A) भगवती समिति (B) डी.एस. कोठारी समिति
(C) ए.डी. गोरवाला समिति (D) संथानम समिति

उत्तर–(B)

व्याख्या–भर्ती एवं चयन की विधि के मुद्दे पर विचार करने के लिए 1974 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा डी.एस. कोठारी समिति की नियुक्ति की गयी थी। इस समिति ने वर्ष 1976 ई. में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी।

60. उस अंग्रेज अधिकारी का नाम बताएं, जिसने चन्द्रगिरि के शासक से वर्ष 1639 में मद्रास को पट्टे पर लिया था–

(A) सर टॉमस रो (B) फ्रांसिस डे
(C) सर जॉर्ज ऑक्विंसडन (D) सर जॉन चाइल्ड

उत्तर–(B)

व्याख्या–फ्रांसिस-डे नामक अंग्रेज अधिकारी ने चन्द्रगिरि के शासक से वर्ष 1639 में मद्रास को पट्टे पर लिया था। उसने यहाँ किलाबन्द कोठी बनायी जिसका नाम फोर्ट सेन्ट जार्ज रखा गया। ज्ञातव्य है कि अंग्रेजों ने 1611 में द.भारत में अपनी पहली फैक्ट्री मछलीपट्टनम में स्थापित की थी।

61. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I	**सूची-II**
(a) द्वितीय कर्नाटक युद्ध	(i) पेरिस की सन्धि
(b) तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध	(ii) एक्सा शेवल
(c) द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध	(iii) श्रीरंगपट्नटम की सन्धि
(d) तृतीय कर्नाटक-युद्ध	(iv) बेसिन की सन्धि

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

उत्तर–(*)

व्याख्या–सुमेलित सूची इस प्रकार है–

	सूची-I (युद्ध)	**सूची-II (संधि)**
1	प्रथम कर्नाटक युद्ध (1746-48 ई.)	ए ला शापल (एक्सा शेवल) संधि (1748 ई.)
2	द्वितीय कर्नाटक युद्ध (1749-54 ई.)	पाण्डिचेरि की संधि (1775 ई.)
3	तृतीय आग्ल-मैसूर युद्ध (1790-92 ई.)	श्री रंगपट्टनम की संधि (1792 ई.)
4	द्वितीय आग्ल मराठा युद्ध (1803-05 ई.)	बेसीन की संधि (1802 ई.)
5	तृतीय कर्नाटक युद्ध (1756-1763 ई.)	पेरिस की संधि (1763 ई.)

नोटः- UGC ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (d) दिया है जो कि गलत है।

62. धर्म सुधार आंदोलन का 'मॉर्निंग स्टार' किसे कहा जाता है?

(A) मार्टिन लूथर (B) जॉन कैल्विन
(C) जिंग्ली (D) जॉन विक्लिफ

उत्तर–(D)

व्याख्या–धर्म सुधार आन्दोलन का मॉर्निंग स्टार (प्रातः कालीन तारा) जॉन विक्लिफ को कहा जाता है। इसके अनुयायी लोलार्डस कहलाते थे। जबकि मार्टिन लूथर को धर्म सुधार आन्दोलन का प्रवर्तक कहा जाता है। इसने बाइबिल का अनुवाद जर्मन भाषा में किया।

63. 'कोल्ड वार' शब्द का प्रयोग सबसे पहले किसने किया था?

(A) विन्सटन चर्चिल (B) बर्नार्ड बारुच
(C) मार्शल (D) स्ट्रेशमैन

उत्तर–(*)

व्याख्या–'कोल्ड वार' शब्द का पहली बार प्रयोग अंग्रेजी लेखक जॉर्ज आरवेल ने 1945 में प्रकाशित अपने एक लेख में किया था, लेकिन शीत युद्ध शब्द मूलतः अमेरिकी शब्द है जिसका प्रयोग पहली बार अमेरिका राजनेता बर्नार्ड बारुच ने किया था। उन्होंने कहा था ''हमें धोखे में नहीं रहना चाहिए आज हम शीत युद्ध के मध्य में खड़े हैं।'' इस शब्द को वाल्टर लिपमेन ने आगे बढ़ाया। शीत युद्ध द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ एवं उसके आश्रित देशों और U.S.A एवं उसके सहयोगी देशों के बीच हुए भू-राजनीतिक तनाव की अवधि (1945-1991) को कहा जाता है। शीत शब्द का प्रयोग इसलिए किया गया क्योंकि यह एक वाक युद्ध था।

नोट-U.G.C. ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (A) माना है। जो कि गलत है।

64. 1990 में 26 वर्ष बाद जेल से रिहा होने के समय अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस में नेल्सन मंडेला किस पद पर थे?

(A) प्रेसीडेंट (B) वाइस-प्रेसीडेंट
(C) सेक्रेटरी (D) एडवाइजर

उत्तर–(B)

व्याख्या–1990 में 26 वर्ष बाद जेल से रिहा होने के समय अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस में नेल्सन मंडेला वाइस प्रेसीडेंट के पद पर नियुक्त हुए थे। ध्यातव्य है कि नेल्सन मंडेला गाँधीवादी विचारधारा से प्रभावित थे।

65. मार्शल योजना क्या थी?

(A) सैनिक शक्ति द्वारा यूरोपीय शक्ति पर नियंत्रण।
(B) यूरोप पर अमरीकी तानाशाही का प्रभाव।
(C) साम्यवाद को नियंत्रित करने के लिए अमेरिका का आर्थिक पैकेज।
(D) अमेरिका महाद्वीप केवल अमेरीकियों के लिए है।

उत्तर–(C)

व्याख्या–मार्शल प्लान पश्चिमी यूरोप में साम्यवाद के बढ़ते प्रसार को नियंत्रित करने के लिए अमेरिका द्वारा पश्चिमी यूरोप को प्रदान किया जाने वाला एक आर्थिक पैकेज था। यह योजना 1948 में लागू किया गया। इस समय अमेरिकी राष्ट्रपति हेनरी एस. ट्रूमैन थे। जॉर्ज मार्शल उस समय अमेरिका के विदेश मंत्री थे।

निर्देश : निम्नलिखित गद्यांश को सावधानी से पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए : (प्र. संख्या 66 से 70 तक)

ऐतिहासिक समझ के लिए कारणता का सिद्धांत इतना मूलभूत महत्व रखता है कि ई.एच. कार ने जी.एम. ट्रेविलयान भाषण (1961) में कहा कि इतिहास का अध्ययन कारणों का अध्ययन है। परंतु उत्तर आधुनिकतावादी विचारक ऐतिहासिक कारणता पर भिन्न विचार रखते हैं। जॉन विन्सेंट का विचार है कि कारणता की खोज बंद होनी चाहिए क्योंकि यह व्यर्थ है और हमें व्याख्या पर ध्यान देना चाहिए। 1976 में लिखते हुए थियोडोर जेल्डिन ने विचार किया है कि कारणता और तिथिक्रम इतिहासकारों के लिए दो उत्पीड़क हैं। हेडेन व्हाइट ने कारणता पर आक्रमण करते हुए लिखा है कि यह वर्तमान में मानव क्रियाकलापों की स्वतंत्रता तथा भविष्य पर नियंत्रण से वंचित करता है और कारणता की चाल में फसाता है। क्योंकि कारण समय पर निर्भर करता है, अतः कुछ उत्तर आधुनिकतावादी परवर्ती विचारों का विरोध करते हैं। किसी घटना का कारण समयानुसार हमारे समक्ष आना चाहिए। परंतु उत्तर आधुनिकतावादी इतिहासकार और दार्शनिक ऐंकर स्मिट कहते हैं ''ऐतिहासिक समय आधुनिक पश्चिमी सभ्यता की उपज है,'' और घोषित करते हैं कि समय के सिद्धांत पर ऐतिहासिक वर्णन को आधारित करना कमजोर नींव पर भवन का निर्माण करना है। उत्तर आधुनिकतावादियों का विचार है कि इतिहास-लेखन में समय के विचार को त्याग देना चाहए।

रिचर्ड इवान्स ने दिखाया है कि कैसे उत्तर आधुनिक विचार इस मान्यता का विरोधी है कि इतिहास समय-काल का विरोधी है। उत्तर आधुनिकतावादी वक्तव्य का ऐतिहासिक समय अतीत का विषय है, यह स्वयं समय के ऐतिहासिक विचारधारा का प्रयोग करता है। समय की विचारधारा एक शक्तिशाली सिद्धांत और विश्व के समस्त मनुष्यों के लिए प्रतिदिन के अनुभव का विषय है। समय स्वयं में बिना किसी सीमा के होना चाहिए, परंतु मानव जीवन के परिप्रेक्ष्य में यह व्यतीत होता रहता है और इसकी सीमाएं हैं।

66. ई.एच.कार का कार्यकारण संबंध के विषय में क्या विचार है?

(A) कार्यकारण संबंध के बिना इतिहास को नहीं समझा जा सकता है।
(B) इतिहास देश और काल पर निर्भर करता है।
(C) यह प्रतिदिन व्यक्तिगत अनुभव का विषय है कि हम किसी घटना के आधार के संबंध में पूछताछ करते हैं।
(D) कारणता को संपूर्णता में लेना चाहिए।

उत्तर–(A)

व्याख्या–ई.एच.कार का कार्यकारण सम्बन्ध के विषय में यह विचार है कि कार्यकारण सम्बन्ध के बिना इतिहास को नहीं समझा जा सकता। ई.एच. कार ने ही कहा था कि इतिहास का अध्ययन कारणों का अध्ययन है।

67. उत्तर आधुनिकतावादी ऐतिहासिक कारणता के संबंध में क्या विचार रखते हैं?

(A) इसकी खोज करना व्यर्थ है।
(B) यह इतिहासकार को सीमा में बांधता है।
(C) कार्यकारण संबंधों से अधिक आवश्यक व्याख्या है।
(D) इस संबंध में अनेक विचारधाराएं हैं।

उत्तर–(D)

व्याख्या–उत्तर आधुनिकतावादी ऐतिहासिकता के सम्बन्ध में अनेक विचार धाराएं है। कुछ उत्तर आधुनिकतावादी परवर्ती विचारों का विरोध करते हैं जबकि कुछ का मानना है कि ऐतिहासिकता का समय आधुनिक पश्चिमी सभ्यता है।

68. उत्तर आधुनिकतावादियों में समय की विचारधारा कौन सी नहीं है?

(A) इतिहास की व्याख्या में इसका अध्ययन नहीं किया जाना चाहिए।
(B) यह इस सिद्धांत पर बल देता है कि घटनाओं की व्याख्याओं को महत्त्व दिया जाना चाहिए।
(C) समय का संबंध अतीत से है।
(D) समय के तथ्य पर विद्वानों ने विचार नहीं किया है।

उत्तर–(D)

व्याख्या–उत्तर आधुनिकतावादियों ने समय के तथ्य पर विचार नहीं किया है। उनका मानना है कि इतिहास लेखन में समय के विचार को त्याग देना चाहिए।

69. निम्नलिखित में से किसने यह लिखा है कि कार्यकारण संबंध इतिहास के लिए बाधक है?

(A) रिचर्ड इवान्स
(B) ऐंकरस्मिट
(C) ई.एच. कार
(D) थियोडोर जेल्डिन

उत्तर–(D)

व्याख्या–थियोडोर जेल्डिन ने यह लिखा कि कार्यकरण सम्बन्ध इतिहास के लिए बाधक है। इन्होंने 1976 में लिखा कि कारणतः और तिथिक्रम इतिहासकारों के लिए दो उत्पीड़क है।

70. निम्नलिखित में से किसने कहा है कि समय के संबंध में वर्णनात्मक इतिहास-लेखन एक कमजोर नींव पर भवन निर्माण करने के समान है।

(A) ऐंकरस्मिट
(B) थिंयोडोर जेल्डिन
(C) रिचर्ड इवान्स
(D) ई.एच.कार

उत्तर–(A)

व्याख्या–ऐंकरस्मिट ने कहा है कि समय के सम्बन्ध में वर्णनात्मक इतिहास लेखन एक कमजोर नींव पर भवन निर्माण करने के समान है। इन्होंने ही कहा था कि ''ऐतिहासिक समय पश्चिमी सभ्यता की उपज है।''

71. सूची-I (पुरातात्विक स्थल) को सूची-II (पहचान) से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (पुरातात्विक स्थल)	**सूची-II (पहचान)**
(a) बागोर	(i) मध्य प्रदेश का ताम्र-पाषाणिक स्थल
(b) ब्रह्मगिरि	(ii) कर्नाटक का महापाषाणिक स्थल
(c) माहेश्वर	(iii) राजस्थान का मध्य-पाषाणिक स्थल
(d) टेक्कलकोटा	(iv) कर्नाटक का नव-पाषाणिक स्थल

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(B)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(C)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर–(B)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I (पुरातात्विक स्थल)		**सूची- I (पहचान)**
(a) बागोर	–	राजस्थान का मध्य-पाषाणिक स्थल
(b) ब्रह्मगिरि	–	कर्नाटक का महापाषाणिक स्थल
(c) माहेश्वर	–	मध्य प्रदेश का ताम्र-पाषाणिक स्थल
(d) टेक्कलकोटा	–	कर्नाटक का नव-पाषाणिक स्थल

72. किस आद्य-ऐतिहासिक स्थल से मोटे रेशम के धागे का प्रमाण मिला है?

(A) आहाड़ (B) इनामगांव
(C) नवदाटोली (D) नेवासा

उत्तर–(D)

व्याख्या–आद्य-ऐतिहासिक स्थल नेवासा से मोटे रेशम के धागे का प्रमाण मिला है। नेवासा स्थल महाराष्ट्र राज्य में है। जबकि अनाज (गेहूँ , धान, दाल) के साक्ष्य नवदाटोली से मिले हैं। ध्यातव्य है कि इनामगांव से कुम्भकार, धातुकार, चूना बनाने वाले, मिट्टी की मूर्ति बनाने वाले कारीगर के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

73. 'शुद्ध रक्त आर्य सिद्धांत' निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

(A) फांसीवाद (B) शून्यवाद
(C) सिंडिकेलिज्म (D) नाजीवाद

उत्तर–(D)

व्याख्या–शुद्ध रक्त आर्य सिद्धांत का संबंध नाजीवाद से है। नाजीवाद जर्मनी में एक विचारधारा थी जिसका प्रतिपादक रूडोल्फ हिटलर था। फांसीवाद का संबंध इटली से था जिसका प्रतिपादक मुसोलिनी था। ये दोनों अतिवाद से प्रेरित विचारधारा थी।

74. निम्नलिखित में से किसने स्पष्टतया कहा है कि ''इतिहास के समस्त निष्कर्ष युक्तिसंगत साक्ष्यों पर आधारित होते हैं?''

(A) हेरोडोटस (B) थ्यूसिडाइडीज
(C) पॉलिबियस (D) टैसिटस

उत्तर–(B)

व्याख्या–थ्यूसिडाइडीज ने स्पष्टतः यह कहा है कि इतिहास के समस्त निष्कर्ष युक्ति संगत साक्ष्यों पर आधारित होते हैं। विदित है कि हेरोडोटस को इतिहास का पिता कहा जाता है।

75. निम्नलिखित कृतियों में से कौन-सी कृति के लेखक लियोपॉल वोन राके नहीं थे?

(A) हिस्ट्री ऑफ रोम
(B) हिस्ट्री ऑफ फ्रांस
(C) हिस्ट्री ऑफ पोप्स
(D) जर्मन हिस्ट्री एट द टाइम ऑफ रिफारमेशन

उत्तर–(A)

व्याख्या–हिस्ट्री ऑफ फ्रांस, हिस्ट्री ऑफ पोप्स और जर्मन हिस्ट्री एट द टाइम ऑफ रिफार्मेशन नामक कृति लियोपॉल वोन राके की है। जबकि हिस्ट्री ऑफ रोम के लेखक थियोडोर मॉमसेन हैं।

यू.जी.सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर, 2012

इतिहास

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : $1^1/_4$ घंटा] [पूर्णाङ्क : 100

नोट – इस प्रश्न पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के दो अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए –

सूची-I	सूची-II
(a) अलबरूनी	(i) मेक्रंडल
(b) मेगस्थनीज	(ii) बील
(c) फेक्सियान	(iii) लेगे
(d) जुआनजांग	(iv) सचाऊ

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(d)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

उत्तर – (a)

व्याख्या – सही सुमेल है –

सूची-I (लेखक)	सूची-II (अनुवादक)
(a) अलबरूनी	(I) सचाऊ (किताब-उल-हिन्द का अनुवादक)
(b) मेगस्थनीज	(II) मेक्रंडल (इण्डिका का अनुवादक)
(c) फेक्सियान (फाहयान)	(III) लेगे (फोक्योकी का अनुवादक)
(d) जुआनजांग (हेवनसांग)	(IV) बील (सी-यू-की का अनुवादक)

2. विजयनगर राज्य ने 'आद्य आनुवंशिकता' को प्रदर्शित किया। इस विचार को किसने अभिव्यक्त किया?

(a) एन. करशीमा (b) बर्टन स्टाइन
(c) के. ए. नीलकांत शास्त्री (d) बी. ए. सालीतोर

उत्तर– (b)

व्याख्या- बर्टन स्टाइन ने विजयनगर राज्य के विषय में कहा है कि विजयनगर साम्राज्य एक युद्ध राज्य था जिसने ''आद्य आनुवंशिकता' को प्रदर्शित किया है। बर्टन स्टाइन एक अमेरिकी इतिहासकार थे। उन्होंने अपनी पी.एच.डी. दक्षिण भारत के मध्यकालीन तिरुपति मंदिर के आर्थिक कार्यों पर 1957 में शोध कार्य किया। स्टाइन की पुस्तक विजयनगर : द न्य कैम्ब्रिज हिस्ट्री आफ इण्डिया में विजयनगर इतिहास की जानकारी मिलती है।

3. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए –

सूची-I (पुस्तक)	सूची-II (लेखक)
(a) गुलशन-ए-इब्राहीमी	(i) गुलाम मुर्तजा
(b) बसातीन उस्सलातीन	(ii) फुजुनी अस्तराबादी
(c) फुतुहात-ए-आदिलशाही	(iii) भीमसेन
(d) नुस्खा-ए-दिलकुशा	(iv) मुहम्मद कासिम फरिश्ता

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर – (d)

व्याख्या – सही सुमेल है –

सूची-I (पुस्तक)	सूची-II (लेखक)
(a) गुलशन-ए-इब्राहिमी	(I) मुहम्मद कासिम फरिश्ता
(b) बसातीन उस्सलातीन	(II) गुलाम मुर्तजा
(c) फुतुहात-ए-आदिलशाही	(III) फुजुनी अस्तराबादी
(d) नुस्खा-ए-दिलकुशा	(IV) भीमसेन

4. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए –

सूची-I	सूची-II
(a) ऋग्वेद	(i) कण्व
(b) यजुर्वेद	(ii) राणायनीय
(c) सामवेद	(iii) पिप्पलाद
(d) अथर्ववेद	(iv) शाकल

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर – (c)

व्याख्या – सही सुमेल है –

सूची-I	सूची-II
(a) ऋग्वेद	(I) शाकल
(b) यजुर्वेद	(II) कण्व
(c) सामवेद	(III) राणायनीय
(d) अथर्ववेद	(IV) पिप्पलाद

5. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थल परिपक्व हड़प्पीय स्थल से सम्बद्ध नहीं है?

(a) धालेवान (b) लखमीरवाला
(c) सुरकोटदा (d) सरायखोला

उत्तर – (d)

व्याख्या – सरायखोला पंजाब (पाकिस्तान) में स्थित प्राक् हड़प्पा स्थल है। अन्य प्राक्हड़प्पा स्थल- शोर्तुघई, मुण्डिगाक, कालींबगा, राखागढ़ी, धौलावीरा, बनावली, सिसवाल, बालू, भीराना आदि है। लखमीरवाला भारतीय पंजाब के मनसा जिले में स्थित है। धालेवान, कालीबंगा, राखीगढ़ी जैसे विकसित हड़प्पा स्थल सरस्वती घाटी क्षेत्र (हरियाणा) में बसे हुए थे। सुरकोटदा (गुजरात) की खोज 1964 में जगपति जोशी ने की थी। यहाँ से घोड़े की अस्थियाँ प्राप्त हुई है।

6. वर्तमान में राजा अशोक की खण्डित उद्भृत प्रतिमा कहाँ से मिली है?

(a) कर्नाटक में कनगनहल्ली (b) उत्तर प्रदेश में महास्थान
(c) बिहार में कुमराहार (d) कर्नाटक में निट्टूर

उत्तर – (a)

व्याख्या–कर्नाटक के कनगनहल्ली नामक स्थान पर अशोक की खण्डित अवस्था में प्रतिमा मिली है। के.पी. पुनाचा को यहाँ से चूना पत्थर से अलंकृत स्लैब, रेलिंग स्तम्भयुक्त 'स्तूप' प्राप्त हुए है। इसे महाचैत्य नाम दिया गया है। इसके अतिरिक्त ब्राह्मी लिपि में 'रान्यो अशोक' अंकित प्रस्तर प्रतिमा प्राप्त हुई है। मास्की, गुर्जरा, निट्टूर तथा उडेगोलम् के लेखों में अशोक का व्यक्तिगत नाम भी मिलता है।

7. बुद्ध के समकालीन धार्मिक सम्प्रदायों का उल्लेख किस बौद्ध साहित्य में प्राप्त होता है?

(a) अम्बट्ठ सुत्त (b) महावंश
(c) भद्दशाल जातक (d) ब्रह्मजाल सुत्त

उत्तर – (d)

व्याख्या – बौद्धग्रंथ ब्रह्मजाल सुत्त (दीघ निकाय का भाग) में महात्मा बुद्ध के समकालीन 62 दार्शनिक मतवादों अथवा धार्मिक सम्प्रदायों का उल्लेख प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त जैन ग्रंथ सूत्रकृतांग में 363 सम्प्रदायों का उल्लेख मिलता है।

8. निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रंथ संगम साहित्य का 'संग्रह-ग्रंथ' नहीं है?

(a) इत्तुतोके (b) तिरुक्कुरल
(c) पत्तुपात्तु (d) अहिनानुरू

उत्तर – (b)

व्याख्या – इत्तुतोके, पत्तुपात्तु और अहिनानूरू तृतीय संगम से संबंधित ग्रंथ है जबकि तिरुक्कुरल का लेखक तिरुवल्लुवर है जिसने अपने ग्रंथ की रचना अपने मित्र और श्रीलंका नरेश इलल के पुत्र को शिक्षित करने के लिए किया था। इत्तुतोके मूलतः तीसरे संगम के आठ गीतों का संग्रह ग्रंथ है, पत्तुपात्तु चेर शासकों से संबंधित है तथा अहिनानूरू में पाण्ड्य शासकों का वर्णन है। इसमें नन्द तथा मौर्यो का उल्लेख है।

9. नीचे दो वाक्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (B) कहा गया है।

कथन (A) : 750 ईस्वी से लेकर 1200 ईस्वी के बीच उत्तर भारत में एक नई राजनीतिक-सामाजिक-आर्थिक संरचना का उदय और पूर्ण विकास देखा गया।

कारण (R) : इस नई व्यवस्था को 'सामंतवाद' के रूप में वर्णित करने में सभी इतिहासकार एकमत हैं।

उपर्युक्त कथनों के अध्ययन उपरांत निम्न कूट में से सही उत्तर का चयन करें –

(a) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है।
(b) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर – (a)

व्याख्या – 750 ई. से लेकर 1200 ई. के बीच उत्तर भारत सामाजिक राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तनों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस समय का सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तन, जिसने समाज के सभी पक्षों को प्रभावित किया है, वह है सामंतवाद। अधिकत्तर इतिहासकार इस नई व्यवस्था को सामंतवाद के रूप में वर्णित करते है यद्यपि कुछ इतिहासकार इस पर एक मत नहीं है। अतः A सही है, किन्तु R गलत है।

10. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए –

(a) अश्वघोष (i) कुमारपाल चरित
(b) भास (ii) मुद्राराक्षस
(c) विशाखदत्त (iii) बालचरित
(d) हेमचन्द (iv) बुद्धचरित

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
d)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

उत्तर – (b)

व्याख्या – सही सुमेल इस प्रकार है –

सूची-I	सूची-II
(a) अश्वघोष	(I) बुद्धचरित
(b) भास	(II) बालचरित
(c) विशाखदत्त	(III) मुद्राराक्षस
(d) हेमचन्द	(IV) कुमारपाल चरित

11. निम्नलिखित नन्द राजाओं को तिथिक्रमानुसार क्रम से लिखें और दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनें –

(a) गोविशंक (b) पण्डुक
(c) उग्रसेन (d) धन

कूट :

(a)	(a)	(a)	(c)	(c)
(b)	(c)	(b)	(a)	(d)
(c)	(a)	(b)	(c)	(d)
(d)	(b)	(c)	(d)	(a)

उत्तर – (b)

व्याख्या – नन्द वंश में कुल 9 राजा हुए और इसी कारण इसे नवनन्द कहा जाता है। महाबोधिवंश में उनके नाम इस प्रकार मिलते हैं – उग्रसेन (महापदमनन्द), पण्डुक, पण्डुगति, भूतपाल, राष्ट्रपाल, गोविषाणक (गोविशंक), (गोविशनक) दाससिद्धक, कैवर्त, धन। नंद वंश का अंतिम शासक घनानन्द (धन) था, जिसे चंद्रगुप्त मौर्य ने पराजित किया था।

12. निम्नलिखित में से गलत कथन का चयन कीजिए :

(a) कुमारगुप्त के काल में हूण आक्रमण हुआ।
(b) प्रथम हूण शासक तोरमाण पश्चिमी भारत और एरण के आसपास का मध्य भारत जीतने में सफल रहा।
(c) तोरमाण ने जैन धर्म अपनाया था।
(d) मिहिरकुल श्रीलंका जीतने में सफल रहा।

उत्तर – (*)

व्याख्या – हूण मध्य एशिया के निवासी थे। हूणों का प्रथम आक्रमण गुप्त शासक स्कन्दगुप्त के समय में खुशनेवाज द्वारा 455-56 ई. में किया गया। स्कन्दगुप्त के भितरी तथा जूनागढ़ अभिलेखों से पता चलता है कि वह स्कन्दगुप्त द्वारा पराजित हुआ। हूणों का दूसरा आक्रमण तोरमाण के नेतृत्व में हुआ, यह पहला हूण आक्रमणकारी था जिसने भारत में अपना राज्य स्थापित किया उसने 500 ई. के लगभग पश्चिमी भारत पर कब्जा कर मालवा (एरण) में स्वतंत्र सत्ता की स्थापना की। उसकी ताम्र मुद्राएँ पंजाब तथा उत्तर प्रदेश से प्राप्त होती है। वराह प्रतिमा लेख (एरण) में उसे महाराजाधिराज तोरमाण कहा गया है। तोरमाण बौद्ध धर्म का अनुयायी था। मिहिरकुल तोरमाण का पुत्र था। ग्वालियर के लेख में मिहिरकुल को 'महान पराक्रमी तथा पृथ्वी का स्वामी' कहा गया है। मालवा के शासक यशोधर्मन ने मिहिरकुल को पराजित किया।

नोट-U.G.C. ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (a), (c), (d) माना है।

13. निम्न नामों को तिथिक्रमानुसार क्रम में लगाते हुए दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें –

(a) यशोमति (b) पुष्यभूति
(c) नरवर्द्धन (d) राज्यश्री

कूट :

(a)	(c)	(b)	(d)	(a)
(b)	(b)	(c)	(a)	(d)
(c)	(b)	(a)	(c)	(d)
(d)	(a)	(d)	(c)	(b)

उत्तर – (b)

व्याख्या – सही क्रम निम्नवत् है-

पुष्यभूति → नरवर्द्धन → यशोमति → राज्यश्री

14. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए –

सूची-I	सूची-II
(a) पल्लव वंश	(i) लिंगराज मंदिर
(b) सोमवंश	(ii) वेदनारायण मंदिर
(c) चालुक्य वंश	(iii) मुक्तेश्वर मंदिर
(d) चोल वंश	(iv) लाड खां मंदिर

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(a)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर – (a)

व्याख्या – सही सुमेलन इस प्रकार है –

सूची-I	सूची-II
(a) पल्लव वंश	(I) मुक्तेश्वर मंदिर
(b) सोमवंश	(II) लिंगराज मंदिर
(c) चालुक्य वंश	(III) लाड़ खाँ मंदिर
(d) चोल वंश	(IV) वेदनारायण मंदिर

15. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए –

सूची-I (संस्थापक)	सूची-II (मत)
(a) भण्डारकर	(i) राजपूतों की क्षत्रिय उत्पत्ति
(b) चन्दबरदाई	(ii) राजपूतों की विदेशी उत्पत्ति
(c) कर्नल टॉड	(iii) अग्निकुंड से राजपूत उत्पत्ति
(d) गौरीशंकर ओझा	(iv) राजपूतों की हूण उत्पत्ति

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(d)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

उत्तर – (a)

व्याख्या – सही सुमेल है –

सूची-I (संस्थापक)	सूची-II (मत)
(a) भण्डारकर	(I) राजपूतों की हूण उत्पत्ति
(b) चन्दबरदाई	(II) अग्निकुण्ड से राजपूत उत्पत्ति
(c) कर्नल टाड	(III) राजपूतों की विदेशी उत्पत्ति
(d) गौरीशंकर ओझा	(IV) राजपूतों की क्षत्रिय उत्पत्ति

16. महाभारत में वर्णित स्थलों की पहचान निम्नलिखित में से किस स्थल से की जाती है?

(a) उत्तरी कृष्ण मार्जित भाण्ड
(b) लाल एवं कृष्ण मार्जित भाण्ड
(c) चित्रित धूसर भाण्ड
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर – (c)

व्याख्या – चित्रित धूसर मृदभाण्ड में मूलतः उत्तरवैदिक कालीन है जो लौह अवस्था को द्योतित करता है। ये मृदभाण्ड मूलतः पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश आदि क्षेत्रों से प्राप्त हुए हैं। वर्तमान में इसका काल 1200 से 600 ई. पू. के बीच मानते हैं। महाभारत में वर्णित स्थल चित्रित धूसर मृदभाण्ड के क्षेत्रों से सम्बन्धित थे।

17. सुल्तानगढ़ी किसका मकबरा था?

(a) कुतुबुद्दीन ऐबक (b) रुकनुद्दीन फिरोज
(c) बलबन (d) नसीरुद्दीन महमूद

उत्तर – (d)

व्याख्या– सुल्तानगढ़ी भारत में पहला इस्लामी मकबरा था। यह मकबरा इल्तुतमिश के ज्येष्ठ पुत्र नासिरुद्दीन महमूद का है। जो सुल्तानगढ़ी के नाम से प्रसिद्ध है। इसका निर्माण इल्तुतमिश ने 1231 ई. में करवाया था। इसका मध्य कक्ष अष्टकोणीय है तथा चारों कोनों पर बुर्ज निर्मित है। इसके स्तम्भों की शैली हिन्दू है तथा इसमें मेहराबों का प्रयोग किया गया है जो कि इस्लामी शैली का एक अंग है।

18. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए –

सूची-I (सूफी शब्दावली)	सूची-II (अर्थ)
(a) फुतुह	(i) सूफी खानकाह
(b) खानकाह	(ii) सूफी सन्त का वार्तालाप
(c) बरकत	(iii) बिन माँगा दान
(d) मलफूज	(iv) एक सूफी की आध्यात्मिक पवित्रता

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(a)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(b)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(c)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर – (b)

व्याख्या – सही सुमेल है –

सूची-I (सूफी शब्दावली)		सूची-II (अर्थ)
फुतूह	–	बिन मांगा दान
खानकाह	–	सूफी खानकाह
बरकत	–	एक सूफी की आध्यात्मिक पवित्रता
मलफूज	–	सूफी संत का वार्तालाप

19. वली और अमीर के पदों को किसने पृथक किया?

(a) बलबन (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) गयासुद्दीन तुगलक (d) मुहम्मद तुगलक

उत्तर – (d)

व्याख्या – मुहम्मद-बिन-तुगलक के समय इक्ता व्यवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया। उसने (मुहम्मद-बिन-तुगलक) इक्ता के अन्तर्गत वली (इक्ता प्रमुख) तथा अमीर के पदों को पृथक कर दिया अर्थात इक्ता क्षेत्र में राजस्व तथा आर्थिक उत्तरदायित्व का सैनिक कार्यभार से अलग करना था। उसने इक्ता में 'बली उल खराज' नामक नवीन पद का सृजन किया तथा उसे राजस्व एवं आर्थिक उत्तरदायित्व का हस्तान्तरण कर दिया। इसके विपरीत अमीर (मुक्ता) का कार्य सेना की देखरेख करना था।

20. 'दिल्ली राज्य की धुरी गेहूँ एवं जौ पर निर्भर करती है जबकि गुजरात सल्तनत की नींव मूँगों और मोतियों पर आधारित है क्योंकि वहाँ के सुल्तान के नियंत्रण में चौरासी बन्दरगाह हैं।' मीरात-ए-सिकन्दरी के लेखक के अनुसार यह टिप्पणी किसके द्वारा की गई?

(a) सुल्तान खिज्र खान (b) सिकंदर लोदी
(c) बाबर (d) हुमायूँ
उत्तर – (b)

व्याख्या – मीरात ए- सिकन्दरी के अनुसार- दिल्ली राज्य की धुरी गेहूँ एवं जौ पर निर्भर करती है जबकि गुजरात सल्तनत की नींव मूँगों और मोतियों पर आधारित है क्योंकि वहाँ के सुल्तान के नियंत्रण में चौरासी बन्दरगाह हैं। यह टिप्पणी सिकन्दर लोदी द्वारा की गयी थी। सैय्यद वंश का संस्थापक खिज्र खान था। यह सुल्तान की उपाधि न धारण कर रैयत-ए-आला की उपाधि से ही सन्तुष्ट रहा। मुगल वंश का संस्थापक जहीरुद्दीन मुहम्मद बाबर था। इसने तुर्की भाषा में तुजुक-ए-बाबरी नामक ग्रन्थ की रचना की थी, बाबर का पुत्र हुमायूँ था।

21. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए –

सूची-I (सिक्के का नाम)	**सूची-II (राज्य जहाँ सिक्के प्रचलित थे)**
(a) महमूदी	(i) सूरराज्य
(b) रूपिया	(ii) दिल्ली सल्तनत
(c) पगोड़ा	(iii) विजयनगर
(d) टंका	(iv) गुजरात सल्तनत

कूट :	**(A)**	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(d)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

उत्तर – (c)

व्याख्या – सही सुमेल है –

सूची-I (सिक्के का नाम)	**सूची-II (राज्य जहाँ सिक्के प्रचलित थे)**
(a) महमूदी	(I) गुजरात सल्तनत
(b) रूपिया	(II) सूरराज्य
(c) पगोड़ा	(III) विजयनगर
(d) टंका	(IV) दिल्ली सल्तनत

22. निम्नलिखित में से कौन-सा वक्तव्य नहीं है?
(a) सुल्तान जैनुल आबिदीन ने अपने दरबार में सैयदों को कभी भी तानाशाही शक्तियाँ हथियाने की इजाजत नहीं दी।
(b) वह अपने को अमीरूल मोमनिन कहता था।
(c) अपने कृषि उत्पादन एवं विस्तार में अत्यधिक रुचि ली।
(d) उसने शेखुल इस्लाम के पद को समाप्त कर दिया।
उत्तर – (d)

व्याख्या– 1420 ई. में कश्मीर में जैन-उल-अबीदीन सिंहासन पर बैठा। वह कश्मीर का सबसे महान शासक हुआ। वह धार्मिक दृष्टि से सहिष्णु था। उसकी धार्मिक उदारता के कारण बहुत से इतिहासकारों ने उसकी तुलना मुगल बादशाह अकबर से की है। उसने हिन्दुओं को धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान की तथा मंदिरों के निर्माण की आज्ञा दी तथा हिन्दुओं पर से जजिया कर हटाया। उसका गुजरात, ग्वालियर, मक्का, मिस्र, खुरासन आदि शासकों से मधुर सम्बन्ध था। उसने अपने सिक्को पर 'नायबे अमीरूल मोमिनीन' उपाधि उत्कीर्ण करवाया था। उसने शेखुल इस्लाम पद को स्थापित किया। इसका कार्य धार्मिक निधियों की व्यवस्था करना था।

23. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए –

सूची-I (विदेशी यात्री)	**सूची-II (शासक)**
(a) अब्दुर्रज्जाक	(i) अकबर
(b) इब्नबतूता	(ii) मुहम्मद बिन तुगलक
(c) सिंदी अली रईस	(iii) जहाँगीर
(d) विलियम फिंच	(iv) देव राय II

कूट :

	(A)	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(b)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(d)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

उत्तर – (d)

व्याख्या – सही सुमेल है –

सूची-I (विदेशी यात्री)	**सूची-II (शासक)**
(a) अब्दुर्रज्जाक	(I) देवराय II
(b) इब्नबतूता	(II) मुहम्मद बिन तुगलक
(c) सिदी अली रईस	(III) अकबर
(d) विलियम फिंच	(IV) जहाँगीर

24. मुगल काल में जजिया कर से सम्बन्धित निम्नलिखित वक्तव्यों पर विचार कीजिए –
(i) अकबर ने 1564 में जजिया कर समाप्त किया।
(ii) अकबर ने 1575 में जजिया कर को पुनः लागू किया।
(iii) अकबर ने 1579-80 में जजिया कर को पुनः समाप्त किया।
(iv) औरंगजेब ने 1679 में जजिया कर को पुनः लागू किया।
ऊपर दिये गये वक्तव्यों में से कौन-से सही हैं?
(a) (i), (ii) (b) (i), (ii), (iii)
(c) (i), (ii), (iii), (iv) (d) (i), (iv)
उत्तर – (c)

व्याख्या – मार्च 1564 ई. में अकबर ने सभी गैर मुसलमानों को जजिया कर से मुक्त कर दिया था। 1575 ई. में अकबर ने पुनः जजिया कर हिन्दुओं पर लगा दिया लेकिन कुछ समय बाद 1579-80 में पुनः जजिया को समाप्त कर दिया। औरंगजेब ने भी गैर मुसलमानों पर 1679 ई. में जजिया कर लगा दिया था।

25. निम्नलिखित को सही कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए और निम्न कूट में से सही उत्तर चुनिए –
(i) अकबर द्वारा उड़ीसा की विजय
(ii) दाग प्रथा की शुरुआत
(iii) बारह सूबों का सृजन
(iv) द्वैध पदों की शुरुआत (जात एवं सवार)
कूट :
(a) (iii) (i) (ii) (iv)
(b) (i) (iii) (iv) (ii)
(c) (ii) (iii) (i) (iv)
(d) (iii) (iv) (i) (ii)
उत्तर – (c)

व्याख्या – निम्नलिखित घटनाओं का सही कालानुक्रम इस प्रकार है-
1. अकबर द्वारा दाग प्रणाली प्रारम्भ किया गया- 1573-74 ई.
2. अकबर द्वारा साम्राज्य को 12 सूबों में विभाजित किया गया- 1580 ई.
3. मानसिंह के नेतृत्व में उड़ीसा (ओडिशा) विजय- 1592 ई.
4. अकबर द्वारा मनसब व्यवस्था में द्वैध पदों की शुरूआत की गई अर्थात जात एवं सवार व्यवस्था लागू किया गया- 1595 ई.

26. निम्नलिखित में से किन चित्रकारों के बारे में जहाँगीर की मान्यता थी कि अपने विशिष्ट क्षेत्र में उनका कोई प्रतिस्पर्धी नहीं था?
(i) अबुल हसन (ii) बिशन दास
(iii) उस्ताद मंसूर (iv) मनोहर

निम्न छूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए –

कूट :

(a) (i), (ii), (iv) (b) (i), (iii)
(c) (ii), (iv) (d) (i), (iii), (iv)

उत्तर– (b)

व्याख्या- जहाँगीर चित्रकला का शौकीन और पारखी दोनों ही था। इसके समय में मुगल चित्रकला अपनी उन्नति की चरम सीमा पर पहुँच गयी थी। अबुल हसन और उस्ताद मंसूर जैसे चित्रकारों के बारे में जहाँगीर की मान्यता थी कि अपने विशिष्ट क्षेत्र में उनकी कोई प्रतिस्पर्धा नहीं थी। जहाँगीर ने अबुल हसन को 'नादिर उल जमा' और मंसूर को नादिर-उस-अस्त्र' की उपाधियाँ दी थी।

27. निम्नलिखित उत्तर-पूर्वी भारत के किन राज्यों पर मुगलों द्वारा आक्रमण किया गया?

(i) दिमसा (ii) मैती
(iii) अहोम (iv) कूच

कूट :

(a) (i) एवं (ii) (b) (ii)
(c) (iii) एवं (iv) (d) (i), (ii), (iii)

उत्तर – (c)

व्याख्या – मुगल शासक औरंगजेब ने उत्तर-पूर्वी सीमांत की ओर अपना ध्यान लगाया। उत्तराधिकार युद्ध के समय कूच बिहार तथा असम के शासकों ने मुगलों के जिला कामरूप पर अधिकार कर लिया। 1661 ई. में मीर जुमला ने कूच बिहार पर आक्रमण करके एक जल युद्ध में शासक जयध्वज को पराजित करके मुगल साम्राज्य में मिला लिया। 13 मार्च, 1662 को मीर जुमला ने अहोम सेनाओं को पराजित कर उनकी राजधानी गढ़गाँव पर अधिकार कर लिया। इस विजय के फलस्वरूप मीर जुमला के हाथ पर्याप्त सम्पत्ति आयी।

28. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं, एक को कथन (A) एवं दूसरे को कारण (R) कहा गया है –

कथन (A) : मध्यकाल में संगीत पर संस्कृत में लिखी गई अनेक पुस्तकों का फारसी में अनुवाद किया गया।

कारण (R) : आरम्भिक चिश्ती सूफी संत संगीत सभाओं, जिन्हें समा कहा गया है, के शौकीन थे।

उपरोक्त कथनों पर विचार कीजिए एवं नीचे दिये गये कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए –

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।

उत्तर – (b)

व्याख्या – अमीर खुसरो को भारतीय संगीत में अनेक फारसी एवं अरबी तत्वों के समावेश का श्रेय दिया जाता है। जिनमें 'कव्वाली' और तराना जैसे गायकी के नए रूप सम्मिलित हैं। सुल्तान हुसैन शर्की जो जौनपुर का शासक था, संगीत के क्षेत्र में अग्रणी था। संगीत में उसकी महत्वपूर्ण देन 'ख्याल' की गायकी है। उसके समय संगीत पर गुनयाल-उल-मुनयास तथा संगीत-शिरोमणी ग्रंथों की रचना की गई। सिकन्दर लोदी ने संगीत पर लज्जत-ए-सिकंदरशाही नामक एक ग्रंथ की रचना करवाई थी। मध्यकाल में संगीत मकारण्डा, संगीत समय सार एवं संगीत कलपात्रु जैसे संगीत पर लिखित ग्रंथों का फारसी भाषा में अनुवाद किया गया था। इस प्रकार मध्यकाल में अनेक संस्कृत ग्रन्थों का फारसी भाषा में अनुवाद किया गया। आरम्भिक सूफियों ने संगीत (समा) से बहुत प्रेम था। वे समा द्वारा ईश्वर की आराधना करते थे। इस प्रकार (A) तथा (R) दोनों सही हैं किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

29. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं, एक को कथन (A) एवं दूसरे को कारण (R) कहा गया है –

कथन (A) : शाहजहाँ के शासनकाल में संगीत एवं नृत्यकलाएं अपनी चरमसीमा तक पहुँच गई थीं।

कारण (R) : वह कलाओं एवं साहित्य का संरक्षक था।

उपर्युक्त कथनों पर विचार कीजिए एवं नीचे दिये गये कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए –

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।

उत्तर – (d)

व्याख्या – अकबर के संगीत संरक्षण के संबंध में अबुल फजल लिखता है कि बादशाह सलामत संगीत की ओर बड़ा ध्यान देते थे और उन सब लोगों को संरक्षण प्रदान करते थे जो मोहक कला का अभ्यास करते हैं। उनके दरबार में अनेक संगीतकार थे जिनमें हिन्दू, ईरानी, तूरानी, कश्मीरी, स्त्री और पुरुष कलाकार थे। शाहजहाँ के काल में उतना संगीत का विकास नहीं हुआ जितना कि अकबर के शासन काल में हुआ। उसने केवल कला एवं साहित्य को संरक्षण दिया। इस प्रकार (A) गलत है तथा (R) सही है।

30. कलकत्ता के फोर्ट विलियम का प्रथम सभापति कौन था?

(a) चार्ल्स आयर (b) जॉन चाइल्ड
(c) जार्ज अक्सेन्डन (d) जीराल्ड आन्जीअर

उत्तर – (a)

व्याख्या – इंग्लैण्ड के सम्राट के सम्मान में कलकत्ता में फोर्ट विलियम की स्थापना की गयी थी। सर चार्ल्स आयर इसका पहला प्रेसीडेंट हुआ। सन् 1700 ई. में यह पहला प्रेसीडेंसी नगर घोषित किया गया। कलकत्ता सन् 1774 ई. से 1911 ई. तक ब्रिटिश भारत की राजधानी रहा।

31. 16वीं शताब्दी के पूर्वार्ध में भारत में पुर्तगाली व्यापारियों की गतिविधियों के बारे में निम्नलिखित वक्तव्यों में से कौन-सा सही नहीं है?

(a) लाल सागर मार्ग द्वारा भारत में सर्वप्रथम प्रवेश करने वाले यूरोपवासी पुर्तगाली थे।
(b) यूरोप के बाजारों में भारतीय मसालों को बेच कर पुर्तगालियों ने बहुत लाभ प्राप्त किया।
(c) पुर्तगालियों ने हिन्द महासागर के अनेक तटीय स्थानों को अधिकृत कर वहाँ पर अपने दुर्गों का निर्माण किया।
(d) पुर्तगालियों द्वारा यह उद्घोषणा की गई कि अन्य व्यापारी बिना उनकी अनुमति के अपने जहाज हिन्द महासागर में नहीं ला सकते।

उत्तर – (a)

व्याख्या– आशा अंतरीप (अटलांटिक महासागर) के रास्ते होते हुए 1498 ई. में वास्को-डि-गामा जब कालीकट पहुँचा तो अरबी व्यापारियों ने उसका विरोध किया किन्तु कालीकट का शासक जमोरिन ने उसका स्वागत किया और उसे काली मिर्च एवं जड़ी-बूटियाँ इत्यादि के व्यापार की आज्ञा प्रदान की। वास्को-डि-गामा को अपने इस यात्रा से व्यय का लगभग 60 गुना अधिक लाभ हुआ। सोलहवीं शताब्दी में पुर्तगालियों का मुख्य उद्देश्य यूरोप में भेजे जाने वाले मसालों पर एकाधिकार स्थापित करना एवं अन्य एशियाई व्यापार पर नियंत्रण करना और उससे कर उगाहना था। वे अपने आप को सागर का स्वामी मानते थे। उन्होंने एशियाई व्यापार पर नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से हिन्द महासागर पर नियंत्रण स्थापित किया तथा कार्टेज व्यवस्था लागू किया।

32. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है –

कथन (A) : 1793 में बंगाल में लागू किये गये स्थायी बंदोबस्त की मूलभूत बात थी सदैव के लिए कर निर्धारण करना।

कारण (R) : कार्नवालिस का विश्वास था कि जमींदार अपनी भूमि का विकास करेंगे।

उपरोक्त कथनों के संदर्भ में निम्न में से कौन-सा सही है?

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।
(d) (A) सत्य है और (R) असत्य है।

उत्तर – (b)

व्याख्या – 22 मार्च, 1793 ई. को कार्नवालिस ने 10 वर्षीय स्थायी बंदोबस्त व्यवस्था पश्चिम बंगाल में लागू किया। इस व्यवस्था में भू-राजस्व सदैव के लिए निर्धारित कर दिया गया जो जमींदारों को प्रतिवर्ष जमा करना पड़ता था। इस व्यवस्था में लगान का 10/11 भाग सरकार का तथा 1/11 भाग जमींदारों का निश्चित किया गया। जमींदारों को इससे सर्वाधिक लाभ हुआ क्योंकि भूमि पर उनका वास्तविक अधिकार स्वीकृत कर लिया गया एवं भू-स्वामित्व परम्परागत हो गया। यह व्यवस्था इसलिए लागू किया गया था क्योंकि कार्नवालिस को विश्वास था कि जमींदार अपनी भूमि का विकास करेंगे। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

33. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए –

सूची-I	सूची-II
(a) महात्मा गाँधी	(i) सूरत अधिवेशन के अध्यक्ष
(b) रासबिहारी बोस	(ii) कलकत्ता अधिवेशन के अध्यक्ष
(c) दादाभाई नौरोजी	(iii) लाहौर अधिवेशन के अध्यक्ष
(d) जवाहर लाल नेहरू	(iv) बेलगाम अधिवेशन के अध्यक्ष

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(c)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(d)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

उत्तर – (b)

व्याख्या – सही सुमेल है –

सूची-I	सूची-II
(a) महात्मा गाँधी	(I) बेलगाम अधिवेशन (1924) के अध्यक्ष
(b) रासबिहारी बोस	(II) सूरत अधिवेशन (1907) के अध्यक्ष
(c) दादाभाई नौरोजी	(III) कलकत्ता अधिवेशन (1886) के अध्यक्ष
(d) जवाहर लाल नेहरू	(IV) लाहौर अधिवेशन (1929) के अध्यक्ष

34. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए –

सूची-I	सूची-II
(a) वी. डी. सावरकर	(i) गदर पार्टी
(b) लाला हरदयाल	(ii) कर्जन वाइली
(c) तारकनाथ दास	(iii) अभिनव भारत
(d) मदनलाल ढींगरा	(iv) फ्री हिन्दुस्तान

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(c)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(d)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

उत्तर – (d)

व्याख्या – सही सुमेल है –

(a) वी. डी. सावरकर	(I) अभिनव भारत
(b) लाला हरदयाल	(II) गदर पार्टी
(c) तारकनाथ दास	(III) फ्री हिन्दुस्तान
(d) मदनलाल ढींगरा	(IV) कर्जन वाइली

35. क्रिप्स मिशन का उद्देश्य था –

(a) भारत छोड़ो आन्दोलन को शुरू होने से पहले रोकना।
(b) भारतीय नेताओं को ब्रिटेन के युद्ध प्रयासों को समर्थन देने के लिए मनाना।
(c) कांग्रेस मंत्रिमण्डलों को त्यागपत्र न देने के लिए राजी करना।
(d) संविधान बनाने वाली समिति को तुरंत गठित करना।

उत्तर – (b)

व्याख्या – जब द्वितीय विश्व युद्ध मे मित्र राष्ट्रों की स्थिति बिगड़ने लगी तब संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति रूजवेल्ट, चीन के राष्ट्रपति च्यांगकाई-शेक तथा ब्रिटेन के लेबर पार्टी के नेताओं ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री चर्चिल पर दबाव डाला कि वे युद्ध में भारतीयों का सहयोग प्राप्त करें। अतः उन्होंने मार्च 1942 मे कैबिनेट मंत्री स्टैफोर्ड क्रिप्स के नेतृत्व में एक सद्भाव मण्डल भेजा। क्रिप्स ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का समर्थन किया था। क्रिप्स प्रस्ताव में युद्ध समाप्त होने के बाद एक निर्वाचित संविधान सभा गठित करने, डोमिनियन राज्य (स्वतंत्र उपनिवेश) का दर्जा देने, वायसराय की कार्यकारिणी में भारतीयों को स्थान देने आदि का उल्लेख किया गया था।

नोटः- यूजीसी आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (*) माना है।

36. नीचे दो वक्तव्य दिये गये हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है –

कथन (A) : अंग्रेजों ने भारत में पाश्चात्य शिक्षा को आरम्भ किया।

कारण (R) : वे भारतीयों को वैज्ञानिक एवं राष्ट्रीय प्रगति के प्रति जागरूक करना चाहते थे।

उपरोक्त कथनों के संदर्भ में निम्न में से कौन-सा सही है?

(a) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है।
(b) (A) एवं (R) दोमों असत्य हैं।
(c) (A) सत्य है एवं (R), (A) की सही व्याख्य है।
(d) (A) एवं (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर – (*)

व्याख्या – पाश्चात्य शिक्षा का भारत में आरम्भ मुनरो एवं एल्फिंस्टन ने किया, जिसका समर्थक मैकाले था। मैकाले भारतीयों में पाश्चात्य शिक्षा के प्रचार के लिए एक ऐसे समूह का निर्माण करना चाहता था जो रंग एवं रक्त से तो भारतीय हों पर विचारों, रुचि एवं बुद्धि से अंग्रेज हो। मैकाले का मानना था कि यूरोप के एक अच्छे पुस्तकालय की एक आलमारी का तख्ता भारत एवं अरब के समस्त साहित्य से अधिक मूल्यवान है। अंग्रेजों ने भारत में पाश्चात्य शिक्षा का प्रारम्भ अवश्य किया था किन्तु यह मंतव्य बिल्कुल नहीं था कि वे भारतीयों को राष्ट्रीय प्रगति के बारे में जागरूक करें अपितु उनका उद्देश्य केवल शासकीय कार्यों में सहयोग प्राप्त करना था ताकि ब्रिटिश हितों को पुष्ट किया जा सके। अतः (A) सत्य है (R) असत्य है। कोई भी विकल्प सही न होने के कारण आयोग ने इस प्रश्न पर (*) दिया है।